{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 12 मई 2026
वैशाख कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 227
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,015.28
निफ्टी	-	23,815.85
सोना	-	1,52,130
चांदी	-	2,75,000
डॉलर	-	95.28

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पीएम लगातार दूसरे दिन बोले- पेट्रोल-डीजल कम इस्तेमाल करें

सोने की खरीद टालें, तेल कम खाएं; स्कूल ऑनलाइन हों, कंपनियां वर्क फ्रॉम होम दें

जामनगर। पीएम नरेंद्र मोदी ने लगातार दूसरे दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का उपयोग कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें।

वडोदरा में मोदी ने कहा कि जैसे देश ने मिलकर कोरोना संकट का सामना किया था, वैसे ही मौजूदा संकट से भी देश बाहर निकल जाएगा। विदेश में रहने वाले भारतीयों से कहूंगा कि कम से कम पांच विदेशी मेहमानों को भारत घुमाने लाइए। उन्होंने कहा- सोने के आयात पर भी देश का बहुत बड़ा पैसा विदेश जाता है। जब तक हालात सामान्य न हों हम सोने की खरीद टालें। गोल्ड की जरूरत नहीं है।

मोदी ने खाने के तेल की खपत कम करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि खाद्य तेल के आयात पर भी देश की बड़ी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। अगर लोग खाने के तेल का कम उपयोग करें तो इससे देश और शहर दोनों को फायदा होगा।

पीएम बोले- भारत को कोई झुका नहीं सकता, 5 मुख्य बातें

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तब तक मजबूत नहीं बन सकता, जब तक वह अपनी जड़ों से जुड़ा न रहे।

भारत में विरासत और आधुनिकता एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, दोनों साथ-साथ चलते हैं।

हमारे देश में सांस्कृतिक और पवित्र स्थलों के पुनर्निर्माण को लेकर काफी राजनीति हुई है। दुर्भाग्य से आज भी ऐसी ताकतें हैं, जो राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टिकरण को महत्व देती हैं।

लुटेरों ने सोमनाथ मंदिर की भव्यता मिटाने की कोशिश की। इस मंदिर को बार-बार तोड़ा गया, लेकिन हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ।

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही दबा सकती है।

पोकरण परमाणु परीक्षण पर मोदी बोले- दुनिया हिल गई थी

इससे पहले मोदी सोमनाथ मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- आज का दिन एक और वजह से भी खास है। आज के ही दिन 11 मई 1998 को देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। तब दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतर गई थीं।

क्रू ने कहा- भारत के लिए सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। लेकिन हम डरे नहीं, डटे रहे। भारत ने पोकरण परमाणु परीक्षण को ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था। क्योंकि शिव के साथ शक्ति आराधना ही हमारी परंपरा रही है। मैं भगवान सोमनाथ के चरणों में नमन करते हुए ऑपरेशन शक्ति की बधाई देता हूं।

वाजपेयी सरकार में हुआ था दूसरा परमाणु परीक्षण

11 मई 1998 को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण किया था। यह काफी गोपनीय ऑपरेशन था। इसकी तैयारियां इतनी गुप्त थीं कि विदेशी खुफिया एजेंसियों को इसकी भनक तक नहीं लगी।

इन परीक्षणों के जरिए भारत ने दुनिया को अपनी रणनीतिक और वैज्ञानिक ताकत दिखाई। लेकिन परमाणु परीक्षणों के बाद अमेरिका, जापान और कुछ पश्चिमी देशों ने भारत पर कई आर्थिक और तकनीकी प्रतिबंध लगाए थे।

पीएम मोदी की सात अपीलें

उपदेश नहीं नाकामी....

-राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर साधा निशाना पलटवार

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम मोदी की हालिया सात अपीलों पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी बताया। उन्होंने कहा कि अब देश चलाना पीएम मोदी के बस में नहीं रह गया है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा- कल मोदीजी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का इस्तेमाल घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।

उन्होंने कहा कि 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं। दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो सके और पर्यावरण की रक्षा हो सके।

पीएम मोदी रविवार को कहा था कि आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं।

पीएम ने कहा कि पेट्रोल, गैस और डीजल बचाने के लिए हमें वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत है। अनावश्यक वाहन का इस्तेमाल कम करें। मेट्रो में सफर और कारपूलिंग करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को उसमें बैठाकर ले जाएं। हर परिवार अगर खाने के तेल का इस्तेमाल थोड़ा कम करे तो इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और लोगों की सेहत भी बेहतर रहेगी। देश को रासायनिक उर्वरकों की खपत आधी करने का लक्ष्य रखना चाहिए और तेजी से प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए। शादियों, छुट्टियों और अन्य कारणों से विदेश यात्रा कुछ समय के लिए टालना देशहित में होगा। सोने के आयात में बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। देशहित में लोगों को एक साल तक सोना खरीदने और दान करने से बचना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर साल सोने के आयात पर लाखों करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। 2024-26 में यह आंकड़ा 4.89 लाख करोड़ रुपए था, जो 2025-26 में 6.40 लाख करोड़ रुपए रहा।

खास खबर

जैकलीन फर्नांडीस के सरकारी गवाह बनने की कोशिश पर ईडी का अड़ंगा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस को महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोमवार को बड़ा झटका लगा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने की अर्जी का कड़ा विरोध किया है। पटियाला हाउस कोर्ट ने अभिनेत्री जैकलीन के वकील को ईडी के जवाब पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है, जिसकी अगली सुनवाई 12 मई को होगी। सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत को बताया कि जैकलीन ने जांच के दौरान बिल्कुल भी सहयोग नहीं किया था और उनका आचरण संतोषजनक नहीं रहा। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि उन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 50 के तहत दर्ज अपने बयानों में पूर्ण और सही जानकारी देने में लगातार विफलता दिखाई। ईडी ने कहा कि जैकलीन को सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक इतिहास और धोखाधड़ी के बारे में पूरी जानकारी थी, इसके बावजूद उन्होंने उससे नियमित और लगातार संपर्क बनाए रखा। एजेंसी का दावा है कि सुकेश ने अपराध की आय से ही जैकलीन को महंगे उपहार और अन्य सामान दिलाए थे, जो कि मनी लॉन्ड्रिंग का हिस्सा था।

सांसद सागरिका को मिली धमकी

नई दिल्ली। राज्यसभा में टीएमसी की उपनेता और सांसद सागरिका घोष को फोन पर धमकी

मिली है। सागरिका घोष ने इसकी जानकारी अपने एक्स हैंडल पर दी। उन्होंने दिल्ली पुलिस से एक्शन लेने की गुहार लगाई है। सागरिका घोष ने आरोपियों के नंबर भी साझा किया है। सागरिका ने लिखा- डियर दिल्ली पुलिस मुझे कल शाम तीन अलग-अलग नंबरों से धमकी भरे कॉल आए, जिनकी पहचान मैंने अपने ट्रू कॉलर ऐप के जरिए कर ली है। आशा है आप जरूरी कार्रवाई करेंगे। मैं शिकायत भी दर्ज कराऊंगी। धन्यवाद। बता दें सागरिका घोष पत्रकार, लेखिका और वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा में उपनेता और सांसद हैं। वह जाने माने पत्रकार राजदीप सरदेसाई की पत्नी हैं। उन्होंने फरवरी 2024 में एक्टिव पॉलिटिक्स में कदम रखा और टीएमसी के टिकट पर पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सदस्य चुनी गईं। वर्तमान में वे राज्यसभा में टीएमसी की डिप्टी लीडर भी हैं। सागरिका घोष ने 30 साल तक पत्रकारिता की।

सोमनाथ अमृत महोत्सव में पीएम मोदी को हुई दिव्य अनुभूति

प्रधानमंत्री बोले- आज वो उस क्षण को जी रहे जो पहले कभी देश के प्रथम राष्ट्रपति ने जीआ होगा

अहमदाबाद। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया, जहां उन्होंने दिव्य अनुभूति व्यक्त कर कहा कि वे यहां आकर धन्य महसूस कर रहे हैं। यह महोत्सव पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के भक्तों के लिए अपने द्वार खोलने के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी भावनाएं व्यक्त कर प्रधानमंत्री मोदी ने जय सोमनाथ लिखा और बताया कि पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ पर पावनधाम सोमनाथ आकर मन अभिभूत और भावविभोर हो गया है। उन्होंने कहा कि वह आज उस क्षण को जी रहे हैं, जिसका अनुभव भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के लोकार्पण के मौके पर जीआ होगा। उन्होंने इस दिन को भारत की सभ्यतागत यात्रा में एक मील का पत्थर बताया।

इस ऐतिहासिक मौके पर भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबेटिक्स टीम ने बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक सोमनाथ मंदिर के ऊपर शानदार हवाई करतब दिखाए, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध हो गया। इस मौके प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर में एक विशेष महापूजा में भी हिस्सा लिया।

वहीं सोमनाथ पहुंचने से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने जामनगर से मंदिर तक एक भव्य रोड शो किया। हेलीपैड से वीर हमीरजी सर्कल तक करीब 1.5 किलोमीटर लंबे मार्ग पर हजारों लोग उनके स्वागत के लिए उमड़ पड़े। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी भी इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ मौजूद थे। समर्थकों ने झंडे लहराए, नारे लगाए, जबकि पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के कलाकारों ने मार्ग में निर्धारित स्थानों पर पारंपरिक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को और भी भक्तिमय बना दिया।

बंगाल चुनाव हार पर टीएमसी का नया दावा : एसआईआर के कारण गई 31 सीटें

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद सत्ता से बाहर हुई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सुप्रीम कोर्ट में नतीजों को लेकर एक नया दावा पेश किया है। ममता की पार्टी ने सोमवार को एसआईआर (स्ट्राइक-आउट, इनएलिजिबल और रिजेक्टेड) से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इसी प्रक्रिया के चलते 31 सीटों पर चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ और पार्टी को हार का सामना करना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार के लिए पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील में कहा कि इन 31 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का अंतर एसआईआर में हटाए गए मतदाताओं की संख्या से भी कम है। उन्होंने कहा कि यदि एसआईआर के कारण मतदाताओं का नाम सूची से नहीं हटाया जाता, तब इन सीटों का परिणाम निश्चित रूप से कुछ और हो सकता था और इससे चुनाव का रुख बदल सकता था। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कई

सीटें ऐसी भी हैं, जहां कटे हुए वोटों की संख्या और जीत का अंतर करीब बराबर है। उन्होंने कहा कि एक सीट पर, तब तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार मात्र 862 वोटों से हार गया, जबकि उसी सीट पर एसआईआर प्रक्रिया के तहत 5432 वोट हटा दिए गए थे।

तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि राज्य के चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच कुल 32 लाख वोटों का अंतर रहा है, जबकि वोटर सूची से नाम हटाने संबंधी 35 लाख अपीलें फिलहाल विभिन्न न्यायाधिकरणों (ट्राइब्यूनल्स) के समक्ष लंबित हैं, जिन पर अभी फैसला आना बाकी है। ममता के वकील ने इस दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची की एक पुरानी टिप्पणी का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि डिलीट हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा रहती है, तब इसतरह के मामलों का न्यायिक परीक्षण अवश्य किया जाना चाहिए।

इन दलीलों पर सुनवाई कर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने टीएमसी को सलाह दी है कि वे इस मामले को लेकर अलग से याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट बेंच ने स्पष्ट रूप से कहा कि ममता बनर्जी सहित इन 31 सीटों के सभी उम्मीदवार इस दावे के साथ अलग से याचिकाएं दायर कर सकते हैं। अदालत ने ममता बनर्जी का नाम विशेष रूप से इसलिए लिया क्योंकि भवानीपुर सीट भी उन्हीं सीटों में शामिल है, जहां एसआईआर में कटे वोटों से जीत का अंतर कम बताया जा रहा है।

केरल में मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस खत्म होने के आसार, कल शाम तक हो सकता नाम का ऐलान

नई दिल्ली। केरल में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत दर्ज करने के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर बना सस्पेंस अब जल्द खत्म हो सकता है। कांग्रेस नेतृत्व अगले 1 दिन के भीतर नए मुख्यमंत्री के नाम का औपचारिक ऐलान कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक कल शाम तक अंतिम फैसला सामने आ सकता है, जबकि इसके बाद गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

कांग्रेस गठबंधन को विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर बना हुआ है। कई दिनों से जारी बैठकों और मंथन के बीच अब पार्टी नेतृत्व अंतिम निर्णय के करीब पहुंचता दिखाई दे रहा है।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को मुख्यमंत्री पद को लेकर विस्तृत चर्चा की। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने इस विषय पर प्रियंका गांधी वाड्रा से भी राय ली है। साथ ही गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों से भी परामर्श का दौर जारी है।

इसी बीच पार्टी उच्च नेतृत्व ने राज्य के कई वरिष्ठ नेताओं को नई दिल्ली बुलाया है। इनमें के सुधाकरन, के मुरलीधरन, एम एम हसन और तिरुवरूर राधाकृष्णन जैसे वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल बताए जा रहे हैं।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि के सी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि कांग्रेस नेतृत्व आधिकारिक घोषणा से पहले सभी पक्षों को साथ लेकर चलने की रणनीति पर काम कर रहा है।

अब सबकी निगाहें दिल्ली में होने वाली अंतिम बैठक पर टिकी हैं, जहां से केरल के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग सकती है।

तमिलनाडु की राजनीति में हलचल, अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम में फिर टूट के संकेत

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद अब अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के भीतर नेतृत्व को लेकर नई खींचतान शुरू हो गई है। पार्टी में एक और बड़ी टूट की आशंका जताई जा रही है, जिससे राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है।

सूत्रों के अनुसार पार्टी के करीब 30 विधायकों ने कार्यवाहक विधानसभा अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर एस पी वेलुमणि को विधायक दल का नेता मान्यता देने की मांग की है। बताया जा रहा है कि यह समूह वरिष्ठ नेता सी वी शणमुगम के समर्थन में खड़ा है और पार्टी नेतृत्व में बदलाव चाहता है।

वहीं दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पडी के पलानीस्वामी के समर्थन में भी 17 विधायकों ने अलग पत्र सौंपा है। इससे साफ है कि पार्टी अब दो खेमों में बंटती दिखाई दे रही है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सी वी शणमुगम का गुट अभिनेता और मुख्यमंत्री विजय की सरकार को समर्थन देने के पक्ष में है। अगर यह गुट पार्टी के कुल विधायकों में दो-तिहाई समर्थन जुटाने में सफल रहता है, तो वह खुद को पार्टी का वास्तविक नेतृत्व होने का दावा कर सकता है।

जानकारों का मानना है कि यदि यह गुट किसी दूसरी पार्टी में विलय का फैसला करता है, तो दल-बदल विरोधी कानून के तहत विधायकों की सदस्यता बची रह सकती है।

कुछ ना कहना

असम में हिमंता बिस्वा सरमा का शपथ ग्रहण आज

गुवाहाटी,। असम के भावी मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने घोषणा की है कि 12 मई को शपथ ग्रहण के बाद उनकी नई सरकार पार्टी के घोषणापत्र को लागू करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। सरमा ने स्पष्ट किया कि शपथ ग्रहण के तुरंत बाद होने वाली पहली कैबिनेट बैठक में घोषणापत्र के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 मई को गुवाहाटी पहुंचने और शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले है। सीएम सरमा ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और कई एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी

इस ऐतिहासिक मौके के साक्षी बनने वाले है। पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले है।

असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने 11 मई को राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य की ओर से हिमंता बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करने का आदेश जारी किया था। राज्यपाल ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 164(1) के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह नियुक्ति की। सरमा 12 मई को सुबह 11:40 बजे गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे।

एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी में डीएसी कोड अनिवार्य

-धोखाधड़ी से बचने के लिए कंपनियां सतर्क

नई दिल्ली। एलपीजी गैस सिलेंडर की डिलीवरी अब पूरी तरह से डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के माध्यम से हो रही है, जिससे सिलेंडर का गलत हाथों में जाना असंभव हुआ है। यह नई व्यवस्था गैस सिलेंडर के वितरण को सुरक्षित और सुनिश्चित बनाने के लिए लागू की गई है, ताकि प्रत्येक सिलेंडर सही उपभोक्ता तक पहुंचे। हालांकि, इस सुरक्षा प्रणाली के साथ ही एक नई चुनौती भी सामने आई है- साइबर अपराधी अब फेक डीएसी कोड के जरिए लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। यह देखकर इंडेन, एचपीसीएल और भारत गैस जैसी एलपीजी सप्लाई कंपनियों ने उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण अपडेट और सुरक्षा दिशानिर्देश जारी किए हैं।

कंपनियों ने असली और नकली डीएसी कोड संदेशों की पहचान के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। एचपीसीएल और भारत गैस के अनुसार, आधिकारिक संदेश विशिष्ट सेंडर नामों से आते हैं और उनमें एक ओटीपी (एचपीसीएल के लिए 4 अंक, इंडेन के लिए 6 अंक) होता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह ओटीपी या डीएसी कोड केवल तभी साझा किया जाना चाहिए जब डिलीवरी बॉय सिलेंडर लेकर आपके घर पहुंच जाए। कंपनियां चेतावनी देती हैं कि उनके कर्मचारी कभी भी फोन कॉल, व्हाट्सएप या किसी संदिग्ध लिंक के माध्यम से ओटीपी या डीएसी कोड नहीं मांगते। साइबर विशेषज्ञ उपेंद्र सिंह इंडेन के उपभोक्ताओं को सलाह देते हैं कि वे हमेशा यह सुनिश्चित करें कि उन्होंने सिलेंडर बुक किया था और संदेश आधिकारिक सेंडर आईडी से आया हो। किसी भी इसतरह के संदेश पर भरोसा न करें जो जल्दबाजी में कार्रवाई करने को कहे, अजीब लगे, या जिसका सेंडर आईडी संदिग्ध हो।

एलपीजी सिलेंडर के घरेलू और व्यावसायिक दोनों ही दरों में विभिन्न शहरों में अंतर है। उदाहरण के लिए, बेंगलुरु में घरेलू सिलेंडर 915.50 और हैदराबाद में 965 में उपलब्ध है, जबकि पटना में यह 1002.50 का है। जयपुर में घरेलू सिलेंडर 916.5 और देहरादून में 932 का है। व्यवसायिक सिलेंडर की कीमतें भी इसी तरह अलग-अलग हैं।

अशोक जाट पर जिला बदर कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के पुतले को किया आग के हवाले

काली पुतली चौक पर कांग्रेसियों की नारेबाजी, पुलिस ने पुतला जलाने से रोका, किसानों की अनदेखी का लगाया आरोप

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

उज्जैन किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पर जिला बदर की कार्रवाई किए जाने के विरोध में बालाघाट में किसान कांग्रेस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान स्थानीय कालीपुतली चौक पर मुख्यमंत्री मोहन यादव के पुतला को आग के हवाले किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कार्रवाई को लोकतांत्रिक आवाज दबाने का प्रयास बताया। किसान कांग्रेस पदाधिकारियों का कहना था कि सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई कर रही है। पुतला दहन कार्यक्रम को देखते हुए मौके पर सुरक्षा व्यवस्था के तहत बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हल्की झड़प जैसी स्थिति भी बनी। पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए कांग्रेसियों को पूरा पुतला जलाने से रोक दिया, जिसके बाद कुछ देर तक मौके पर तनाव की स्थिति बनी रही। हालांकि बाद में पुलिस की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ। प्रदर्शन में किसान कांग्रेस के पदाधिकारी, कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

उज्जैन किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक जाट पर की गई जिला बदर की कार्रवाई को लेकर अब कांग्रेस का विरोध प्रदेशभर में तेज होता दिखाई दे रहा है। इसी विरोध के तहत बालाघाट जिले में भी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन का प्रयास किया। सोमवार 11 मई को स्थानीय काली पुतली चौक में किसान कांग्रेस सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बताया जा रहा है कि उज्जैन किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक जाट के खिलाफ उनके आपराधिक रिकॉर्ड को आधार बनाते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा 6 महीने के लिए जिला बदर की कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई को कांग्रेस नेताओं ने राजनीतिक द्वेषपूर्ण बताते हुए भाजपा सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया है। बालाघाट में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष भुरु पटेल और जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार लगातार कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बना रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए प्रशासनिक कार्रवाई का सहारा ले रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि उज्जैन में किसान कांग्रेस पदाधिकारी पर की गई जिला बदर की कार्रवाई इसी राजनीतिक मानसिकता का परिणाम है। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार ने सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसान लगातार परेशान हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दे रही है। किसानों को उनकी उपज का उचित समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा है और जिले में भी किसानों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसान हितैषी होने का दावा करती है, लेकिन जमीन पर किसान परेशान और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार किसानों और विपक्षी नेताओं के हित में काम करने के बजाय उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने में लगी हुई हैं। इसी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पुतला दहन करने का निर्णय लिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए पुतला जलने नहीं दिया। जैसे ही कांग्रेसियों ने पुतले को आग लगाने की कोशिश की, पुलिसकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए पुतले को कब्जे में ले लिया और उसे जलने से बचा लिया। इस दौरान काली पुतली चौक पर कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति भी निर्मित हो गई थी। प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी स्वयं मौके पर मौजूद रहे और पूरी स्थिति पर नजर बनाए रखी। पुलिस द्वारा सतर्कता बरतने के कारण स्थिति नियंत्रण में रही और किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। प्रदर्शन में किसान कांग्रेस और कांग्रेस संगठन से जुड़े कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार विपक्षी नेताओं और किसानों के खिलाफ इसी तरह कार्रवाई करती रही तो आने वाले समय में आंदोलन और तेज किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर प्रशासन पूरे मामले को कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा विषय बता रहा है।

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 11 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय-सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा प्रकरणों पर सख्ती

बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जो शिकायतें एल-1 स्तर पर नॉट अटेंडेड पाई गईं, उनके एल-1 अधिकारियों का आधे दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। जिला कोषालय अधिकारी को निर्देशित किया गया कि फ्नॉट अटेंडेडफ्न शिकायतों वाले अधिकारियों का आधे दिन का वेतन काटे जाने के बाद ही शेष वेतन आहरित किया जाए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही चेतावनी दी गई कि समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उनके अधीनस्थ समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति सार्थक ऐप के माध्यम से दर्ज की जाए और उसी के आधार पर वेतन आहरित किया जाए। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देश दिए गए कि आहार अनुदान योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति की सभी महिलाओं को अनुदान राशि दिलाना सुनिश्चित करें। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को निर्देशित किया गया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित युवाओं को बैंक से ऋण दिलाकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाए।

कृषि, उद्यान और श्रम विभाग को कार्रवाई के निर्देश

बैठक में सहायक संचालक उद्यान को निर्देशित किया गया कि लांजी विकासखंड के अंतर्गत अमेडा नर्सरी का उचित संधारण नहीं होने के कारण वहां के प्रभारी अधिकारी पर कार्रवाई हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करें। उपसंचालक कृषि को निर्देश दिए गए कि जिले के सभी कृषि फार्मों में जिले के औसत उत्पादन के अनुसार फसल उत्पादन सुनिश्चित किया जाए। जिन फार्मों में जिले के औसत से कम उत्पादन पाया गया है, उनके प्रभारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाए। जिला श्रम पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिले के विभिन्न स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्यों एवं वहां कार्यरत श्रमिकों की मैपिंग कर उनका श्रमयोगी मानधन योजना में पंजीयन कराया जाए तथा संबंधित ठेकेदारों से अंशदान जमा कराया जाए। श्रमयोगी मानधन योजना के पंजीयन एवं अन्य कार्यों में लापरवाही बरतने के कारण बैहर एवं बिरसा के श्रम निरीक्षक दीपक डहरवाल पर कार्रवाई प्रस्तावित करने के निर्देश दिए गए।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग और जल संरक्षण पर जोर

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगरीय निकायों, महिला एवं बाल विकास विभाग, जन अभियान परिषद, स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग को रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जिले के सभी सांदीपनि विद्यालयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने के निर्देश भी दिए गए।

जनगणना और स्वच्छता सर्वेक्षण की समीक्षा

जनगणना-2027 के कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी चार्ज अधिकारियों को अपने क्षेत्र में मकान सूचीकरण का कार्य निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को स्वच्छता सर्वेक्षण पर विशेष ध्यान देने तथा अपनी

भीषण गर्मी के दौर में पेयजल पर पहरा ?

गाड़िया अड़ाकर, वाटरकूलर पहुच मार्ग को किया गया बंद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भीषण गर्मी के इस दौर में जहां लोगों को ठंडे पेयजल की सबसे अधिक आवश्यकता होती है,वही जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर परिसर में पेयजल व्यवस्था ही लोगों की परेशानी का कारण बन गई है।जहां जिम्मेदारो की उदासीनता के चलते ट्रामा में भर्ती मरीजों के परिजनों को ठंडा पानी लेने के लिए वाटरकूलर तक पहुचने में काफी जद्दोजहद का सामना करना पड़ रहा है।दरअसल ट्रामा सेंटर में गेट के पास लगाए गए वाटरकूलर तक पहुंचने वाले मार्ग पर 3-3 चौपहिया वाहन खड़े कर रास्ता ही रोक दिया गया हैं।जिससे वहां तक पहुंचना मुश्किल हो गया है।हैरानी की बात तो यहा है कि वाटरकूलर पहुच मार्ग पर किसी और के चौपहिया वाहन नही, बल्कि सरकारी वाहन खड़े किए गए है।जिसमे 2 एम्बुलेंस वाहनों का भी शमावेश है।परेशानी यहां तक ही सीमित नही है बल्कि ट्रामा सेंटर परिसर गेट के समीप बनी पानी निकासी की नाली भी चोक हो चोक हो चुकी है। पिछले तीन माह से नाली की साफ सफाई न होने के चलते जाम हुई नाली का पानी, ट्रामा सेंटर परिसर में बह रहा है जिससे जहां एक को परिसर दुर्गंध से सराबोर है, तो वहीं दूसरी ओर संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। जिस पर अब तक जिम्मेदारो द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया है। जिसके चलते ट्रामा सेंटर में भर्ती मरीज और उनके परिजन काफी परेशान है।जिन्होंने अस्पताल प्रबंधन से पेयजल के लिए वाटरकूलर तक जाने वाले पहुंच मार्ग पर खड़ी की गई गाड़ियों को हटवाने और दुर्गंध मार रही नालियों की साफ सफाई कराकर व्यवस्थाओं में सुधार किए जाने की मांग की है

सरकारी गाड़िया अड़ाकर, बंद किया गया मार्ग, पानी लेने में हो रही परेशानी

बताया गया कि गर्मी के इस दौर में ट्रामा सेंटर परिसर में लगा वाटरकूलर मरीजों और उनके साथ आए लोगों के लिए बड़ी राहत है, लेकिन अब उसके सामने वाहनों की कतार खड़ी रहने से रास्ता पूरी तरह बाधित हो गया है। गर्मी से परेशान लोग पानी लेने के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। वाटर कूलर तक पहुंच मार्ग बंद हो जाने के चलते कोई ट्रामा सेंटर परिसर स्थित कैंटीन से गर्म पानी भरने के लिए मजबूर है, तो कोई जिला अस्पताल जाकर वहां के वाटर कूलर से ठंडा पानी भरकर लाने को मजबूर हो रहा है। इसके अलावा वाहन खड़े होने से वहां का वाटर कूलर कई लोगों को दिखाई नहीं दे रहा है। जिसके चलते कई लोग 20 की ठंडी पानी की

बोतल खरीदकर अपनी प्यास बुझाने के लिए मजबूर हैं। हैरत की बात तो यहां है कि यहां वाटर कूलर पहुंच मार्ग पर खड़े किए गए चौपहिया वाहन किसी आम नागरिकों के नहीं है। बल्कि सरकारी वाहन अड़ाकर वाटरकूलर तक जाने वाले पहुंच मार्ग को बंद किया गया है। इसमें जहां एक प्रशासनिक सेवा में संलग्न बुलेरो वाहन है, तो वहीं दो एंबुलेंस वाहनों को भी वाटर कूलर पहुंच मार्ग पर खड़ा कर उक्त मार्ग को बंद किया गया है। इसमें वाहन क्रमांक एमपी 50 टी 1102, एंबुलेंस वाहन क्रमांक सीजी 04 एनयू 7427 और एंबुलेंस वाहन क्रमांक सीजी 04 एनयू 7432 वाहन का समावेश है। जिन्हें तत्काल हटाने की मांग मरीजो के परिजनों द्वारा की गई है

चोक नाली से बह रहा गंदा पानी

ट्रामा सेंटर परिसर की अव्यवस्थाएं यहीं खत्म नहीं होतीं।बल्कि ट्रामा सेंटर की नाली पिछले करीब तीन माह से जाम पड़ी हुई है।जिससे नाली का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर परिसर में बह रहा है, जिससे चारों ओर बदबू फैल रही है।जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ट्रामा परिसर में खड़े कुछ लोगो ने बताला की कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक नाली की सफाई नहीं कराई गई। गर्मी के मौसम में गंदे पानी और बदबू के कारण संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसर में इस तरह की लापरवाही लोगों की चिंता बढ़ा रही है।

संक्रमण फैलने का खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अस्पताल परिसर में गंदगी और रुका हुआ पानी, मच्छरों एवं बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है। इससे मरीजों के साथ-साथ उनके परिजनों पर भी संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है।ट्रामा सेंटर में पहले से गंभीर मरीज भर्ती रहते हैं, ऐसे में साफ-सफाई और स्वच्छ पेयजल व्यवस्था बेहद जरूरी मानी जाती है।

लोगों ने जताई नाराजगी

अस्पताल पहुंचे लोगों ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि एक ओर सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के दावे करती है, वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल में मूलभूत सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं। लोगों ने वाटरकूलर तक पहुंच का रास्ता खाली कराने, नियमित सफाई कराने और नाली की तत्काल साफ सफाई कराकर पानी निकासी व्यवस्था बनाए जाने की मांग की है।

वाटर कूलर से पानी लाने में हो रही परेशानी- आनंद

ठंडे पानी के लिए इधर से उधर भटक रहे मरीज के परिजन श्री आनंद बताया कि वह पानी लेने के लिए कैंटीन में लगे नल में गए थे, बोतल भरे लेकिन वहां बहुत गर्म पानी आ रहा था, इसीलिए ठंडा पानी लाने वे जिला अस्पताल के वाटर कूलर में जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहां गेट के पास दो-दो वाटर कूलर लगे हैं लेकिन पहुंच मार्ग पर अस्पताल वालों ने 3 -3 चौपहिया वाहन अड़ा कर रख दिए हैं, जिससे वाटर कूलर तक पहुंचने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले 3 माह से नहीं हुई चोक नाली की सफाई- माधुरी पांडे

वही कैंटीन कर्मचारी माधुरी पांडे ने बताया कि लोग कैंटीन में लगे नल से पानी भरकर लेकर जाते हैं,कैंटीन के बाजू में वाटर कूलर है, लेकिन वहां लोग कपड़े धोते हैं बर्तन धोकर खाद्य सामग्री वहीं फेंक देते हैं, जिससे नाली जाम हो गई है, पिछले तीन महीनो से नाली की साफ सफाई नहीं हुई है।अभी वाटर कूलर पहुंच मार्ग पर अस्पताल वालों ने गाड़ी लगा दिए हैं जिससे लोग वाटर कूलर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।वही पिछले 3 महीनो से नाली की साफ सफाई नहीं होने से पूरे परिसर में बदबू फैल रही है।

हमने टीएल की बैठक में कलेक्टर से भी शिकायत की है- निलय जैन

मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने भी स्थिति को गंभीर बताया है।उन्होंने बताया कि नगर पालिका को कई बार नाली की साफ सफाई के लिए अवगत कराया गया, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि आज कलेक्टर कार्यालय में टीएल की बैठक थी, उस बैठक में भी हमने कलेक्टर साहब से शिकायत की है की मुख्य नगर पालिका अधिकारी हमारी इस समस्या और आवेदन निवेदन पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। नालियों की साफ सफाई करने की जिम्मेदारी नगर पालिका की है लेकिन ध्यान नहीं दिए जाने के चलते यहां नालियों की सफाई नहीं हो रही है, जिससे नाली चोक हो गई है।जिसके कारण नाली का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर परिसर में बह रहा है। उन्होंने आगे बताया कि वाटर कूलर पहुंच मार्ग पर खड़े करके रखे गए हैं वाहनों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए जाएंगे, ताकि यहां पहुंचने वाले मरीज और उनके परिजनों को वाटर कूलर से ठंडा पानी लेने में कोई परेशानी ना हो, जल्द ही दोनों व्यवस्था बना दी जाएगी।

मकान बेचना है
17×44 एरिया में निर्मित डबल स्टोरी सेमी फर्निश्ड बोरिंग सहित पूर्वमुखी मकान बेचना है
वार्ड नं. 6 चित्रगुप्त नगर, बालाघाट
9244108543

आवश्यकता है
होटल कान्हा में काम करने वाले लड़के की आवश्यकता है
अनुभवी को प्राथमिकता
9993282223
9425139875

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
मंगलवार 12 मई 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

मोती तालाब में लहराया जा रहा फटा हुआ राष्ट्रीय ध्वज, नगरवासियों में नाराजगी

सीएमओ बोले- जल्द बदला जाएगा ध्वज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मोती तालाब के सौंदर्य को निखारने और बालाघाट नगर की शान को बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन व नगर पालिका द्वारा 26 जनवरी 2020 को मोती तालाब में आन बान और

शान के साथ 80 फीट की ऊंचाई पर 21 फीट लंबाई एवं 14 फीट चौड़ाई का एक तिरंगा झंडा लहराया गया था। जहां ध्वजारोहण के समय तत्कालीन राजस्व मंत्री प्रदीप गुड्डा जयसवाल, कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी, तत्कालीन जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रजनी सिंह, तत्कालीन सहायक कलेक्टर अक्षय तेम्रावाल व नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा शोक के दिनों को छोड़कर अन्य सभी दिन यह तिरंगा झंडा लहरते रहने की बात कही गई थी ।लेकिन पिछले कई दिनों से देखने मे आ रहा था कि मोती तालाब की पार पर तिरंगा झंडा नहीं लहर रहा था ।जिसकी खबर प्रकाशित करने पर फरवरी माह में खबर का संज्ञान लेते हुए नपा ने पुनः उसी स्थान पर झंडा लगाकर व्यवस्था बना दी थी, लेकिन अभी इस व्यवस्था को बनाए महज 3 माह ही बीता है कि मोती तालाब में आन बान शान के साथ लहराया गया तिरंगा फट चुका है ।बावजूद इसके भी जिम्मेदारो द्वारा इस पर ध्यान नही दिया जा रहा है ।जहां फटा हुआ तिरंगा पिछले कई दिनों से लहराता हुआ नजर आ रहा है ।जिसपर प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है ।जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानीय लोगो ने इसे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान बताया है ।जिन्होंने इसे तत्काल बदलकर अच्छी क्वालिटी का बड़ा झंडा लगाए जाने की मांग की है।

जल्द लगाया जाएगा नया झंडा- उइके

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उइके ने बताया कि मैंने अभी अभी बालाघाट नगरपालिका सीएमओ का प्रभार ग्रहण किया है ।यह मामला आपके द्वारा मेरे संज्ञान में लाया गया है ।कर्मचारी भेजकर वस्तुस्थिति का पता लगाया जाएगा ।यदि झंडा फट गया है तो उसे तुरंत उतारकर, अच्छी क्वालिटी के कपड़े वाला तिरंगा झंडा लगा दिया जाएगा।

बूढ़ी शराब दुकान आंदोलन में सांसद भारती पारधी नाराज, महिला कार्यकर्ता को लगाई फटकार

आंदोलन को दिया समर्थन, लेकिन भाजपा विरोधी नारेबाजी पर जताई नाराजगी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बूढ़ी शराब दुकान के स्थान परिवर्तन को लेकर चल रहे महिलाओं के आंदोलन के दौरान उस समय माहौल गर्मा गया, जब सांसद भारती पारधी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचीं। यहां उन्होंने पहले आंदोलन कर रही महिलाओं का समर्थन करते हुए शराब दुकान हटाने की मांग को उचित बताया, लेकिन इसी दौरान एक महिला कार्यकर्ता पर नाराज हो गईं। जानकारी के अनुसार सांसद भारती पारधी ने संबंधित महिला से कहा कि बीते दिनों वह अन्य महिलाओं के साथ भाजपा पार्टी खिलाफ नारेबाजी कर रही थीं, जो उचित नहीं है। सांसद ने कहा कि अन्य महिलाएं यदि नाराजगी में नारे लगाती हैं तो बात अलग है, लेकिन पार्टी से जुड़ी कार्यकर्ता द्वारा इस प्रकार की नारेबाजी करना गलत है। दरअसल कुछ दिन पहले आंदोलन के दौरान महिलाओं ने सांसद भारती पारधी को मौके पर बुलाने की मांग को लेकर उनके खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए थे। इसी बात को लेकर सांसद ने प्रदर्शन स्थल पर पहुंचने के बाद संबंधित महिला पर नाराजगी जाहिर की। बताया जा रहा है कि सांसद ने महिला से साफ तौर पर कहा कि इस प्रकार पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होना ठीक नहीं है और उन्होंने कुछ समय तक उनसे बात करने से भी इनकार कर दिया। हालांकि बाद में आंदोलन स्थल पर मौजूद अन्य महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने माहौल शांत कराया। सांसद ने आंदोलनकारी महिलाओं को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों को संबंधित विभाग और शासन स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। बूढ़ी शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर महिलाओं का आंदोलन लगातार जारी है और क्षेत्र में यह मुद्दा अब राजनीतिक रंग भी लेने लगा है।

बालाघाट शहर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित बूढ़ी शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर महिलाओं का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। बीते लगभग एक महीने से महिलाएं शराब दुकान के सामने धरना देकर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। खास बात यह है कि महिलाएं हर दिन अलग-अलग तरीके से अपना विरोध दर्ज करा रही हैं, जिसके कारण यह प्रदर्शन लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। कभी महिलाएं गांधीगिरी का रास्ता अपनाती हैं तो कभी शराब दुकान के सामने झाड़ू लगाकर और सफाई अभियान चलाकर अपना विरोध जताती दिखाई देती हैं। हाल ही में महिलाओं ने आंदोलन स्थल पर मदर्स डे भी मनाया। महिलाओं ने रात के समय धरना स्थल पर केक काटकर मदर्स डे सेलिब्रेट किया और शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर अपनी एकजुटता दिखाई। वहीं कई बार जब प्रदर्शन में कम महिलाएं मौजूद रहती हैं और माहौल शांत हो जाता है तो महिलाएं वहीं कुर्सी दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित कर समय बिताती नजर आती हैं। महिलाओं का कहना है कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण है और जब तक शराब दुकान वहां से नहीं हटाई जाएगी, तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। बीते कुछ दिनों में इस आंदोलन को पक्ष और विपक्ष दोनों ही दलों के नेताओं का समर्थन मिलता दिखाई दिया, लेकिन महिलाओं के बीच यह चर्चा थी कि अभी तक सांसद भारती पारधी आंदोलन स्थल पर नहीं पहुंची थीं। महिलाओं का कहना था कि पूर्व में वार्ड क्रमांक 25 में भी महिलाओं ने सांसद के खिलाफ नारेबाजी की थी, जिसके बाद सांसद वहां पहुंची थीं और कुछ दिनों बाद शराब दुकान हट गई थी। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हाल ही में वार्ड क्रमांक 12 की महिलाओं ने भी सांसद भारती पारधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुर्दाबाद के नारे लगाए थे। इसके बाद सांसद भारती पारधी 11 मई की शाम महिलाओं के प्रदर्शन स्थल पर पहुंचीं। यहां पहुंचने के बाद सांसद एक महिला पर नाराज होती दिखाई दीं। सांसद का कहना था कि प्रदर्शन में शामिल एक महिला भाजपा की कार्यकर्ता है और उसके द्वारा पार्टी के खिलाफ नारेबाजी करना उचित नहीं है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि बाकी महिलाएं यदि विरोध में नारेबाजी करती हैं तो वह अलग बात है, लेकिन पार्टी कार्यकर्ता होकर पार्टी के खिलाफ नारे लगाना सही नहीं है। बातचीत के दौरान सांसद ने उस महिला से यह तक कह दिया कि अब उनसे वह बात नहीं करना चाहती । वहीं सांसद के वहां से जाने के बाद संबंधित महिला ने मीडिया के सामने अपनी सफाई दी। महिला का कहना था कि उन्होंने भाजपा पार्टी के खिलाफ किसी प्रकार की नारेबाजी नहीं की है, बल्कि उन्होंने महिलाओं के साथ केवल सांसद के खिलाफ नारे लगाए थे। महिला ने कहा कि सबसे पहले उनके लिए उनका वार्ड और मोहल्ला है, उसके बाद पार्टी है। उनका कहना था कि वे क्षेत्र की महिलाओं के साथ शराब दुकान हटाने की मांग कर रही हैं और उसी भावना से आंदोलन में शामिल हैं। महिला ने यह भी कहा कि सांसद द्वारा उन पर नाराजगी जाहिर करने के पीछे मुख्य कारण उनके खिलाफ हुई नारेबाजी थी, न कि पार्टी विरोधी गतिविधि। हालांकि सांसद भारती पारधी ने महिलाओं को आश्वासन दिया है कि वे प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर जल्द ही इस मामले में समाधान निकालने का प्रयास करेंगी और शराब दुकान हटाने को लेकर संबंधित विभाग से बात करेंगी।

70 से 80 लाख रुपए का हो गया है नुकसान

इधर लगभग एक महीने से जारी महिलाओं के प्रदर्शन का असर शराब दुकान के कारोबार पर भी साफ दिखाई देने लगा है। शराब दुकान से जुड़े कर्मचारियों का कहना है कि आंदोलन के चलते दुकान को अब तक लगभग 70 से 80 लाख रुपए तक का नुकसान हो चुका है। कर्मचारियों के अनुसार सामान्य दिनों में दुकान का प्रतिदिन लगभग ढाई से तीन लाख रुपए तक का कारोबार होता था, लेकिन प्रदर्शन के बाद बिक्री पर बड़ा असर पड़ा है। अब बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि इस भारी राजस्व नुकसान की भरपाई कौन करेगा। क्योंकि दुकान लाइसेंसधारी के माध्यम से संचालित की जा रही है और उन्हें विभाग को निर्धारित राजस्व भी जमा करना होता है। ऐसे में लगातार हो रहे नुकसान को लेकर लाइसेंसधारी भी संबंधित विभाग और अधिकारियों से चर्चा कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो नियमों के अनुसार यह आर्थिक नुकसान अंततः लाइसेंसधारी को ही वहन करना पड़ सकता है। हालांकि अब देखना होगा कि विभाग इस मामले में किसी प्रकार की राहत देता है या फिर पूरी राशि की वसूली नियमानुसार की जाएगी।

होटल बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी का प्रयास, मलाजखंड के होटल संचालक की सतर्कता से बची बड़ी रकम

वारासिवनी के बाद मलाजखंड में भी सक्रिय हुए साइबर ठग, फर्जी ट्रांजेक्शन मैसेज भेजकर होटल संचालक को झांसे में लेने की कोशिश

जिले में साइबर ठग लगातार नए-नए तरीकों से आमजन और व्यापारियों को अपना निशाना बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अभी वारासिवनी क्षेत्र में परिचित बनकर ठगी करने का मामला पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ था कि अब मलाजखंड क्षेत्र से भी साइबर ठगी का नया मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार मलाजखंड क्षेत्र के एक होटल संचालक को होटल बुकिंग के नाम पर फोन किया गया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को ग्राहक बताते हुए होटल में कमरा बुक कराने की बात कही और विश्वास में लेने के लिए खाते में एक रुपए ट्रांसफर करने संबंधी मैसेज भी भेजा। हालांकि होटल संचालक को बातचीत के दौरान संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने सतर्कता बरतते हुए किसी प्रकार का लेन-देन नहीं किया। उनकी सूझबूझ के चलते हजारों रुपए की साइबर ठगी होने से बच गई। बताया जा रहा है कि साइबर ठग अब जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में व्यापारियों और आम लोगों को उनके व्यवसाय और परिचितों से जुड़ी जानकारी के आधार पर फोन कर ठगी करने की कोशिश कर रहे हैं। ठग पहले भरोसा जीतते हैं और फिर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन या खाते में राशि भेजने के नाम पर लोगों को जाल में फंसाने का प्रयास करते हैं।

एक दिन पहले ही वारासिवनी क्षेत्र में परिचित बनकर फोन करने और पैसों के लेनदेन के बहाने साइबर ठगी करने के प्रयास की खबर सामने आई थी, वहीं अब जिले के मलाजखंड क्षेत्र से भी इसी तरह का एक मामला सामने आया है। हालांकि इस मामले में होटल संचालक की सतर्कता और समझदारी के कारण एक बड़ी साइबर ठगी होने से बच गई। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों से अब यह साफ होता जा रहा है कि साइबर ठग जिले की भोली-भाली

जनता को अलग-अलग तरीकों से निशाना बनाने का प्रयास कर रहे हैं। मलाजखंड निवासी आर.के. राजपूत ने पद्मेश न्यूज़ से दूरभाष पर चर्चा करते हुए बताया कि वे मलाजखंड क्षेत्र में होटल राजपूताना का संचालन करते हैं। 10 मई की शाम उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को ग्राहक बताते हुए होटल में कमरा बुक करवाने की बात कही। बातचीत के दौरान उसने होटल के कमरों का किराया पूछा, जिस पर होटल संचालक ने उन्हें लगभग 1250 से 1300 रुपए तक का रेट बताया। इसके बाद फोन करने वाले व्यक्ति ने बातों-बातों में 1200 रुपए में कमरा बुक करने की सहमति जताई। होटल संचालक को शुरुआत में यह एक सामान्य ग्राहक की तरह लगा और बातचीत आगे बढ़ती रही। इसी दौरान सामने वाले व्यक्ति ने कहा कि उसने होटल बुकिंग के लिए एक रुपए की राशि भेजी है ताकि भुगतान प्रक्रिया की पुष्टि हो सके। कुछ ही देर बाद होटल संचालक के मोबाइल पर एक रुपए का मैसेज भी आया। इसके तुरंत बाद सामने वाले व्यक्ति ने होटल संचालक को लगभग 12 हजार 500 रुपए का एक और मैसेज भेजा और घबराहट जताते हुए कहा कि गलती से 1200 रुपए की जगह 12 हजार से अधिक की राशि उनके खाते में ट्रांसफर हो गई है। उसने होटल संचालक से कहा कि वे 1500 रुपए काटकर बाकी की रकम वापस कर दें। होटल संचालक आर.के. राजपूत ने बताया कि शुरुआत में उन्हें लगा कि शायद सामने वाले से वास्तव में गलती हो गई होगी। उन्होंने भी कहा कि यदि अतिरिक्त पैसा आया होगा तो वे वापस कर देंगे। लेकिन इसी दौरान उन्होंने सतर्कता दिखाते हुए सीधे अपने बैंक खाते की जांच की। खाते की जानकारी देखने पर उन्हें पता चला कि उनके अकाउंट में न तो एक रुपए आए थे और न ही 12 हजार 500 रुपए की कोई राशि जमा हुई थी। केवल मोबाइल पर मैसेज प्राप्त हुए थे। जब उन्होंने सामने वाले व्यक्ति से कहा कि उनके खाते में कोई पैसा नहीं पहुंचा है, तब वह व्यक्ति लगातार दबाव बनाने लगा और पैसे वापस करने की बात कहने लगा। यहां तक कि उसने भावनात्मक तरीका अपनाते हुए कहा कि उसके किसी परिचित का एक्सीडेंट हो गया है और वह अस्पताल में भर्ती है। उसने व्हाट्सएप पर एक अस्पताल में भर्ती व्यक्ति की फोटो भी भेजी और जल्दी पैसे लौटाने की गुहार लगाने लगा। लेकिन होटल संचालक को पूरी बातचीत और परिस्थितियों पर संदेह हो गया। उन्हें लगा कि यह कोई साइबर ठग है जो फर्जी मैसेज और भावनात्मक दबाव बनाकर ठगी करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद उन्होंने तुरंत फोन काट दिया और किसी भी प्रकार का पैसा ट्रांसफर नहीं किया। उनकी समझदारी और सतर्कता के कारण एक बड़ी साइबर ठगी होने से बच गई। होटल संचालक आर.के. राजपूत ने इस पूरी घटना को पद्मेश न्यूज़ के साथ साझा करते हुए आम लोगों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी फोन कॉल, फर्जी मैसेज या बैंक ट्रांजैक्शन के झांसे में न आएं। उन्होंने कहा कि किसी भी रकम को वापस करने से पहले अपने बैंक खाते की पूरी जांच जरूर करें और केवल मैसेज देखकर किसी पर भरोसा न करें। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि साइबर ठग अब लोगों को ठगने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। कभी परिचित बनकर, कभी होटल बुकिंग के नाम पर और कभी भावनात्मक कहानियां सुनाकर लोगों को जाल में फंसाने का प्रयास किया जा रहा है।

मृत गाय को कुआं में फेंकने से हुआ हंगामा, हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम केसलेवाडा का मामला

ग्रामीणों ने जताया विरोध, पुलिस से शिकायत कर, कार्यवाही की करी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम केसलेवाड़ा में उस वक्त हंगामा मच गया जब किसी ग्रामीण द्वारा एक मरी हुई गाय को ग्रामीण फलेश्वर पिता गुजलाल बिसेन के खेत की निजी कुआं में फेंक दिया गया।इस मामले को लेकर मचे हंगामे के बीच गांव वालों ने जहां एक ओर मामले की शिकायत पुलिस से की है तो वहीं दूसरी ओर मरी गाय को कुएं में फेकने वाले ग्रामीण के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की भी गुहार लगाई है ।हालांकि उक्त ग्रामीण द्वारा मरी हुई गाय को फलेश्वर बिसेन के खेत स्थित कुएं में क्यो फेंका गया फिलहाल यह स्पष्ट नही हो पाया है ।जिसकी जांच पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों से मिली शिकायत के आधार पर हट्टा थाना पुलिस ने ग्राम केसलेवाड़ा निवासी नवीन पिता मोहनलाल पटले के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता बीएनएस धारा 296 (बी), 351 (3) और धारा 272 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह गौमाता का अपमान है

उधर ग्रामीणों का कहना है कि जिस व्यक्ति द्वारा मरी हुई गाय को कुए में फेंका गया है ।उसी व्यक्ति से गाय को बाहर निकलावकर गाय के शव का सह सम्मान अंतिम संस्कार कराया जाना चाहिए ।वही ग्रामीणों द्वारा इसे गौ माता का अपमान बताते हुए,गाय के शव को कुए में फेकने वाले के ग्रामीण के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर ग्रामीणों द्वारा वायरल किया गया है ।जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा नवीन पटले के इस कृत्य की निंदा की जा रही है ।उधर मौके पर पहुंची हट्टा पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए स्थानीय लोगों के बयान दर्ज कर, आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है तो वही मामले की जांच कर,आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी है।

नवीन पटले के घर मरी थी गाय, ट्रेक्टर से ले जाकर कुए में फेंका-पंकज

शिकायतकर्ता पंकज पिता फलेश्वर बिसेन ने पुलिस को बताया कि उसका खेत ग्राम केशलेवाडा से दो किमी की दूरी पर स्थित है। जहाँ पर मेरा पुस्तैनी कुआ है ।रविवार की दोपहर बजे मुझे मेरे पडोसी पवन कुमार पटले ने बताया कि वह अपने खेत तरफ गया था तो तुम्हारे खेत मे बने कुआ से बहुत बदबू आ रही थी। फिर मै गांव के पवन कुमार पटले, अक्षय बिसेन, सुखदेव रांहगडाले सहित अन्य लोगो के साथ अपने खेत के कुआ मे जाकर देखा तो कुआ में मरी हुई गाय थी ।जहा से बदबू आ रही थी। हमे मोहनलाल पटले के उपर शंका हुआ क्योकि कुछ दिनो पहले मोहनलाल पटले की गाय मर गई थी। तब मुझे ओमकार मते, पवन कुमार पटले ने बताया कि मोहनलाल पटले के घर की मरी गाय को उसका लडका नवीन पटले ट्रेक्टर से लेकर जा रहा था। तब मैने नवीन पटले से पूछा कि तुने अपनी मरी हुई गाय मेरे खेत कुआ मे फेका है क्या, तब नवीन पटले ने बोला कि मैने मरी गाय तुम्हारे खेत कुआ मे फेका हूँ। मैने उसको बोला की तुमने अपनी मरी हुई गाय को मेरे खेत के कुंए में क्यों फेंक दिए अब बदबू आ रही है और उससे फैल रही बदबू से गांव में भी कोई बीमारी फैल सकती है तो नवीन पटले मेरे को गंदी-गंदी अश्लील गालीयाँ देकर कहने लगा की मैने डाल दिया हू गाय तेरे से जो बनता है कर लेना यदि ज्यादा बहस करेगा तो तेरे को भी गाय के साथ ही तेरे कुंए में गाड़ दूंगा ।विवाद होने पर ओमकार मते, पवन कुमार पटले ने बीच बचाव किए और फिर मैं थाना रिपोर्ट करने आया हूँ नवीन पटले नें अपनी मरी गाय को मेरे खेत के कुंए में जान बुझकर फेंक दिया है जिससे मरी गाय से निकलने वाले कीटाणुओं से गांव के लोंगों के स्वास्थ पर भी बुरा असर पड़ने की पूरी संभावना है ।हमारी मांग है कि नवीन पटले के खिलाफ मामला दर्ज कर उसपर दण्डात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए।

गढ़ी पुलिस की अवैध शराब के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

7 कार्टून में भरी 57 लीटर अंग्रेजी शराब व वाहन जप्त, वाहन छोड़कर फरार हुआ चालक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध शराब की तस्करी पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना गढ़ी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 57.240 लीटर अंग्रेजी शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त ह्यूंडई सैंट्रो कार (क्रमांक सी जी 04एच 3606) को जप्त किया है। जबकि चालक फरार हो गया। जप्त शराब और वाहन की अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 64 हजार रुपये आंकी गई है। गढ़ी पुलिस के मुताबिक 10 मई की रात थाना में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि बैहर की ओर से एक फोरव्हीलर वाहन में भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने ग्राम खुशीपार,खजरा तिराहा के पास नाकाबंदी कर वाहन जांच शुरू की। जांच के दौरान सिल्वर रंग की ह्यूंडई सैंट्रो कार सी जी 04एच 3606 पुलिस को देखकर तेज गति से गांव की ओर भागने लगी। पुलिस टीम ने सतर्कता दिखाते हुए वाहन का पीछा किया। आरोपी चालक पकड़े जाने के डर से वाहन को गांव के बाहर खेत में छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 7 कार्टूनों में रखी 57.240 लीटर अंग्रेजी शराब लगभग 63,918 रुपये कीमत की बरामद की गई। साथ ही परिवहन में प्रयुक्त वाहन भी जप्त किया जिसकी कीमत लगभग 1,00,000 रुपये आंकी गई है। इस प्रकार लगभग 1,64,000 रुपये कीमत के वाहन एवं शराब जप्त की गई आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 35/2026, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। फरार आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

अवैध शराब की इस कार्रवाई में उप निरीक्षक योगेश कुमरे, सहायक उप निरीक्षक चंदनलाल तैलासे, आरक्षक नागेंद्र पांडे, आरक्षक शुभम सेन, आरक्षक मोहित,, आरक्षक अवधेश कुशवाहा, एसएसयू याशु, आरक्षक रोशन सहित अन्य पुलिस स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

पलाकामथी में पानी के लिए त्राही-त्राही, बूंद-बूंद को मोहताज ग्रामीण

दो माह से ठप है नल-जल योजना, कुएं सुख चुके है, हेंडपंप के भरोसे ग्रामीणजन

ग्रामीणों ने नल-जल योजना में आई तकनीकी खराबी को सुधारने एवं पानी टंकी का निर्माण करने की प्रशासन से की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत गणेशपुर के आश्रित ग्राम पलाकामथी में भीषण गर्मी के बीच जल संकट गहरा गया है। आलम यह है कि गांव के अधिकांश कुएं सूख चुके हैं और सरकारी नल-जल योजना पिछले दो महीनों से सफेद हाथी साबित हो रही है। ग्रामीण अब पूरी तरह से हैंडपंपों के भरोसे हैं, जहां सुबह से ही पानी के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। लेकिन इस पानी की समस्या को दुर करने का कोई प्रयास नही किया जा रहा है। जबकि ग्राम में नल-जल योजना के तहत घर-घर नल कनेक्शन भी किया गया है लेकिन तकनीकी खराबी आने के कारण उसमें एक बूंद पानी नही आ रहा है, सिर्फ घर की शोभा बढ़ा रही है। वहीं पुरानी पाइपलाइन को बदलकर नई पाइनलाइन बिछाने के लिए पाइपलाइन भी आ चुकी है लेकिन पीएचई विभाग के द्वारा उसे बिछाने का कार्य शुरू नही किया गया है। वहीं ग्राम के कुएं सुख जाने का मुख्य कारण यह भी है कि आसपास बोरवेल खनन अधिक हो जाने से जल का स्तर नीचे चले गया है। इस कारण से भी ग्राम में पानी की समस्या बनी हुई है। साथ ही नल-जल योजना की पाइपलाइन में आई तकनीकी खराबी को भी नही सुधारा जा रहा है जिस कारण से ग्राम में पानी के लिए त्राही-त्राही मची हुई है। जबकि ग्रामीणजन पानी की इस समस्या को लेकर कई बार जिम्मेदारों को अवगत भी करवा चुके है। लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

5 किमी. दूर से आती है सप्लाई, पाइपलाइन विस्तार का कार्य अटका

आपकों बता दे कि करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना के तहत लालबर्रा विकासखण्ड के समस्त ग्रामों में वैनगंगा नदी छिंदलई घाट का पानी जाम जल शोधन संयंत्र केन्द्र में फिल्टर कर शुध्द पानी पहुंचाने के लिए गांव-गांव में नल कनेक्शन किया गया है और पाइपलाइन के माध्यम से पानी सप्लाई की जाती है। लेकिन ग्राम पंचायत गणेशपुर के पलाकामथी में पानी टंकी नही है। ऐसी स्थिति में ग्राम से 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत बोरी स्थित पानी टंकी से पलाकामथी के ग्रामीणों को पानी प्रदाय किया जाता है। लेकिन पाइपलाइन कर कार्य पूर्व में सही तरीके से नही होने के कारण जगह-जगह से पाइपलाइन खराब हो चुकी है। जिस कारण से ग्रामीणजनों को विगत दो माह से नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है। इस समस्या से कई बार पीएचई विभाग को अवगत करवा दिया गया है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में घर-घर नल कनेक्शन तो दिये गये हैं, लेकिन इसकी मुख्य सप्लाई 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत बोरी में बनी पानी की टंकी से होती है। तकनीकी खराबी के कारण पिछले दो माह से नलों में पानी की एक बूंद भी नहीं टपकी है। हैरानी की बात यह है कि पुरानी पाइपलाइन बदलने के लिए पीएचई विभाग द्वारा दो माह पूर्व ही नये पाइप गांव पहुंचा दिये गये हैं, लेकिन अभी तक उन्हें बिछाने का कार्य शुरू नहीं किया गया है। विभाग की इस सुस्ती का खामियाजा ग्रामीणों को इस तपती गर्मी में भुगतना पड़ रहा है।

प्रशासन के प्रति ग्रामीणों में भारी आक्रोश

पानी की समस्या को लेकर ग्रामीण कई बार संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है कि समस्या का समाधान कर दिया जायेगा। लेकिन धरातल पर कोई काम नही हुआ है, इस तरह से शासन-प्रशासन की इस अनदेखी से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों की मांग है कि नल-जल योजना की तकनीकी खराबी को तत्काल सुधारा जाये, गांव में ही नई पानी की टंकी का निर्माण की जाये ताकि सप्लाई के लिए दूसरे गांव पर निर्भर न रहना पड़े, पहुंच चुके पाइपों को जल्द बिछाकर घर-घर जल आपूर्ति बहाल की जाये ताकि पानी की समस्या दुर हो सके। वहीं ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उक्त मांगे पूरी नही की गई तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

नल-जल योजना का नही मिल रहा पानी - खड़कसिंह

ग्रामीण खड़कसिंह सोनवाने ने बताया कि विगत कई महीनो से नल जल योजना का पानी हमें नहीं मिल रहा है जिससे पानी की समस्या बनी हुई है। कभी यदि नल आता भी है तो कुछ समय के लिए आता है और बंद हो जाता है जिससे हम अपनी आवश्यकता के अनुसार पानी भी नहीं जमा कर पाते हैं। इस भीषण गर्मी में गांव के लगभग अधिकांश हुए सूख चुके हैं, पूर्व में इस तरह की स्थिति निर्मित नहीं होती थी परंतु खेतों में जो सिंचाई के लिए किसानों के द्वारा बोर करवाया गया है। जिसके कारण जलस्तर नीचे चले गया है और कुएं पूरी तरह से सूख चुके हैं। श्री सोनवाने ने बताया कि गर्मियों में पानी की आवश्यकता अधिक पड़ती है उसके बावजूद इस भीषण गर्मी में पानी की पूर्ति नहीं हो पा रही है। इस समस्या से कई बार पीएचई विभाग व पंचायत के जिम्मेदारों को अवगत करवा चुके है लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही हेंडपंप में सुबह से पानी भरने वालों की भीड़ लग जाती है, पुरा ग्राम तीन से चार हेंडपंप के भरोसे है और नई पाइपलाइन आई है लेकिन उसे बिछाने का कार्य अब तक शुरू नही हुआ है। प्रशासन से मांग है कि पानी टंकी का निर्माण गांव में करवाये ताकि नल-जल योजना का पानी नियमित रूप से मिल सके।

पानी टंकी का निर्माण करवाये प्रशासन - हेमंत

गणेशपुर सरपंच हेमंत कटरे ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में इस भीषण गर्मी में जल संकट गहराया हुआ है। नल जल योजना का पानी भी समय पर नहीं मिल पा रहा है और गांव में पानी टंकी नहीं होने के कारण बोरी स्थित पानी टंकी का पानी पाइपलाइन के माध्यम से गांव में सप्लाई की जाती है। लेकिन पाइपलाइन में तकनीकी खराबी आने के कारण समय पर पानी नही पहुंच पाता है। श्री कटरे ने बताया कि पलाकामथी में सबसे अधिक पानी की समस्या बनी हुई है, शासन-प्रशासन से मांग है कि इस पानी की समस्या को दुर करने के लिए पानी टंकी की स्वीकृति प्रदान कर पलाकामथी में पानी टंकी का निर्माण करवाये जिससे ग्रामीणों को पानी पर्याप्त मिल सके और उनकी यह पानी की समस्या का समाधान हो सके।

डोकरबन्दी में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ 17 से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत डोकरबंदी स्थित स्कूल परिसर में राधा-रानी एवं शिव शक्ति की आसीम कृपा से समस्त नारी शक्ति महिला मंडल एवं ग्रामीणजनों के सहयोग से आगामी 17 मई से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया गया है। इस 9 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में कथाव्यास पं. श्री घनश्याम जी शुक्ला के मुखारविंद से भक्तगण कथा का श्रवण करेंगे। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 17 मई को शाम 4 बजे कलशों की शोभायात्रा के साथ कथा का शुभारंभ किया जायेगा। जिसके बाद 18 मई से 25 मई तक प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक पीठ पूजन, दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक मुख्य कथा प्रवचन होगा एवं शाम 7 बजे से प्रभु इच्छा तक (भजन/कीर्तन होगा और कथा वाचक के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवनगाथाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जायेगा। आगे बताया कि 18 मई को व्यास पूजन, भागवत महत्यम, कपिल परिचित जन्म, सुखदेव आगमन, 18 मई को कपिल, सती एवं ध्रुव चरित, 20 मई को अजमीला प्रख्यान, भरत चरित, नरसिंह अवतार, प्रहलाद चरित, 21 मई को वामन अवतार, राम अवतार, कृष्ण जन्म, 22 मई को कृष्ण लीला, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा, 23 मई को उध्दव संवाद, रासलीला, कृष्ण विवाह, 24 मई को सुदामा चरित, द्वारिका लीला, यदोवंशीय उध्दार, गवलोक गमन, परिक्षित मोक्ष पर कथावाचक के द्वारा प्रवचन दिया जायेगा तत्पश्चात कथा विश्राम एवं 25 मई को यज्ञ पूर्णाहुति एवं विशाल महाप्रसादी वितरण के साथ संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से इस मंगलमय आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

तहसील कार्यालय का सूचना पटल अपडेट, अब ग्रामीणों को मिलेगी सटीक जानकारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय में सूचना पटल पर पुरानी जानकारी होने के कारण ग्रामीणों को हो रही परेशानियों को लेकर बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में गत माह प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया और विभाग ने त्वरित संज्ञान लेते हुए सूचना पटल (नोटिस बोर्ड) को अपडेट कर दिया है। जिससे अब क्षेत्र के 104 गांवों से आने वाले ग्रामीणों को वर्तमान अधिकारियों के सही नाम और मोबाइल नंबर उपलब्ध हो सकेंगे। जिससे उनका काम समय पर नही होने एवं कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारी के नही मिलने पर अधिकारियों से संपर्क कर सकते है। जिससे उनकी अब समय की बचत के साथ ही समय पर उनके राजस्व सहित अन्य काम होगें।

पुरानी जानकारी से भ्रमित हो रहे थे ग्रामीण

आपकों बता दे कि लालबर्रा तहसील कार्यालय से पूर्व तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम और एसडीएम राजीव रंजन पाण्डे का स्थानांतरण विगत माह पूर्व ही हो चुका था। किंतु सूचना पटल पर उन्हीं के नाम और नंबर अंकित थे। इस कारण दूर.दराज से आने वाले ग्रामीण अपनी शिकायतों या राजस्व संबंधी कार्यों के लिए अधिकारियों से संपर्क नहीं कर पा रहे थे। सही जानकारी के अभाव में लोगों को कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे थे जिससे उनमें भारी आक्रोश व्याप्त था। बालाघाट एक्सप्रेस अखबार ने ग्रामीणों की इस ज्वलंत समस्या को लेकर गत माह पूर्व समाचार प्रकाशित कर अधिकारियों का ध्यानाकर्षण करवाया गया था। साथ ही खबर में इस बात पर जोर दिया गया था कि सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत जनता को सही जानकारी मिलना उनका अधिकार है। खबर प्रकाशित होते ही राजस्व विभाग ने सक्रियता दिखाई और सूचना पटल पर वर्तमान में पदस्थ अधिकारियों के नाम दर्ज करवा दिये है।

सूचना पटल पर अब ये नाम हैं दर्ज

तहसील कार्यालय के नवीन सूचना पटल के अनुसार अब ग्रामीणों की सुविधा के लिए निम्नलिखित अधिकारियों के नाम और संपर्क सूत्र सार्वजनिक किये गये है। जिसमें वर्तमान में प्रथम अपीलीय अधिकारी (एसडीएम) कार्तिकेय जायसवाल, लोक सूचना अधिकारी (तहसीलदार) भूपेन्द्र अहिरवार, सहायक लोक सूचना अधिकारी (कानूनगो) राजेन्द्रकुमार शिन्दे पदस्थ है। सूचना पटल से पुराने अधिकारियों के नाम के स्थान पर वर्तमान में पदस्थ अधिकारियों के नाम व मोबाइल नंबर अंकित कर दिया गया है। वहीं तहसील कार्यालय के सूचना पटल के अपडेट होने से क्षेत्रीयजनों ने राहत की सांस ली है। ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें यह स्पष्ट हो सकेगा कि उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए किससे संपर्क करना है। हालांकि ग्रामीणों ने अभी भी तहसील परिसर में पीने के पानी की उचित व्यवस्था करने और गार्डन परिसर में फैली गंदगी की सफाई करवाने की मांग प्रशासन से की है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने जनहित के इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाने के लिए बालाघाट एक्सप्रेस अखबार का आभार व्यक्त किया है।

11 केव्ही लाइन पर गिरी पेड़ की टहनी, घंटों गुल रही बिजली, टला बड़ा हादसा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय के समीप सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कार्यालय परिसर में स्थित एक पेड़ की विशाल टहनी अचानक टूटकर वहां से गुजर रही 11 केव्ही विद्युत लाइन पर जा गिरी। टहनी गिरते ही तेज धमाके के साथ क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। वहीं गनीमत रही कि पेड़ की टहनी गिरने के बावजूद विद्युत तार नहीं टूटा नही तो बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि तार टूटकर नीचे गिरता तो वहां मौजूद लोग उसकी चपेट में आ सकते थे और कोई बड़ी जनहानि हो सकती थी। तार के न टूटने से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

भीषण गर्मी में लोग हुए परेशान

तहसील कार्यालय परिसर के अंदर स्थित पेड़ की टहनी दोपहर के समय अचानक टूटकर 11 केव्ही लाइन पर गिरी। जिसके कारण तहसील कार्यालय क्षेत्र की बिजली लंबे समय तक गुल रही। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली न होने से स्थानीय निवासियों एवं तहसील कार्यालय पहुंचे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं मामले की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद तार पर फंसी पेड़ की टहनी को हटाया और लाइन को दुरुस्त किया। जिसके बाद बिजली आपूर्ति बहाल होने के बाद ही लोगों ने राहत की सांस ली।

मोहगांव (ध.) आयुष्मान आरोग्य मंदिर में ऑनलाइन योग प्रशिक्षण संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संचालित घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोग अभियान के तहत जिला आयुष अधिकारी बालाघाट के मार्गदर्शन में एक विशेष पहल की गई। 11 मई को आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोहगांव (धपेरा) में प्रातः 8 बजे से ऑनलाइन योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्था प्रभारी डॉ. पंकज कुमार मेश्राम (आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। डॉ. मेश्राम ने स्वयं उपस्थितजनों को ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न योगाभ्यासों का प्रशिक्षण दिया और उनके लाभ बताये। साथ ही इस ऑनलाइन प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। इसलिए सभी को योग करना चाहिए जिससे शरीर स्वस्थ रहता है। वहीं संस्था प्रभारी डॉ. पंकज कुमार मेश्राम (आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी) ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर न केवल रोगों से मुक्त रहता है, बल्कि मानसिक शांति और ऊर्जा भी प्राप्त होती है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाये ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। इस कार्यक्रम में डॉ. पंकजकुमार मेश्राम, डॉ. श्रध्दा ठाकरे, पुष्पलता बिसेन, प्रकाश फूलबांधे, रेशमा लिल्हारे, पतिराम बागड़े, गौरव नगपुरे, योग प्रशिक्षक कैलाश माले, योग सहायक पुरूषोत्तम भगत एवं चंद्रप्रकाश कडूकार, बेनीराम दांदरे एवं अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ग्राम रोजगार सहायक के अवैध निर्माण पर चला प्रशासन का डंडा

ताला बंद होने से रह गई अधूरी कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

प्रशासनिक सख्ती और अवैध अतिक्रमण के खिलाफजारी मुहिम के तहत ११ मई को वारासिवनी तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कासपुर में राजस्व विभाग के द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई। नायाब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस और राजस्व के भारी दलबल ने शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मुहिम शुरू की। जिसमें ग्राम पंचायत के सामने स्थित अवैध निर्माण को हटाया गया।

ग्राम के रोजगार सहायक ही निकला अतिक्रमणकारी

हैरानी की बात यह है कि शासकीय भूमि पर कब्जा करने वाला कोई और नहीं बल्कि ग्राम पंचायत कासपुर में पदस्थ ग्राम रोजगार सहायक गुल्लकचंद राहगंडाले ही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोजगार सहायक ने पंचायत भवन के ठीक सामने शासकीय भूमि पर कब्जा जमाकर एक पक्का कमरा और टीन शेड तान लिया था। इस संबंध में ग्रामीण परमानंद झिल्पे के द्वारा राजस्व विभाग को शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार न्यायालय ने पूर्व में ही बेदखली के आदेश जारी किए थे। लेकिन रोजगार सहायक ने स्वयं संज्ञान लेकर अतिक्रमण नहीं हटाया।

कार्यवाही की भनक लगते ही घर छोड़कर भागा रोजगार सहायक

सोमवार को जब नायाब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय राजस्व निरीक्षक और पटवारियों की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँची तो पाया कि अतिक्रमणकारी गुल्लकचंद राहगंडाले अपने पूरे परिवार के साथ घर पर ताला लगाकर गायब था। प्रशासन को कार्यवाही से रोकने के लिए संभवत: यह कदम उठाया गया था। चूंकि विवादित स्थल एक आवासीय परिसर है और मुख्य मकान में ताला जड़ा हुआ था। इसलिए प्रशासन ने कानूनी पेचीदगियों को ध्यान में रखते हुए फिलहाल केवल बाहरी टीन शेड को हटाने की कार्यवाही की। शासकीय भूमि पर बना पक्का कमरा ताला बंद होने के कारण फिलहाल सुरक्षित है जिसे आगामी समय में तोड़ने की बात कही जा रही है।

मौके पर मौजूद रहा प्रशासनिक अमला

इस पूरी कार्यवाही के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। मौके पर सुरेश उपाध्याय नायाब तहसीलदार, दिलीप डोंगरे राजस्व निरीक्षक, पटवारी दीपक पांडे, ओमकार भलावी, ललित नेवारे, प्रियंका शुक्ला, रीना गजभिये एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने वाला ग्राम रोजगार सहायक ही जब शासकीय भूमि को हड़पने लगे तो आम जनता को क्या संदेश जाएगा। हालांकि प्रशासन की इस अधूरी कार्यवाही से कुछ ग्रामीण असंतुष्ट भी दिखे जिनका कहना है कि रसूख के कारण पक्के कमरे को छोड़ दिया गया।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर बताया की ग्राम पंचायत कासपुर के रोजगार सहायक का घर पंचायत के सामने शासकीय भूमि पर बना है जो कि आवासीय परिसर है। पूर्व में भी टीम तीन बार वहां गई थी लेकिन किन्हीं कारणों से वापस लौटना पड़ा। आज सूचना देने के बावजूद अतिक्रमणकारी घर पर ताला लगाकर चला गया था। फिलहाल हमने सामने का टीन शेड हटा दिया है शेष अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही आगामी समय में सुनिश्चित की जाएगी।

सुरेश उपाध्याय
नायाब तहसीलदार वारासिवनी

वारासिवनी कासपुर मार्ग खस्ताहाल-विक्रम देशमुख

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्मित मार्ग वारासिवनी, मदनपुर,कासपुर मार्ग लंबाई ९.५ सड़क के बी टी सेक्शन में व्याप्त गड्ढे और संधारण कार्य नहीं किए जाने की शिकायत की गई थी। उक्त सड़क के मेंटेनेंस कार्य का ठेका मोहिनी कंस्ट्रक्शन कामठी नागपुर को दिया गया था। जिसकी अवधि ४ फरवरी २०२२ से ४ फरवरी २०२७ तक और लागत १९.४९ लाख है। श्री देशमुख ने बताया कि कासपुर मार्ग की मरम्मत हेतु की गई शिकायत के जवाब में बताय कि संधारण कार्य के लिए अधिकृत ठेकेदार मोहिनी कंस्ट्रक्शन नागपुर का पैकेज ठेका २५/९/२०२५ को मेंटेनेंस कार्य नहीं किए जाने के आरोप में निरस्त कर दिया गया था। किंतु ठेकेदार के द्वारा मुख्य महाप्रबंधक म.प्र.ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण जबलपुर को प्रस्तुत आवेदन और सुनवाई उपरांत उसका ठेका अनुबंध आश्चर्यजनक रूप से ३१/१०/२०२५ को पुनर्जीवित कर दिया गया था। किंतु वर्तमान में ठेकेदार के द्वारा पूर्वानुसार पैकेज के मार्गों में संधारण कार्य नहीं किया जा रहा है। पैकेज की अनुबंधानुसार पूर्णता ३/२/२०२७ है। पैकेज का ठेका अनुबंध निरस्त करने एवं आगामी संधारण कार्य हेतु पैकेज की निविदा आमंत्रण की कार्रवाई का प्रचलित होना बताया गया है। उक्त मार्ग से ग्राम मदनपुर, कासपुर, एकोड़ी, आलेझरी, दंदुटोला, उमरटोला, केरा, भांडी, पिपरिया, कराटोला, कावदी के ग्रामीणजन रोजाना आना जाना करते हैं। ग्राम कासपुर सरपंच फकीरचंद देशमुख एवं अन्य ग्रामीणों ने इस मार्ग के गड्ढे शीघ्र भरे जाने की मांग रखी है।

बैटरी चोरी का आरोपी नीलेश खरोले गिरफ्तार, न्यायालय में किया गया पेश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में वारासिवनी पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने बैटरी चोरी के मामले में संलिप्त आरोपी नीलेश खरोले को गिरफ्तार कर सोमवार को बालाघाट न्यायालय के समक्ष पेश किया। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब ग्रामीण थाना नवेगांव पुलिस ने हाल ही में एक अंतर्राज्यीय बैटरी चोर गिरोह को दबोचा था। इस गिरोह की जांच और पूछताछ के दौरान नीलेश खरोले का नाम सामने आया जो वारासिवनी थाना क्षेत्र में हुई चोरियों में भी शामिल था। सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी को को रिमांड पर लिया। वारासिवनी थाना अंतर्गत बैटरी चोरी की शिकायतों को लेकर पुलिस लगातार तफ्तीश कर रही थी। रिमांड के दौरान पुलिस के द्वारा की गई कड़ी पूछताछ में आरोपी नीलेश खरोले ने वारासिवनी क्षेत्र में बैटरी चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। आरोपी के कबूलनामे के आधार पर पुलिस ने पूर्व में दर्ज अपराध क्रमांक १६६/२६ के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०३,२ के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही पूर्ण की। कार्यवाही के उपरांत आरोपी नीलेश पिता सुनील खरोले वार्ड नं.३ बेहरई थाना लालबर्रा निवासी को ११ मई को बालाघाट न्यायालय में पेश किया गया। हालांकि आरोपी को जेल भेज दिया गया है लेकिन पुलिस सूत्रों का कहना है कि रिमांड के दौरान उससे अन्य संदिग्ध चोरियों के संबंध में भी सघन पूछताछ की गई है।

भौरगढ़ में प्लास्टिक लघुशंका घर पर मचा घमासान

पंचायत और ग्रामीणों के बीच छिड़ा आरोप प्रत्यारोप का दौर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भौरगढ़ में इन दिनों एक अजीबो गरीब विवाद के केंद्र में है। यात्रियों की सुविधा के लिए पंचायत के द्वारा सार्वजनिक चौक पर स्थापित किया गया प्लास्टिक लघुशंका घर अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। इस घटना ने गांव में विकास की जगह विवादों की राजनीति को हवा दे दी है। घटना के बाद ग्राम पंचायत ने कड़ा रुख अपनाते हुए गांव के ही कुछ चुनिंदा व्यक्तियों पर तोड़फोड़ का संदेह जताया है। पंचायत की ओर से थाना प्रभारी खैरलांजी को एक लिखित शिकायत सौंपी गई है ,जिसमें आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की मांग की गई है। वहीं दूसरी ओर जिन ग्रामीणों पर नामजद आरोप लगाए गए हैं उन्होंने सरपंच और पंचायत प्रशासन पर राजनीतिक द्वेष के चलते स्वयं के करीबियों से यह तोड़फोड़ करवाई गई है ताकि विरोधियों को झूठे केस में फंसाया जा सके। गांव में चर्चा है कि लघुशंका घर को गलत स्थान पर बनाया गया था जिसे लेकर पहले भी असंतोष था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरपंच हमें धमकी देता है कि प्लाट रहने मिला है या दुकान लगाने- जितेंद्र लिल्हारे

जितेंद्र लिल्हारे ने बताया कि यह जो तोड़फोड़ का आरोप लगा रहे है बिल्कुल गलत है। यह हमारा प्लाट है हमारी दुकान लगती है किराये से देते हैं सरपंच हमें धमकी देता रहता है कि प्लाट रहने मिला है या दुकान लगाने। तुम्हें मैं कोर्ट लेकर जाऊंगा यह बात मेरी पत्नी को ओमकार और सरपंच देवेंद्र बारेवार ने कहा है। यहां पर यह जो रास्ता बनाए हैं यह कैसे लोग चलेंगे उन्हें खुद समझना चाहिए यह सब सरपंच फसाने के लिए कर रहा है। कब यह लघु संख्या घर लगाया गया इसकी हमें जानकारी नहीं है रात में मैं जबलपुर से आया हूं।

लघुशंका घर के विरोध में पूरा गांव है सरपंच के द्वारा ऐसा ही किया जाता है-धनराज राउत

धनराज राउत ने बताया की यह झूठा आरोप लगा रहे हैं मैंने सामुदायिक भवन निर्माण को लेकर शिकायत की गई थी और वह वापस हो गया था। यही कारण है कि वह हमारे ऊपर आरोप लगा रहे हैं हालांकि इसके विरोध में तो पूरा गांव है सरपंच के द्वारा ऐसा ही किया जाता है। हमेशा फसाने की कोशिश की जाती है जबकि यह तोड़फोड़ सरपंच के व्यक्तियों नहीं की है।

ग्राम के कुछ असामाजिक तत्वों ने लघुशंका घर को तोड़ा है- देवेंद्र बारेवार

सरपंच देवेंद्र बारेवार ने बताया कि युवाओं की मांग पर और १८१ शिकायत को देखते हुए हमने लघुशंका घर पंचायत में निर्णय लेकर व्यवस्था के रूप में लगाया है। इससे कुछ लोग असहमत हो सकते हैं उसे कॉक्रिट से पैक किया गया था। परंतु असामाजिक तत्व ग्राम के जितेंद्र लिल्हारे ,राजा लिल्हारे ,दीपक डोहरे ,सुखदेव बडिचार ,धनराज राउत ने तोड़े हैं। ग्राम पंचायत को अपमानित भी उनके द्वारा किया गया है इसके लिए थाना प्रभारी को आवेदन दिया हैं। ग्राम में कुछ अतिक्रमण है उसका प्रकरण न्यायालय में चल रहा है यह सभी की सहमति से लगाया गया था। पुलिस से मांग हैं कि वह अपराध पंजीबद्ध करें।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट (म.प्र.) में 11 मई 2026 को प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के मार्गदर्शन में आई.क्यू.ए.सी., स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं भौतिक शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आधुनिक तकनीक एवं उसके अनुप्रयोगों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रात: 11:30 बजे ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से विषय विशेषज्ञ पलास तिवारी द्वारा Emerging Technologies Shaping the Future विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस से संबंधित ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलगुरु प्रोफेसर इंद्र प्रसाद त्रिपाठी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अशोक कुमार मराठे, प्राचार्य प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बालाघाट तथा सुशील पटवा, स्पोर्ट्स ऑफिसर छिंदवाड़ा मौजूद रहे। कुलगुरु प्रो. त्रिपाठी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए तकनीक के महत्व एवं उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. अशोक कुमार मराठे ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की महत्ता और उसके उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए छात्राओं को प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयामों एवं उसके बढ़ते महत्व के बारे में प्रेरणादायी संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी ज्ञान आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और छात्राओं को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुनील कुमार मासुलकर एवं डॉ. दीपरवा मासुलकर का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती दीप्ति गढ़पाले, सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र द्वारा किया गया, जबकि अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. स्वाति खोब्रागड़े, सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी द्वारा किया गया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। सेमिनार का विषय Health, Wellness, Sports – Essential Need for Modern World रखा गया। कार्यक्रम का आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एवं स्पोर्ट्स, यू-मैन हेल्थ-वेलनेस (एम.पी.एच.ई.) तथा मेंटल हेल्थ यूनिट (एन.टी.एफ.) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती भारती पारधी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में डॉ. आई.पी. त्रिपाठी, कुलगुरु राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा, श्री अजय सिंह राजपूत (साउथ अमेरिका), अनिल करवंडे नागपुर, डॉ. बी.एम. शरणागत, किरणभाई त्रिवेदी, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे एवं डॉ. पी.एस. कातुलकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन, स्वागत गीत एवं वंदे मातरम् के गायन के साथ हुई। प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य, कल्याण और खेल केवल शौक नहीं बल्कि जीवन की आवश्यकता बन चुके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सांसद भारती पारधी ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती भारती पारधी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का विकास संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ योग, खेल और व्यायाम को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की सलाह दी, ताकि वे मानसिक रूप से एकाग्र और शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकें। राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. आई.पी. त्रिपाठी ने कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली में व्यक्ति का चतुर्दिक विकास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि खेलकूद, योग और प्राणायाम के माध्यम से हम अपने जीवन को संतुलित और स्वस्थ बना सकते हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में ऋषि-मुनियों ने योग और प्राणायाम को विशेष महत्व दिया है, जिसे जीवन में अपनाना आवश्यक है। डॉ. बी.एम. शरणागत ने अपने व्याख्यान में बताया कि खेल गतिविधियों से शरीर में हैप्पी हार्मोन्स रिलीज होते हैं, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। वहीं राजीव चौधरी ने कहा कि खेल शरीर, मन और आत्मा तीनों को प्रभावित करते हैं, इसलिए यह प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. पी.एस. कातुलकर द्वारा किया गया, जबकि मंच संचालन डॉ. राकेश चैरे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अनिल झरबड़े तथा जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के क्रीड़ा अधिकारियों का विशेष सहयोग रहा।

लोकतंत्र-हकीकत या भ्रम?

पिछले दिनों देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न हुये। इनमें सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों की रही। चर्चा का कारण था पश्चिम बंगाल राज्य में पहली बार दक्षिणपंथी भारतीय जनता पार्टी का सत्ता में आना। दरअसल पश्चिम बंगाल एक ऐसा राज्य है जहाँ प्राय: धर्मनिरपेक्ष सत्तारूढ़ दलों का लंबे समय तक राज करने का इतिहास रहा है। मिसाल के तौर पर स्वतंत्रता के बाद 1947 से लेकर 1977 तक यानी लगभग 30 वर्षों तक यहाँ लगातार कांग्रेस की सरकार रही। कांग्रेस शासन में बिधान चंद्र रॉय, प्रफुल्ल चंद्र सेन, और सिद्धार्थ शंकर रे जैसे दिग्गज नेता राज्य के मुख्यमंत्री रहे थे। बाद में 1977 में कांग्रेस को हराकर वाम मोर्चा सत्ता में आया और लगातार 34 वर्षों वामपंथी सरकार का शासन रहा। उसके बाद कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस बनाने वाली ममता बनर्जी ने मई 2011 में सत्ता संभाली और मई 2026 तक यानी लगातार 15 वर्षों तक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया है। लगातार तीन कार्यकालों तक सत्ता संभालने वाली राज्य की वह पहली महिला मुख्यमंत्री भी रही हैं। 1947 से लेकर 2026 तक राज्य में जितनी भी सरकारें बनीं वे सभी धर्मनिरपेक्ष सरकारें थीं परन्तु यह पहला मौका है जबकि दक्षिणपंथी विचारधारा की भाजपा ने यहाँ सत्ता संभाली है। 2014 में केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद जिसतरह सत्ता व अनेक सरकारी संस्थाओं का दुरूपयोग कर,दूसरे राजनैतिक दलों में फूट डालकर या तोड़फोड़कर,भय लालच आदि के बल पर यहाँ तक कि राज्यपालों के पद का खुला राजनैतिक दुरूपयोग कर देश के अनेक राज्यों में भाजपा द्वारा अपनी सरकारें बनाई गयी हैं उसे देखकर पश्चिम बंगाल में भाजपा की इस बार सरकार बनना कोई खास आश्चर्य का विषय नहीं होना चाहिये। वैसे भी जिसतरह भाजपा को अपनी मनपसंद यानी साम्प्रदायिकता की पिच पर यहाँ खेलने का मौका मिला उसमें निश्चित रूप से उसे महारत हासिल हो चुकी है। जिन शुभेंदु अधिकारी को भाजपा ने अपना पहला मुख्यमंत्री बनाया है वह भी मूल रूप से तृणमूल कांग्रेस के ही नेता थे परन्तु 2020 में भाजपा में शामिल होकर उन्होंने राज्य में भाजपा के आधार का विस्तार किया। यह वही शुभेंदु अधिकारी हैं जिन्हें 2014 में नारदा स्टिंग ऑपरेशन मामले में एक फर्जी कंपनी के प्रतिनिधियों से रंगे हाथ नगद रिश्वत लेते हुए एनडीटीवी के मैथ्यू सैमुअल द्वारा किये गये स्टिंग वीडीओ में दिखाया गया था। 2016 में बंगाल में एक चुनावी सभा में नरेंद्र मोदी ने शुभेंदु जैसे भ्रष्ट व रिश्वतखोर नेताओं का जिक्र भी किया था। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मार्च 2017 में नारदा स्टिंग ऑप्रेशन की सीबीआई जांच के आदेश भी दिए थे। स्टिंग ऑप्रेशन के बाद, तृणमूल कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ-साथ शुभेंदु अधिकारी से भी सीबीआई व ईडी ने पूछताछ की थी। बाद में चूँकि शुभेंदु अधिकारी भाजपा में शामिल हो गए इसलिये उन्हें इस मामले में गिरफ्तार नहीं किया गया। सीबीआई ने 2021 में बताया भी कि उन्होंने शुभेंदु अधिकारी और मुकुल रॉय के खिलाफ जांच के लिए सरकार से आवश्यक मंजूरी न मिलने के कारण कार्रवाई नहीं की। गोया भाजपा की वाशिंग मशीन से पाक साफ होने वाले नेताओं में शुभेंदु अधिकारी भी मुख्य नेता हैं। इस समय राज्य में भाजपा के निर्वाचित 207 विधायकों में लगभग 35 विधायक ऐसे हैं जो 2021-2026 के बीच या उससे पहले तृणमूल, कांग्रेस या वामपंथी दलों से आए हुये दलबदलू हैं। बहरहाल शुभेंदु अधिकारी अपनी जिस विशेषता के चलते भाजपा की आँखों का तारा बने हैं वह है उनके घोर जहरीले व साम्प्रदायिकतावादी बयान। चुनाव प्रचार से लेकर चुनाव जीतने तक उन्होंने जैसी भाषा का प्रयोग किया है वह किसी धर्मनिरपेक्ष लोकतान्त्रिक देश के किसी नेता की भाषा कतई नहीं कही जा सकती। जैसे कि नंदीग्राम में अपनी जीत के बाद, उन्होंने कहा कि मुसलमान मतदाता कट्टरपंथी हैं और उन्होंने टीएमसी को एकतरफा वोट दिया है।

राजस्थान में बढ़ती बम धमकियां-डर, डिजिटल अपराध और सुरक्षा की नई चुनौती

राजस्थान में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बम धमकियों के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी ने आम जनता, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। पहले इस प्रकार की घटनाएं बहुत कम सुनने को मिलती थीं, लेकिन अब स्कूलों, एयरपोर्ट, अदालतों, सरकारी कार्यालयों और एयरलाइंस को लगातार धमकी भरे ई-मेल और सोशल मीडिया संदेश भेजे जा रहे हैं। विधानसभा में दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 में 40 और वर्ष 2025 में 69 धमकी भरे संदेश सामने आए। इस वर्ष भी जनवरी से अब तक लगभग 40 धमकियां मिल चुकी हैं। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि समाज में बढ़ती असुरक्षा और डिजिटल अपराधों की गंभीर चेतावनी हैं।

सबसे ज्यादा प्रभावित जयपुर रहा, जहां स्कूलों, एयरपोर्ट और सरकारी परिसरों को उड़ाने की धमकियां दी गईं। कई बार पूरी इमारतों को खाली करवाना पड़ा, बच्चों की पढ़ाई बाधित हुई, यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा और सुरक्षा एजेंसियों को घंटों जांच करनी पड़ी। बाद में अधिकांश धमकियां फर्जी साबित हुईं, लेकिन हर सूचना को गंभीरता से लेना प्रशासन की मजबूरी होती है क्योंकि छोटी सी लापरवाही भी बड़ी त्रासदी में बदल सकती है।

आज का दौर पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने जहां जीवन को आसान बनाया है, वहीं अपराधियों को भी नई ताकत दी है। पहले अपराधी फोन या पत्र के जरिए धमकी देते थे, लेकिन अब ई-मेल, फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, वीपीएन और विदेशी सर्वर का उपयोग कर पहचान छिपाने की कोशिश की जाती है। कई बार अपराधी केवल अफवाह फैलाने या मजाक करने के उद्देश्य से भी ऐसे संदेश भेज देते हैं, लेकिन उनका यह मजाक हजारों लोगों को परेशानी में डाल देता है।

स्कूलों को मिलने वाली धमकियां सबसे अधिक चिंताजनक हैं। जब किसी स्कूल में बम होने की सूचना मिलती है तो तुरंत बच्चों को बाहर निकाला जाता है, अभिभावकों में डर फैल जाता है और पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन जाता है। छोटे बच्चों के मन पर इसका गहरा मानसिक प्रभाव पड़ता है। कई बार बच्चे लंबे समय तक भय महसूस करते हैं। इसी तरह एयरपोर्ट या रेलवे स्टेशन को धमकी मिलने पर सुरक्षा जांच इतनी सख्त करनी पड़ती है कि यात्रियों की लंबी कतारें लग जाती हैं और उड़ानें प्रभावित हो जाती हैं।

ऐसे मामलों में सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि असली और फर्जी धमकी में अंतर कैसे किया जाए। सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संदेश को हल्के में नहीं ले सकतीं। यदि सूचना को नजरअंदाज किया गया और घटना सच निकली तो भारी नुकसान हो सकता है। इसलिए हर ई-मेल, कॉल या सोशल मीडिया पोस्ट की जांच की जाती है। बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड और साइबर विशेषज्ञ तुरंत सक्रिय हो जाते हैं। इससे प्रशासनिक संसाधनों पर भारी दबाव पड़ता है।

राजस्थान सरकार द्वारा विशेष मॉनिटरिंग यूनिट का गठन किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। साइबर विशेषज्ञों की मदद से ऐसे संदेशों की निगरानी की जा रही है। जयपुर, अजमेर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर और अन्य शहरों में बम निरोधक दस्ते सक्रिय रखे गए हैं। इसके अलावा ई-मेल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नजर रखने के लिए तकनीकी टीमों को मजबूत किया जा रहा है। फिर भी चुनौती लगातार बढ़ती जा रही है क्योंकि अपराधी भी नई तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं।

यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसे संदेश भेजने वाले पकड़े क्यों नहीं जाते। इसका मुख्य कारण डिजिटल दुनिया की जटिलता है। कई अपराधी फर्जी नाम से ई-मेल बनाते हैं, इंटरनेट प्रोटोकॉल एड्रेस छिपाने के लिए वीपीएन का उपयोग करते हैं या विदेशी सर्वर के जरिए संदेश भेजते हैं। कई बार वे साइबर कैफे, सार्वजनिक वाई-फाई या चोरी किए गए मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करते हैं। इससे उनकी वास्तविक पहचान तक पहुंचना कठिन हो जाता है। हालांकि यह असंभव नहीं है। साइबर विशेषज्ञ डिजिटल गतिविधियों का विश्लेषण करके अपराधी तक पहुंचने की कोशिश करते हैं।

जब कोई धमकी भरा ई-मेल आता है तो साइबर टीम सबसे पहले उसका आईपी एड्रेस और सर्वर जानकारी निकालने का प्रयास करती है। ई-मेल हेडर से कई तकनीकी जानकारियां मिलती हैं। सोशल मीडिया संदेशों के मामले में संबंधित प्लेटफॉर्म से डेटा मांगा जाता है। मोबाइल नंबर, लोकेशन, लॉगिन समय और डिवाइस की जानकारी के आधार पर जांच आगे बढ़ती है। कई मामलों में सीसीटीवी फुटेज, इंटरनेट उपयोग रिकॉर्ड और बैंकिंग जानकारी भी मददगार साबित होती है। यदि अपराधी ने कहीं गलती की हो तो पुलिस उसके करीब पहुंच जाती है।

कई बार अपराधी किशोर या युवा भी होते हैं जो मजाक या ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा करते हैं। उन्हें यह अंदाजा नहीं होता कि उनकी हरकत कितनी गंभीर है। एक फर्जी धमकी के कारण हजारों लोग डर जाते हैं, सरकारी संसाधन बर्बाद होते हैं और आपातकालीन सेवाओं पर दबाव बढ़ जाता है। इसलिए स्कूलों और कॉलेजों में साइबर जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है। युवाओं को यह समझाना होगा कि ऑनलाइन अपराध भी उतना ही गंभीर है जितना वास्तविक दुनिया का अपराध। आम लोगों को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। यदि किसी को संदिग्ध ई-मेल, संदेश या सोशल मीडिया पोस्ट मिले तो उसे तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन को सूचित करना चाहिए। बिना पुष्टि के अफवाह फैलाना गलत है। कई बार लोग डर के कारण सोशल मीडिया पर अधूरी जानकारी साझा कर देते हैं, जिससे दहशत और बढ़ जाती है। किसी भी संदिग्ध वस्तु को हाथ नहीं लगाना चाहिए और तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को सूचना देनी चाहिए।

सुरक्षा बढ़ाने के लिए स्कूलों, एयरपोर्ट और सरकारी संस्थानों में नियमित मॉक ड्रिल होनी चाहिए। प्रवेश द्वारों पर आधुनिक स्कैनर और निगरानी कैमरे लगाए जाने चाहिए। साइबर सेल को अत्याधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित विशेषज्ञ उपलब्ध कराने होंगे। सोशल मीडिया कंपनियों और ई-मेल सेवा प्रदाताओं को भी जांच एजेंसियों के साथ तेजी से सहयोग करना चाहिए ताकि अपराधियों की पहचान जल्दी हो सके।

कानूनी स्तर पर भी सख्ती आवश्यक है। फर्जी धमकी देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और त्वरित सजा से दूसरों को भी संदेश जाएगा कि ऐसी हरकतें मजाक नहीं बल्कि गंभीर अपराध हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कानून और आपराधिक कानूनों के तहत ऐसे मामलों में जेल और भारी जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण लोग इसकी गंभीरता को नहीं समझते।

राजस्थान में बढ़ती बम धमकियां केवल कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं हैं, बल्कि यह डिजिटल युग की नई चुनौती का संकेत हैं। तकनीक का गलत उपयोग समाज में भय और अस्थिरता पैदा कर सकता है। इसलिए, सरकार, पुलिस, तकनीकी विशेषज्ञों और आम नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि जागरूकता, तकनीकी क्षमता और कानूनी सख्ती को साथ लेकर चला जाए तो इस तरह की घटनाओं पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

-ललित गर्ग

रोगियों की मुस्कान और उम्मीद का दूसरा नाम हैं नर्से

हर वर्ष 12 मई को पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाती है। यह दिन आधुनिक नर्सिंग सेवा की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उन अनगिनत संवेदनशील हाथों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो दिन-रात रोगियों के दर्द को कम करने, उन्हें जीवन का भरोसा देने और मृत्यु से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के भीतर आशा का दीप जलाने का कार्य करते हैं। दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्सें शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं। नर्सें भगवान का रूप होती है, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती हैं और उनमें करुणा का बीज बोती है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंक देती है। वर्ष 2026 की थीम हमारी नर्सें, हमारा भविष्य- सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि यदि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाना है तो नर्सों को सम्मान, सुरक्षा, संसाधन और सशक्त वातावरण देना होगा। यह दिवस 1965 से इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज द्वारा शुरु हुआ है, बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश एवं दुनिया में नर्सों द्वारा किए गए अद्भुत सेवा कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं।

सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयां देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को धरती के फरिश्ते कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के समय पूरी दुनिया ने देखा कि जब लोग अपने ही परिजनों से दूरी बना रहे थे, तब नर्सें संक्रमित मरीजों के सबसे निकट खड़ी थीं। उन्होंने मृत्यु के भय को पीछे छोड़कर जीवन की रक्षा का संकल्प निभाया। उस दौर ने यह सिद्ध कर दिया कि नर्सें केवल स्वास्थ्यकर्मी नहीं, बल्कि मानवता की सबसे मजबूत प्रहरी हैं।

नर्सिंग सेवा केवल पेशा नहीं, बल्कि करुणा, धैर्य और त्याग की साधना है। एक नर्स उस समय भी मुस्कुराती रहती है जब वह स्वयं मानसिक और शारीरिक थकान से गुजर रही होती है। वह रोगियों के बीच आशा का वातावरण बनाती है। कई बार ऐसे मरीज, जो मानसिक रूप से टूट चुके होते हैं, नर्सों की आत्मीयता और प्रेरणा से पुन: जीवन के प्रति सकारात्मक हो जाते हैं। चिकित्सा विज्ञान में दवाइयों की अपनी भूमिका है, लेकिन संवेदनशील देखभाल और मानसिक संबल रोगी के उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। यही कारण है कि कहा जाता है कि नर्स का स्पर्श भी एक औषधि है। आज जब दुनिया आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश कर चुकी है, तब भी नर्सिंग सेवा की आवश्यकता और महत्ता कम नहीं हुई, बल्कि और अधिक बढ़ी है। मशीनें रोग का परीक्षण कर सकती हैं, लेकिन वे रोगी की आंखों में छिपे भय को नहीं पढ़ सकतीं। तकनीक इलाज का माध्यम बन सकती है, लेकिन वह करुणा का विकल्प नहीं बन सकती। नर्सों की सबसे बड़ी शक्ति उनकी संवेदनशीलता है, जो उन्हें अन्य सभी स्वास्थ्य सेवाओं से अलग पहचान देती है। इसी कारण आज भी नर्सिंग दुनिया का सबसे अधिक अपेक्षित और सम्मानित स्वास्थ्य पेशा माना जाता है।

विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक प्रशिक्षित नर्सों की कमी है। विकसित देशों में बेहतर वेतन और सुविधाओं के कारण विकासशील देशों की अनेक प्रतिभाशाली नर्सें विदेशों की ओर आकर्षित हो रही हैं। परिणामस्वरूप गरीब और विकासशील देशों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। विश्व स्तर पर नर्सों की बढ़ती आवश्यकता यह संकेत देती है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता नर्सों की उपलब्धता और दक्षता पर ही निर्भर करेगी। इसलिए यह समय नर्सों को केवल सेवक के रूप में देखने का नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य व्यवस्था के निर्णायक स्तंभ के रूप में स्वीकार करने का है। भारत जैसे विशाल देश में नर्सिंग सेवा को अधिक सशक्त, सम्मानजनक और सुरक्षित बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। नर्सों के लिए बेहतर वेतनमान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां, पर्याप्त अवकाश, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर सुनिश्चित किये जाने चाहिए। निजी और सरकारी अस्पतालों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां नर्सें सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें। यदि नर्सें स्वयं तनाव, असुरक्षा और उपेक्षा से घिरी रहेंगी, तो स्वास्थ्य सेवाओं की मानवीय गुणवत्ता प्रभावित होगी। इसलिए नर्सों का कल्याण केवल उनका व्यक्तिगत प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी मानवता के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ विषय है। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की 2026 की थीम भी इसी सोच को आगे बढ़ाती है कि सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं। जब नर्सों को प्रशिक्षण, संसाधन, निर्णय लेने का अधिकार और सामाजिक सम्मान मिलेगा, तभी वे अपनी पूरी क्षमता के साथ समाज को स्वस्थ बना सकेंगी। यह दिवस हमें केवल नर्सों का सम्मान करने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि नर्सों के बिना कोई भी स्वास्थ्य व्यवस्था पूर्ण नहीं हो सकती। अस्पतालों की वास्तविक धड़कन नर्से ही हैं। रोगियों की आंखों में लौटती चमक, परिवारों के चेहरे पर आती राहत और स्वस्थ जीवन की ओर लौटते कदमों में नर्सों की नि:स्वार्थ सेवा का मौन योगदान छिपा होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज नर्सों को केवल एक कर्मचारी के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें मानवता के संवेदनशील रक्षकों के रूप में पहचाने। बच्चों के जन्म से लेकर जीवन की अंतिम सांस तक नर्सें हर महत्वपूर्ण क्षण में हमारे साथ खड़ी रहती हैं। वे दर्द को कम करती हैं, टूटे मन को संभालती हैं और निराशा में उम्मीद का प्रकाश जगाती हैं। सच तो यह है कि नर्सें केवल शरीर का उपचार नहीं करतीं, वे मनुष्य के भीतर जीने की इच्छा को भी जीवित रखती हैं।

आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये नर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करती है। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं बल्कि इसलिए कि वह सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करती हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मां के स्वरूप में स्नेहपूर्ण और फिक्र के साथ हर किसी की देखभाल और परवाह करने के शब्द को ही नर्स कहा जाता है। वे अस्पताल की रीढ़ होती है। ऐसी मानवीय सेवा की अद्भुत फरिश्तों के कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही नर्सों की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी। इस अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर यही संकल्प अपेक्षित है कि हम नर्सों की सेवाओं को अधिक सम्मान, सुरक्षा और सहयोग प्रदान करें। उनके कल्याण, प्रोत्साहन और सशक्तिकरण का व्यापक चिंतन हो। जब नर्सों का जीवन अधिक सुरक्षित, संतुलित और सम्मानपूर्ण होगा, तब उनकी सेवाएं और अधिक प्रभावी, संवेदनशील और मानवीय बन सकेंगी। यही इस दिवस का वास्तविक उद्देश्य और मानवता के प्रति हमारी सच्ची संवेदनशीलता होगी।

-कांतिलाल मांडोत

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

- डॉ. सुयश नारायण मिश्रा

होर्मुज मार्ग बंद होने से दुनिया झुलस रही है ऊर्जा संकट की आग से मोदी सरकार ने सूझबूझ से जनता पर नहीं आने दी इस संकट की आंच, खुद उठाया बोझ।5 भारत में सामान्य रूप से होते रहे सभी कार्य जनता को भी देना होगा धैर्य के साथ देश का साथ वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं।

लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे।

यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है।

प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशील सोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। सोचिए, यदि यही संकट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होती? रसोई गैस महंगी होती, परिवहन लागत बढ़ती, महंगाई हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तक का बजट डगमगा जाता।

लेकिन साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते ही स्थितियां बदलनी शुरू हुईं। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खड़ी है। तेल भंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लैंडिंग बढ़ाई गई, वैकल्पिक ईंधन नेटवर्क विकसित हुआ और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ। वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एलपीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रति दिन कम किया गया। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायोमास की वैकल्पिक अवसंरचना संकट से पहले से तैयार थी। जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है।

इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है। आज भारत के पास 5.33 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार है और दूसरे चरण के तहत चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में अतिरिक्त भंडारण क्षमता तैयार की जा रही है। यह केवल परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि भविष्य के संकटों से देशवासियों को सुरक्षित रखने की तैयारी है। एथनॉल मिश्रण की नीति ने भी इस कठिन समय में देश को बड़ी राहत दी। 20 प्रतिशत ब्लैंडिंग के कारण भारत विदेशी मुद्रा की भारी बचत कर पा रहा है। संकट के दौरान वैकल्पिक ईंधन व्यवस्था के जरिए एलपीजी की मांग में प्रतिदिन 70 से 75 हजार टन तक कमी लाई गई। ये कदम बताते हैं कि सरकार ने केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए भी सुरक्षा का रास्ता तैयार किया है।

युद्ध अब भी जारी है। आने वाले समय में कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। लेकिन देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि जब पूरी दुनिया दबाव में थी, तब भारत सरकार ने अपने नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ा। उसने एक अभिभावक की तरह जिम्मेदारी निभाई। सरकारें केवल योजनाओं और घोषणाओं से बड़ी नहीं बनतीं, बल्कि कठिन समय में अपने लोगों के साथ खड़े होने से बड़ी बनती हैं। इस वैश्विक संकट के दौर में भारत ने यही करके दिखाया है। यही कारण है कि आज देश का आम नागरिक सिर्फ राहत महसूस नहीं कर रहा, बल्कि उसके मन में यह भरोसा भी मजबूत हुआ है कि संकट चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, देश उसके साथ खड़ा है। हालांकि यह संकट अभी पूरी तरह टला नहीं है। समय की मांग यह भी है कि देश के नागरिक भी आने वाली चुनौतियों के प्रति सजग, संयमित और तैयार रहें। नागरिकों का कर्तव्य है कि ऊर्जा का इस्तेमाल किफायत से करें। वैश्विक संकट के बीच ढाल बनी भारत सरकार का धैर्यपूर्वक साथ दें।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली निकलने से सोमवार को अनाज मंडी में तुअर बाजार सुधार पर रहे। मूंग में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूती के रहे। किराना जिंसों में शक्कर मजबूत रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में लेवाली निकलने से भावों में सुधार देखा गया। मूंग में सुस्ती कायम रही। खाद्य तेलों में टिकाव देखा गया। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूत बने रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में मजबूती रही। नारियल व खोपरा गोला भी सुर्ख नजर आया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4185-4250, खोपरा गोला 380-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, बेस्ट 280-290, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बादान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2500-2550, (250) 2750-2800

तेल- सींगदाना 1580-1600, मुम्बई 1620, राजकोट तेलिया 2500-2550, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1465-1470, कपास्या 1435, धूलिया 1440, कड़ी 1445,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7300-7500, रायडा 6300-6600, सोयाबीन 6700-7000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5500-5600, विशाल 5650-5700, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7600-7700, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, मीडियम 7800-7900, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7300, एवरेज 7000-7100, हल्की 6800-7000, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार कमजोर ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 250000, चाँदी (99) 249900, टंच 249600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 151000,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 81 पैसे की गिरावट के साथ ही 95. 22 पर बंद हुआ। रुपया शुरुआती कारोबार में आज 139 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.90 पर पहुंच गया। अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खारिज करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की भारी निकासी ने रुपये पर और दबाव डाला।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर खुला। फिर मामूली बढ़त के साथ 94.90 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 139 पैसे की भारी गिरावट है। रुपया शुक्रवार को 94.41 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1312.91 अंक नीचे आकर 76,015.28 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी50 360.30 अंक गिरकर 23,815.85 पर बंद हुआ। आज व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.05 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक में 1.13 फीसदी की गिरावट रही। क्षेत्रवार देखें तो आज सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी उपभोक्ता उत्पादों में 3.73 फीसदी और निफ्टी रियल्टी में 3.05 फीसदी रही। इसके अलावा निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑयल एंड गैस के शेयर भी 2 फीसदी नीचे आये जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी मेटल और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर भी गिरे। निफ्टी पैक में सबसे ज्यादा टाटा कंज्यूमर के

शेयरों में 8 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इसके बाद मैक्स हेल्थ के शेयरों में 2.7 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा कोल इंडिया, सन फार्मा, एचयूएल, ग्रासिम, ओएनजीसी, अदाणी पोर्ट्स और एसबीआई लाइफ के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर टाइटन, इंडिगो, एसबीआई, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 467 लाख करोड़ रुपए ही रहा जबकि पिछले सत्र में ये 473 लाख करोड़ रुपए था। इस प्रकार निवेशकों को करीब 467लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इस बीच, ब्रेंट क्रूड का मई फ्यूचर्स 2.12 फीसदी बढ़कर 103.4 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार करता नजर आया। बाजार जानकारों के अनुसार पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की लगातार ऊंची कीमतों से बाजार नीचे आया है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। दिन के दौरान सेंसेक्स 76,638.09 पर खुलकर 1,300 अंकों या 1.5 फीसदी से अधिक गिरकर 75,957.40 के दिन के निचले स्तर पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 23,970.10 पर खुलकर दिन के दौरान 1 फीसदी से अधिक गिरकर 23,799.10 के निचले स्तर पर पहुंच गया।

सीनियर सिटिजन कोटे और बुकिंग के खास विकल्पों से पाएं ट्रेन में निचली बर्थ

नई दिल्ली। एजेंसी। ट्रेन में आरामदायक सफर के लिए लोअर बर्थ की चाहत हर यात्री को होती है, खासकर बुजुर्गों को, जिन्हें ऊपर की बर्थ पर चढ़ने में खासी परेशानी होती है। भारतीय रेलवे (आईआरसीटीसी) ने अब ऐसे यात्रियों के लिए लोअर बर्थ सुनिश्चित करने के खास तरीके बताए हैं, जिससे उनकी यात्रा सुगम बन सके। रेलवे के नियमों के अनुसार 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष, 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं और 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए लोअर बर्थ का एक संयुक्त कोटा निर्धारित है। यह कोटा स्लीपर से लेकर एसी क्लास तक उपलब्ध होता है, जिससे इन यात्रियों को प्राथमिकता मिलती है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए टिकट बुकिंग करते समय बुजुर्ग नागरिक विकल्प का चयन करना अनिवार्य है। आइआरसीटीसी के अनुसार एक पीएनआर पर केवल 1 या 2 बुजुर्ग यात्रियों के लिए ही लोअर बर्थ मिलने की संभावना अधिक होती है। लोअर बर्थ की गारंटी हेतु रिजर्वेशन चाइस में बुक ऑनली लोउर बर्थ इज एलाउड विकल्प चुनें। यह विकल्प सुनिश्चित करेगा कि यदि लोअर बर्थ उपलब्ध नहीं है, तो आपका टिकट बुक नहीं होगा। ध्यान रहे कि सामान्य कोटे में लोअर बर्थ का आवंटन पूरी तरह उपलब्धता पर निर्भर करता है। यदि बुकिंग के दौरान लोअर बर्थ नहीं मिल पाती है, तो यात्रा के दौरान आप ड्यूटी पर मौजूद कोच टीटीई से संपर्क कर सकते हैं। उन्हें ज़रूरतमंद यात्रियों की सहायता करने का अधिकार है और वे सीटों की उपलब्धता के आधार पर मदद कर सकते हैं।

पश्चिमी एशिया में तनाव से महंगे हो सकते हैं पेट्रोल और डीजल

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष और कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के कारण भारत में पेट्रोल और डीजल महंगा हो सकता है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की बिक्री पर हर महीने 30,000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेल रही हैं, जिससे सरकार पर अब कीमतों में वृद्धि का दबाव बढ़ गया है। पहले कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार करने वाली सरकार अब यह मान रही है कि अब तक की कोशिश कीमतों को स्थिर रखने की रही है, जो संभावित वृद्धि का संकेत है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के खतरे और अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं, लेकिन भारतीय खुदरा बाजार में ईंधन के दाम लंबे समय से अपरिवर्तित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत और तेल कंपनियों के मुनाफे पर भारी पड़ रही है। केपीएमजी में ऊर्जा विभाग के एक व ?रिष्ठ अ ?धिकारी ने इस स्थिति को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि यह भारत की मुख्य ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने आगाह किया कि अर्थव्यवस्था अब तक इसका सामना कर पाई है, लेकिन लंबे समय तक समस्या बनी रहने से स्थिति बिगड़ रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने भी तेल कंपनियों पर वित्तीय दबाव की बात स्वीकार की है। उनके अनुसार कच्चे तेल की मौजूदा कीमतों और कंपनियों को हो रहे नुकसान को देखते हुए पेट्रोल और डीजल के दाम में 20 फीसदी की बढ़ोतरी आवश्यक है, हालांकि इतनी बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। उन्होंने चेतावनी दी कि ग्राहकों पर कच्चे तेल की बढ़ी कीमतों का बोझ न डालने से राजकोषीय गुंजाइश कम हो रही है और तेल कंपनियों की जमा पूंजी खत्म हो रही है, जिससे उनकी सुरक्षात्मक स्थिति कमजोर हो रही है। कीमतों में देरी या उन्हें कम रखने से अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मकता कमजोर होगी। एक ब्रोकरेज फर्म ने पहले चुनावों के बाद ईंधन की खुदरा कीमतों में 25 से 28 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया था, जिसे मंत्रालय ने फर्जी खबर बताया था।

आज का राशिफल

मेष- आज आपके चारों तरफ खुशियों का माहौल रहेगा और आपके अच्छे कामों की सराहना भी होगी। शायद कोई पुरस्कार भी मिल जाए। ऑफिस में आपकी मेहनत रंग लाएगी और बॉस आपसे खुश नजर आएंगे। संतान को दी गई जिम्मेदारी वह बखूबी निभाएगी। सेहत में भी सुधार दिखेगा। बस ध्यान रखें, आपका भला सोचने का स्वभाव कुछ लोगों को गलत समझ आ सकता है। परिवार की छोटी टेंशन प्यार से सुलझ जाएगी। धन लाभ होगा, पर अचानक आए खर्च आपकी जेब ढीली कर सकते हैं। घर वालों से बात करते समय अपनी भाषा नरम रखें, वरना झगड़ा हो सकता है। लव लाइफ अच्छी रहेगी, बस अपने गुस्से को बीच में न आने दें।

वृषभ- आज नौकरीपेशा लोगों के लिए शानदार दिन है। प्रमोशन या तरक्की की खबर दिल खुश कर देगी। आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। जीवनसाथी के साथ शॉपिंग का मजा ले सकते हैं। लेकिन किसी भी फैसले में जल्दबाजी भारी पड़ सकती है। निवेश करते समय खासकर शेयर मार्केट में एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें। पार्टनर के साथ आपका भरोसा और प्यार और ज्यादा गहरा होगा।

मिथुन- आज का दिन सामान्य लेकिन मौके से भरा है। नई प्रॉपर्टी लेने का विचार मन में आ सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में पूरा फोकस रखना होगा। कोई दोस्त किसी बात पर नाराज हो सकता है, इसलिए शब्दों का ध्यान रखें। जल्दबाजी से बचें, वरना परेशानी बढ़ सकती है। परिवार में शादी से जुड़ी अड़चन दूर होने की खुशी मिलेगी। दोस्तों और परिवार से मन की बात शेयर करने पर आपको अच्छा महसूस होगा। पार्टनर के साथ खुलकर बातचीत करें, इससे गलतफहमियां दूर होंगी।

कर्क- आज का दिन सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी का संकेत दे रहा है। आप अपने लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने में खर्च कर सकते हैं। संतान की कोई इच्छा पूरी करने का मन बनेगा। लेकिन किसी अजनबी पर भरोसा करना नुकसान दे सकता है। राजनीति या बड़े फैसलों में सोच-समझकर कदम बढ़ाएं।

सिंह- आज सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी चमक अलग ही नजर आएगी और आप नाम कमाएंगे। पुराने कर्ज से राहत मिल सकती है, लेकिन आय पर ध्यान देना जरूरी है। सेहत को लेकर कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। पढ़ाई में ध्यान न देने पर छात्रों को दिक्कत हो सकती है। खास लोगों से मुलाकात आपके बिजनेस को नई दिशा देगी।

कन्या- आज का दिन मिलाजुला रहेगा। संतान के करियर को लेकर यात्रा करनी पड़ सकती है। आय और खर्च के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी होगा। माताजी से किया वादा भूलना भारी पड़ सकता है। आसपास के लोगों को पहचानकर ही आगे बढ़ें। बैंकिंग या निवेश से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है।

तुला- आज जल्दबाजी आपके लिए नुकसान का कारण बन सकती है। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई सौदा परेशानी खड़ी कर सकता है। संतान के एडमिशन को लेकर नए लोगों से मुलाकात होगी। किसी को उधार देना रिश्तों में दरार डाल सकता है। मां की सेहत का खास ध्यान रखें।

वृश्चिक- आज सेहत को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है, खासकर खान-पान में लापरवाही न करें। घर के रिनोवेशन का काम शुरू हो सकता है, जिसमें मेहनत भी ज्यादा लगेगी। बाकी कामों में थोड़ी ढिलाई रह सकती है। ऑफिस में मनचाहा काम न मिलने से मन उदास हो सकता है, लेकिन जिम्मेदारियां निभानी ही होंगी। प्रेम जीवन में थोड़ा बैलेंस बनाकर चलें, काम के साथ-साथ पार्टनर को भी वक्त दें। घर के लोग आपकी मेहनत को समझेंगे और आपको सपोर्ट करेंगे। मन में उठने वाले उतार-चढ़ाव पर काबू रखें, पार्टनर के साथ शांति से पेश आएं।

धनु- आज का दिन शुभ और मंगलमय रहेगा। घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी हो सकती है। खर्च करते समय अपनी जरूरतों का ध्यान रखें। अटका हुआ सरकारी काम पूरा हो सकता है। लेकिन बेवजह घूमने-फिरने से बचें, वरना रिश्तों में कड़वाहट आ सकती है।

मकर- आज बिजनेस में शानदार लाभ के योग हैं। आपकी योजनाएं आपको आगे बढ़ाएंगी। किसी पर भरोसा करने से पहले सोच-विचार जरूर करें। परिवार में एकता बनाए रखना जरूरी होगा। संतान आपकी बातों को नजरअंदाज कर सकती है, जिससे आगे परेशानी हो सकती है। ऑफिस में बॉस की बातों पर ध्यान देना फायदेमंद रहेगा।

कुंभ- आज आपका नया घर लेने का सपना पूरा हो सकता है। काम में मेहनत ही सफलता दिलाएगी, इसलिए किसी पर निर्भर न रहें। पुरानी बीमारी को नजरअंदाज न करें, डॉक्टर से सलाह लें। किसी राजनीतिक मित्र से मुलाकात हो सकती है। मां से बातचीत आपको सही दिशा देगी।

मीन- आज बहस से दूर रहना ही समझदारी होगी, वरना बात बिगड़ सकती है। संतान की पढ़ाई के लिए बाहर भेजने का विचार बन सकता है। बिजनेस की परेशानियां कम होंगी। जीवनसाथी के लिए सरप्राइज प्लान कर सकते हैं। आपकी नई कोशिशें सफलता लाएंगी। पुराने दोस्त से मुलाकात दिल को खुशी देगी। परिवार का पूरा साथ मिलेगा। पार्टनर के साथ मानसिक और भावनात्मक लगाव बढ़ेगा।

शब्दजाल - 8256

मं	स	दौ	ल	त	की	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	क	ह	ग	ला	अ	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	इ	पू	ना	ण	घ	को
पां	इ	ल	म	हैं	प	ल	रं	र	ला	ल
डे	श्क	ल	प	बु	ठ	उ	जी	ण	घ	म
ती	दा	ल	श	सं	प	ही	ला	कौ	ला	ल
क	बा	या	र	मे	ठ	क	प्या	या	श	गा
क	द	ल	गु	ला	म	स	रा	र	प	न
क	र	ल	प	व	जी	बा	ल	ओ	के	दों
क	क	ल	प	द	या	दि	व्य	ब	प	या
जी	जिं	ल	प	रा	ख	उ	द्दा	ण	घ	म

शब्द जाल में आमिर खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

लगान, मंगल पांडे, हम हैं राही प्यार के, बाजी, रंगीला, इश्क, गुलाम, दौलत की जंग, राख, दिल.

शब्दजाल - 8255 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7200

बायें से दायें:-
१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'मामूली बाबे लक्ष' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दराr' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-
२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. जॉनी अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शावा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7199

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

12 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.35 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मिथुन	07.33 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.46 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.02 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.14 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.25 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.40 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	20.56 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.01 बजे से
राहुकाल		कुंभ	00.47 बजे से
3.00 से 4.30		मीन	02.20 बजे से
बजे तक		मेष	03.51 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 132 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 14.53 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 01.18 बजे रात को समाप्त। **योग** वैधृति 23.20 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 14.53 बजे तदनन्तर बव 02.18 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 05' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872707 **जूलियन दिन** 2461172.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 24

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः डॉक्टर की पहचान

रसायनशास्त्री नागार्जुन एक राज्य के राज वैद्य थे। एक दिन उन्होंने राजा से कहा, 'मुझे एक सहायक की जरूरत है।' राजा ने उनके पास दो कुशल युवकों को भेजा और कहा कि उनमें से जो ज्यादा योग्य लगे उसे रख लें। नागार्जुन ने दोनों की कई तरह से परीक्षा ली पर दोनों की योग्यता एक जैसी थी। नागार्जुन दुविधा में पड़ गए कि आखिर किसे रखें। अंत में उन्होंने दोनों युवकों को एक पदार्थ दिया और कहा, 'इसे पहचान कर कोई भी एक रसायन अपनी इच्छानुसार बनाकर ले आओ। हां, तुम दोनों सीधे न जाकर राजमार्ग के रास्ते से जाना।' दोनों राजमार्ग से होकर अपने-अपने घर चले गए। दूसरे दिन दोनों युवक आए। उनमें से एक युवक रसायन बना कर लाया था जबकि दूसरा खाली हाथ आया था। आचार्य ने रसायन की जांच की। उसे बनाने वाले युवक से उसके गुण-दोष पूछे। रसायन में कोई कमी नहीं थी। आचार्य ने दूसरे युवक से पूछा, 'तुम रसायन क्यों नहीं लाए?' उस युवक ने कहा, 'मैं पहचान तो गया था मगर उसका कोई रसायन मैं तैयार नहीं कर सका। जब मैं राजमार्ग से जा रहा था तो देखा कि एक पेड़ के नीचे एक बीमार और अशक्त आदमी दर्द से तड़प रहा है। मैं उसे अपने घर ले आया और उसी की सेवा में इतना उलझ गया कि रसायन तैयार करने का समय ही नहीं मिला।' नागार्जुन ने उसे अपना सहायक रख लिया। दूसरे दिन राजा ने नागार्जुन से पूछा, 'आचार्य। जिसने रसायन नहीं बनाया उसे ही आपने रख लिया। ऐसा क्यों?' नागार्जुन ने कहा, 'महाराज दोनों एक रास्ते से गए थे। एक ने बीमार को देखा और दूसरे ने उसे अनदेखा कर दिया। रसायन बनाना कोई जटिल नहीं था। मुझे तो यह जानना था कि दोनों में कौन मानव सेवा करने में समर्थ है। बीमार व्यक्ति चिकित्सक की दवा से ज्यादा उसके स्नेह और सेवा भावना से ठीक होता है, इसलिए मेरे काम का व्यक्ति वही है जिसे मैंने चुना है।'

सूडोकू नवताल- 7509

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7508 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8724

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
3.ध्वज,झंडा-3
5.माहिर,होशियार-2
6.बेल,लतिका-2
8.अस्वीकृत करना-4
11.अदृश्य-3
13.फटकार,धिक्कार-3
14.अधर,होंठ-2
15.सलाह,सुझाव-2
16.आश्रय-3
18.अनुमान,अंदाज-3
20.आलता,माहुर-4
23.नासिका-2
25.रहस्य-2
26.रेखा,लाइन्-3
27.परिमूल्य-3

ऊपर से नीचे
1.लाख,सौ हजार-2
2.बारीक,सूक्ष्म-3
3.तीन घंटे का समय-3
4.समय,वक्त-2
5.कोतवाल-3
7.बल,जोर,दम-3
9.श्रवणेंद्रिय-2
10.जो लायक न हो-4
12.कृष्ण के बड़े भाई-4
16.दर्पण,शीशा-3
17.नौका -2
19.आसान,सरल-3
21.उपस्थित-3
22.रस से भरा-3
24.बीता हुआ दिन-2
25.रजनी,निशा-2

शब्द पहेली -8723 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पूर्वाटोला, टेकरी में अनुसूचित जाति वर्ग के कई नाम प्रधानमंत्री आवास सूची में नहीं

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जनपद क्षेत्र लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत पूर्वाटोला और टेकरी के उन गरीब एवं पात्र परिवारों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है, जो वर्षों से प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ का इंतजार कर रहे थे। लंबे समय तक तकनीकी खामियों, अपूर्ण सूचियों और प्रशासनिक विसंगतियों के कारण योजना से वंचित रहे परिवारों में अब वर्ष 2024 के नए आवास सर्वेक्षण ने नई उम्मीद जगा दी है। प्रशासनिक अधिकारियों के हालिया दौरे के बाद ग्रामीणों को भरोसा है कि अब उनका पक्के घर का सपना जल्द साकार हो सकेगा। जानकारी के अनुसार वर्ष 2016 में 2011 की सामाजिक-आर्थिक जनगणना के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची तैयार की गई थी। उस समय ग्राम पंचायत पूर्वाटोला के अनुसूचित जाति वर्ग के कई पात्र परिवारों के नाम सूची में शामिल ही नहीं किए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे उन्हें वर्षों तक योजना का लाभ नहीं मिल सका। इस मामले को लेकर ग्रामीणों द्वारा लगातार मांग और शिकायतें भी की गईं। इसके बाद वर्ष 2018-19 में आवास प्लस अभियान के माध्यम से छूटे हुए नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन तकनीकी त्रुटियों और पोर्टल संबंधी समस्याओं के

कारण अधिकांश नाम रिजेक्ट श्रेणी में चले गए। परिणामस्वरूप पात्र परिवार आज तक कच्चे और जर्जर मकानों में जीवनयापन करने को मजबूर हैं। सिर्फ पूर्वाटोला ही नहीं, बल्कि ग्राम पंचायत टेकरी के भी कई परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पाने से वंचित हैं। वर्तमान में दोनों पंचायतों के करीब दो दर्जन परिवार ऐसे बताए जा रहे हैं, जिनके पास आज भी रहने के लिए पक्का मकान नहीं है। बारिश और गर्मी के मौसम में इन परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

2024 के नए सर्वेक्षण से बढ़ी उम्मीद

हाल ही में हुए वर्ष 2024 के आवास सर्वेक्षण में स्थिति में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। इस बार उन सभी पात्र अनुसूचित जाति परिवारों के नाम सूची में शामिल किए गए हैं, जो पिछले कई वर्षों से योजना के दायरे से बाहर थे। ग्रामीणों का कहना है कि पहली बार सर्वेक्षण में वास्तविक स्थिति को गंभीरता से दर्ज किया गया है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, नए सर्वे के आधार पर पात्र हितग्राहियों को आगामी चरण में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलने की पूरी संभावना है। इससे वर्षों से पक्के घर की आस लगाए बैठे परिवारों में उत्साह का माहौल है। इसी तारतम्य में सोमवार 11 मई को जनपद पंचायत सीईओ अमित सिंघई ने पूर्वाटोला और टेकरी क्षेत्र का दौरा कर जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ आवास प्रभारी राजू हरिद्रवार, जनपद पंचायत सभापति दिनेश लाड़े, ग्राम पंचायत पूर्वाटोला के सरपंच गणेश बागड़े सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पात्र परिवारों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा आश्वस्त किया कि किसी भी पात्र हितग्राही को योजना से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। प्रशासन द्वारा पात्र परिवारों को जल्द से जल्द लाभ दिलाने की दिशा में प्रक्रिया तेज करने की बात कही गई है।

बैंक के सामने सड़क पर वाहनों का कब्जा

नगर परिषद की चेतावनी भी बेअसर

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के लांजी-भिलाई मार्ग स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की लांजी शाखा के सामने पार्किंग को लेकर समस्या पिछले कुछ वर्षों से लगातार बनी हुई है जो इन दिनों चरम पर पहुंच चुकी है। बैंक खुलते ही सड़क किनारे सैकड़ों दोपहिया और चारपहिया वाहनों की कतार लग जाती है, जिससे मुख्य मार्ग पर दिनभर जाम जैसे हालात बने रहते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि लगातार शिकायतों, खबरों के प्रकाशन और नगर परिषद के नोटिस के बावजूद बैंक प्रबंधन के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि आम राहगीरों, स्कूली बच्चों और अन्य वाहन चालकों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर बेतरतीब

खड़े वाहनों के कारण कई बार दुर्घटना की स्थिति भी बन जाती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से यह समस्या लगातार बनी हुई है। समाचार पत्रों और विभिन्न न्यूज चैनलों में कई बार प्रमुखता से खबरें प्रकाशित और प्रसारित हुईं, मगर न बैंक प्रबंधन ने कोई व्यवस्था बनाई और न ही नगर प्रशासन ने सख्ती दिखाई। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद नगर परिषद लांजी ने बैंक शाखा को नोटिस भी जारी किया था, लेकिन नोटिस महज कागजी कार्रवाई बनकर रह गया। स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है और बैंक परिसर के बाहर सड़क पर वाहनों का अतिक्रमण खुलेआम जारी है। लोगों का आरोप है कि यदि यही स्थिति किसी छोटे दुकानदार या आम नागरिक के कारण बनी होती तो प्रशासन तत्काल चालानी कार्रवाई कर देता, लेकिन बड़े संस्थान के मामले में जिम्मेदार अधिकारी नरमी बरत रहे हैं। नगरवासियों ने मांग की है कि बैंक परिसर के बाहर तत्काल व्यवस्थित पार्किंग बनाई जाए और सड़क पर अवैध रूप से खड़े वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके।

सूखे कुएं में गिरे तीन जंगली सुअर, वन विभाग की टीम ने चलाया रेस्क्यू अभियान

पद्मेश न्यूज। लांजी। तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत कटंगी में रविवार शाम उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब एक खेत के सूखे कुएं में तीन जंगली सुअर गिर गए। घटना शाम लगभग 6:30 बजे की बताई जा रही है। खेत मालिक भोजेंद्र पिता सालिक नारनौरे के खेत में स्थित पुराने सूखे कुएं में अचानक तीनों जंगली सुअर गिर पड़े। कुएं से जानवरों की आवाजें सुनाई देने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अंदर झांककर देखा तो तीन जंगली सुअर कुएं में फंसे हुए दिखाई दिए। घटना की जानकारी तत्काल पुलिस थाना लांजी को दी गई, जिसके बाद 112 डायल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस द्वारा स्थिति का जायजा लेने के बाद वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम आवश्यक उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया गया। बताया जा रहा है कि कुआं काफी गहरा और लंबे समय से सूखा पड़ा हुआ है, जिससे रेस्क्यू कार्य में कठिनाई आ रही थी। वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा रस्सियों एवं अन्य साधनों की सहायता से जंगली सुअरों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा था। रेस्क्यू के दौरान सुअर काफी घबराए हुए नजर आए, जिससे टीम को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने भी बचाव कार्य में वन विभाग का सहयोग किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पानी और भोजन की तलाश में जंगली जानवर अक्सर गांव की ओर आ जाते हैं, जिसके चलते इस प्रकार की घटनाएं सामने आती रहती हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि खेतों एवं खुले पड़े पुराने कुओं के आसपास सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में वन्यजीवों के साथ इस प्रकार की घटनाएं न हों। समाचार लिखे जाने तक वन विभाग का रेस्क्यू अभियान जारी था और तीनों जंगली सुअरों को सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे थे।

उपमंडी लांजी में अवैध परिवहन के फिर बने 3 प्रकरण, 24,510 रुपये की दंडात्मक मंडी शुल्क वसूल

पद्मेश न्यूज। लांजी। मंडी अधिकारियों की सख्ती से अवैध परिवहन करने वालों की फिर पोल खुल गई है। उपमंडी लांजी में तीन दिनों में तीन अलग-अलग वाहनों से बिना अनुज्ञापत्र के कृषि उपज ले जा रहे व्यापारियों पर पांच गुना की कार्यवाही करते हुए कुल 24,510 रुपये की दंडात्मक मंडी शुल्क वसूल किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी (भारसाधक अधिकारी मंडी बालाघाट) और कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के सचिव भानेश्वर प्रसाद तुरकर के निर्देशन में तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी कमलचंद्र सिंहसार के मार्गदर्शन में मंडी निरीक्षक वासुदेव बढ़ई और सहायक उप निरीक्षक नेलचंद बारबुदे की टीम ने डुडवा घाट क्षेत्र में सघन निरीक्षण अभियान चलाया। तीन वाहनों के विरुद्ध बिना मंडी अनुज्ञापत्र पाए जाने पर कार्रवाई की जिसमें 9 मई 2026 को वाहन क्रमांक MP50ZJ44710 में भागवत नागपुरे बोरी से आमगांव (महाराष्ट्र) की ओर 22 क्विंटल धान ले जा रहे थे। बिना मंडी अनुज्ञापत्र पाए जाने पर पांच गुना दंड स्वरूप 5,640 रुपये वसूल किए गए।

10 मई 2026 को वाहन क्रमांक MH49BZ5624 में खंडेलवाल ब्रदर्स पिपरवानी से रायपुर (छत्तीसगढ़) की ओर 74 क्विंटल महुआ ले जा रहे थे। टीम ने मौके पर पकड़कर 14,950 रुपये दंडात्मक मंडी शुल्क जमा कराया।

11 मई 2026 को वाहन क्रमांक MH35ZJ0417 में रोहित ठाकरे कोद्रिकला से बिरसोला (महाराष्ट्र) की ओर 16 क्विंटल धान ले जा रहे थे। बिना अनुज्ञापत्र के परिवहन पर 3,920 रुपये की राशि वसूल की गई।

तीनों मामलों में वाहनों को मौके पर रोका गया और अनुज्ञापत्र न मिलने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की गई। कुल 24,510 रुपये की राशि सरकारी खजाने में जमा कर दी गई है।

मंडी अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अवैध परिवहन पर यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों ने सभी व्यापारियों और किसानों से अपील की है कि अधिसूचित कृषि उपजों (धान, महुआ आदि) का परिवहन बिना मंडी अनुज्ञापत्र/बिल के बिल्कुल न करें। ऐसा करने पर न सिर्फ पांच गुना जुर्माना लगेगा, बल्कि अन्य कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है।

पराली प्रबंधन को लेकर प्रशासन सख्त

हार्वेस्टर मालिकों को स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगाने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। लांजी। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कमलचंद सिंहसार की अध्यक्षता में सोमवार को अनुविभागीय कृषि अधिकारी लांजी के कार्यालय में हार्वेस्टर प्रभारी एवं मालिकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण मंत्रालय के आदेश का हवाला देते हुए सभी हार्वेस्टरों में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (SMS) अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अनुविभागीय कृषि अधिकारी लांजी खुदीराम सनोडिया, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुलदीप गणवीर, कृषि विस्तार अधिकारी अमित नारनौरे सहित बड़ी संख्या में हार्वेस्टर प्रभारी एवं मालिक मौजूद रहे।

अधिकारियों का सख्त रुख

अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कमलचंद सिंहसार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार हार्वेस्टर के पीछे स्ट्रॉ (पराली) प्रबंधन यंत्र लगा होना अनिवार्य है। सभी हार्वेस्टर प्रभारी एवं मालिकों को कृषि विभाग में पंजीयन कराने के भी निर्देश दिए गए।

उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा, SMS सिस्टम न लगाने की स्थिति में की जाने वाली कार्यवाही के लिए आप स्वयं जिम्मेदार रहेंगे।

हार्वेस्टर मालिकों की दिक्कत

हार्वेस्टर प्रभारी एवं मालिकों ने बैठक में समस्या बताते हुए कहा कि स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (SMS) पंजाब से मंगवाने में 1 से 1.5 महीने का समय लग जाएगा। उन्होंने इस बात की जानकारी अधिकारियों को दी कि सिस्टम अभी उपलब्ध नहीं है और आने में विलंब हो रहा है।

कृषि विभाग की पहल

कृषि अधिकारियों ने सभी हार्वेस्टर मालिकों को तुरंत पंजीयन पूरा करने और स्स्म सिस्टम लगाने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पराली प्रबंधन के लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग पूरी तरह गंभीर है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

करेजा की भुवनेश्वरी उमरे सैकड़ों महिलाओं की बनी प्रेरणा

स्व-सहायता समूहों से जोड़ कर महिलाओं को बना रही आत्मनिर्भर

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी जनपद के अंतर्गत ग्राम पंचायत दहेगांव के ग्राम करेजा की रहने वाली भुवनेश्वरी उमरे की कहानी संघर्ष, हिम्मत और आत्मनिर्भरता की ऐसी मिसाल है, जो हर ग्रामीण महिला को प्रेरणा देती है। कभी साधारण जीवन जीने वाली भुवनेश्वरी की जिंदगी उस समय पूरी तरह बदल गई, जब उनके 19 वर्षीय बेटे का असमय निधन हो गया। बेटे को खोने के बाद वे पूरी तरह टूट चुकी थीं। घर में सन्नाटा और मन में गहरी निराशा थी। उन्हें लगने लगा था कि अब जीवन में कुछ नहीं बचा। इसी कठिन समय में उनका जुड़ाव राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से हुआ। समूह की बैठकों और आजीविका से जुड़े कार्यों ने उन्हें फिर से जीने की ताकत दी। उन्होंने खुद को खेती और समाज सेवा के कार्यों में लगाया तथा प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण लिया। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से गाँव में अलग पहचान बना ली। आज भुवनेश्वरी उमरे कृषि सखी और प्राकृतिक खेती की प्रशिक्षक के रूप में कार्य कर रही हैं। उन्होंने लगभग 250 स्व-सहायता समूहों के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे गाँव-गाँव जाकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और आजीविका से जुड़ने के लिए प्रेरित करती हैं। भुवनेश्वरी नियमित रूप से कृषि पाठशाला और पशु पाठशाला का आयोजन कर किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक खाद और पशुपालन की जानकारी देती हैं। उनके प्रयासों का असर यह है कि अब गाँव के कई किसान प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने स्वयं आटा चक्की का कार्य शुरू किया और महिलाओं को सामूहिक व्यवसाय से भी जोड़ा। आज उनकी वार्षिक आय लगभग ढाई लाख रुपये तक पहुँच चुकी है। लेकिन उनकी सबसे बड़ी सफलता यह है कि जिस माँ ने कभी अपने बेटे को खोने के बाद जीने की उम्मीद छोड़ दी थी, वही आज सैकड़ों महिलाओं और किसानों के लिए नई उम्मीद बन चुकी है। भुवनेश्वरी उमरे कहती हैं कि जीवन के सबसे बड़े दुख ने उन्हें समाज के लिए कुछ करने की ताकत दी। आज जब महिलाएँ आत्मनिर्भर बन रही हैं और किसान प्राकृतिक खेती अपना रहे हैं, तब उन्हें अपने संघर्ष का परिणाम दिखाई देता है।

सिविल अस्पताल लांजी को मिली बड़ी सौगात, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की पदस्थापना से अब निर्बाध होंगे सिजेरियन प्रसव

पद्मेश न्यूज। लांजी। सिविल अस्पताल लांजी को स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात मिली है। शासन द्वारा अस्पताल में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की पदस्थापना किए जाने से अब क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को प्रसव संबंधी बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षय कुमार उपराडे ने जानकारी देते हुए बताया कि सिविल अस्पताल लांजी के अंतर्गत आने वाले अनेक ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार एवं प्रसव के लिए यहां पहुंचते हैं। ऐसे में लंबे समय से एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। शासन ने इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए डॉ. महेंक मेश्राम, एमबीबीएस, एमडी एनेस्थीसिया की पदस्थापना शासकीय अस्पताल लांजी में की है। उन्होंने बताया कि पूर्व में अस्पताल में सिजेरियन प्रसव स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी शेंडे द्वारा किए जाते थे, लेकिन एनेस्थीसिया विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं होने के कारण जिला स्तर से विशेषज्ञ चिकित्सक बुलाने पड़ते थे। इससे कई बार मरीजों और परिजनों को इंतजार एवं परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब डॉ. महेंक मेश्राम की पदस्थापना होने से सिजेरियन प्रसव सेवाएं नियमित और निर्बाध रूप से संचालित हो सकेंगी। साथ ही आकस्मिक परिस्थितियों में भी गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित प्रसव सिविल अस्पताल लांजी में ही संभव हो सकेगा, जिससे जिला अस्पताल रेफर करने की आवश्यकता कम होगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट के निर्देशन में सिविल अस्पताल लांजी में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ने से अब क्षेत्रीय लोगों का शासकीय अस्पताल के प्रति विश्वास भी मजबूत हो रहा है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

अगली मोहन कैबिनेट में आएगी तबादला नीति

मंत्री शाह ने कहा- स्वैच्छिक स्थानांतरण में लिमिट तय न हो, सीएम बोले- विचार करेंगे

भोपाल। प्रदेश में कर्मचारियों के तबादले पर बैन हटाने का फैसला अगले सोमवार को होगा। मुख्यमंत्री ने तबादले पर बैन हटाने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को अगली कैबिनेट में प्रस्ताव लाने को कहा है।

इस बीच जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने कहा है कि जो तबादला नीति आए उसमें स्वैच्छिक आधार पर किए जाने वाले तबादलों की लिमिट न रखी जाए ताकि जो लोग तबादला कराना चाहते हैं वे करा सकें। कई अन्य मंत्रियों ने मंत्री शाह की बात का समर्थन किया है। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इस पर विचार करेंगे। साथ ही अगली बैठक में तबादला नीति लाने के लिए कहा गया।

सोमवार को मोहन कैबिनेट की बैठक में अनौपचारिक संवाद के दौरान तबादला नीति को लेकर चर्चा में यह बातें आई हैं। मंत्री चैतन्य काश्यप ने कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान सिर्फ इतना ही कहा है कि जब नीति जारी हो जाएगी तो जानकारी देंगे।

पिछली कैबिनेट बैठक के दौरान भी तबादला नीति को लेकर बैठक में अनौपचारिक चर्चा हुई थी। तब मंत्रियों ने कहा था कि प्रशासकीय और स्वैच्छिक आधार पर तबादले को न जोड़ा जाए क्योंकि ऐसे में कोटा फिक्स हो जाता है और विधायकों की नाराजगी का सामना मंत्रियों को करना पड़ता है।

पीएम मोदी की अपील पर अमल करें लोग

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्री चैतन्य काश्यप ने कहा कि सीएम ने प्रदेश के लोगों से अपील की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक साल तक गोल्ड न खरीदने और पेट्रोल डीजल की खपत कम करने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने पर जोर दें।

उन्होंने यह भी कहा कि विदेश जाने से बचें ताकि पीएम मोदी की अपील को सफल बनाया जा सके। हालांकि जब मंत्री काश्यप से मंत्रियों के काफिले में शामिल होने वाले वाहनों को लेकर मीडिया ने सवाल किया तो वे सटीक जवाब न दे सके।

राज्य मंत्री स्वेच्छानुदान में 25 हजार रुपए दे सकेंगे

मंत्री काश्यप ने बताया कि सरकार ने कैबिनेट मंत्रियों के लिए स्वेच्छानुदान के रूप में एक साल में एक व्यक्ति को दी जाने वाली राशि 40 हजार रुपए कर दी थी लेकिन राज्यमंत्रियों के लिए यह राशि नहीं बढ़ाई गई थी। अभी तक राज्यमंत्रियों को एक व्यक्ति को एक साल में 16 हजार रुपए देने की पात्रता थी जिसे बढ़ाकर अब 25 हजार रुपए कर दिया गया है। यानी एक व्यक्ति को राज्यमंत्री सालभर में एक बार 25 हजार रुपए स्वेच्छानुदान के रूप में दे सकेंगे।

डामर के रेट में डिफरेंस बढ़ा सकेंगे

मंत्री काश्यप ने बताया कि वैश्विक संकट के चलते बिटुमिन यानी डामर के रेट बढ़े हैं। ऐसे में प्रदेश में बारिश के पहले मरम्मत और निर्माण के दायरे में आने वाली सड़कों के लिए डामर की दिक्कत हो रही है। इसे देखते हुए कैबिनेट ने तय किया है कि वैश्विक संकट के चलते बढ़े दामों के बाद पहले से तय बिटुमिन के रेट के अंतर की राशि बढ़ाई जा सकेगी।

इसके लिए सरकार ने दस करोड़ तक की सड़क परियोजनाओं के मामले में इस डिफरेंस राशि को मंजूरी देने का फैसला किया है। विभाग के अफसरों की मानें तो हर जिले में औसत दस सड़कों का निर्माण दस करोड़ से कम लागत वाली सड़कों में शामिल है। इसलिए ऐसे सड़कों की संख्या पांच सौ से अधिक ही होने का अनुमान है।

लोक निर्माण विभाग की ओर से शहरी एवं नगरीय मार्गों के नव निर्माण, उन्नयन और सड़कों के सुदृढ़ीकरण संबंधी योजनाओं को 16वें वित्त आयोग की अवधि तक जारी रखने का प्रस्ताव मंजूर किया गया।

29540 करोड़ की योजनाओं को जारी रखने का फैसला

मंत्री काश्यप ने कहा कि कैबिनेट बैठक में वित्त, जल संसाधन, लोक निर्माण, विधि, स्वास्थ्य एवं सामाजिक न्याय सहित कई विभागों के महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिया गया। इस बैठक में लोक वित्त पोषित योजनाओं और परियोजनाओं के लिए 16वें केंद्रीय वित्त आयोग की अवधि (1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031) तक निरंतरता की स्वीकृति देने संबंधी प्रस्ताव प्रमुख हैं। इसके तहत 500 करोड़ रुपये से अधिक और कम लागत वाली विभिन्न योजनाओं को जारी रखने पर विचार किया गया है और कुल 29540 करोड़ रुपए की अलग अलग विभागों की योजनाओं को जारी रखने का फैसला किया गया है।

कैबिनेट में इन मुद्दों को भी दी गई मंजूरी

जल संसाधन विभाग की ओर से खुमानसिंह शिवाजी जलाशय (टिकरिया तालाब) सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। 163 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना में 6500 किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा। इसके अलावा विभागीय अधिकारियों के खिलाफ पेंशन नियमों के अंतर्गत विभागीय जांच से जुड़े मामलों को स्वीकृति दी गई।

विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने जबलपुर स्थित उच्च न्यायालय परिसर में मल्टीलेवल वाहन पार्किंग और बार ऑफिस निर्माण परियोजना को सूचकांक गणना से मुक्त रखने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना को निरंतर जारी रखने का प्रस्ताव मंजूर किया गया है।

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से बुधनी में नवीन चिकित्सा महाविद्यालय, संबद्ध अस्पताल, नर्सिंग कॉलेज एवं पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। पहले इसकी लागत 714 करोड़ रुपए थी जो अब 763 करोड़ तक पहुंच गई है। इसे कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

इंदौर पुलिस की बहादुरी और मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

- एमआर-3 रोड पर गैस टंकी में लगी आग, पुलिस ने तत्काल पाया काबू

भोपाल/इंदौर। प्रदेश में आमजन की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा निरंतर गश्त एवं पेट्रोलिंग की जा रही है। इसी क्रम में इंदौर पुलिस की सतर्कता, त्वरित कार्रवाई और साहस का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है, जहां पुलिस जवानों की सूझबूझ से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार रविवार 10 मई को अलसुबह पैट्रौलिंग के दौरान थाना लसूड़िया इलाके में आने वाले एमआर-3 रोड स्थित सनसिटी के पास एक गैस टंकी में आग लगने की सूचना पुलिस टीम को मिली। घटना स्थल रहवासी क्षेत्र के बीच स्थित होने तथा आसपास गैस लाइन मौजूद होने के कारण क्षेत्र में दहशत फैल गई थी। रहवासी इस बात से काफी डरे हुए थे की यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो बड़ा विस्फोट हो सकता है, जिससे गंभीर जनहानि की संभावना बन सकती थी। वहीं खबर मिलते ही गश्त में तैनात एसीपी हीरानगर रूबीना मिजवानी, थाना लसूड़िया एवं विजय नगर की एफआरवी टीम तथा बीट महालक्ष्मी नगर के पुलिस जवान फौरन ही मौके पर पहुंचे। हादसे की गंभीरता को देखते हुए एसीपी द्वारा फौरन ही प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। पुलिस जवानों ने साहस ओर सूझबूझ दिखाते हुए बिना एक पल गंवाए आग बुझाने के प्रयास शुरु कर दिये। जोखिमपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पुलिस टीम ने गैस टंकी में लगी आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया और संभावित बड़े हादसे को टाल दिया। बताया गया है कि एक खाली प्लॉट में एक गुमटी के पास रखी गैस टंकी में आग लग गई थी, जिसकी चपेट में आने से वहां मौजूद भगवान सिंह पिता समर सिंह (50) निवासी सरस्वती नगर, इंदौर आंशिक रूप से झुलस गए। पुलिस टीम ने घायल व्यक्ति को भी तत्काल इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया। इंदौर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आसपास के रहवासियों ने राहत की सांस लेते हुए मौके पर पहुचें पुलिस अधिकारियों और जवानों की प्रशंसा भी की।

13 मई को लाडली बहनों के खाते में आएंगे 1500 रुपये

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 मई को नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव से 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की 36वीं किस्त जारी करेंगे। प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रुपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जाएगी। जून 2023 में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी लाड़ली बहना योजना में अप्रैल 2026 तक 35 मासिक किस्तों का सफलतापूर्वक अंतरण किया जा चुका है।

उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करें राज्य सरकार- पांडे

भोपाल । मध्य प्रदेश की उच्च न्यायालय ने प्रदेश के संविदा कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मचारी एवं अंशकालीन कर्मचारी के संबंध में आदेश जारी करा है कि 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके उक्त संवर्ग के कर्मचारियों को तत्काल नियमित न्यूनतम वेतन मान का लाभ दिया जाए तथा सरकारी कर्मचारियों के समान सुविधा का लाभ दिया जाए राज सरकार उक्त संवर्ग के कर्मचारियों को नियमित न्यूनतम वेतनमान एवं नियमित कर्मचारियों के लाभ के समान अन्य लाभ से उक्त कर्मचारियों को वंचित नहीं रह सकती रख सकती मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग करी है कि मध्य प्रदेश की राज्य सरकार उच्च न्यायालय के आदेश को तत्काल संज्ञान में लेकर लागू करें जिससे प्रदेश के 5 लाख कर्मचारियों को उच्च न्यायालय के आदेश का लाभ हो सके और न्याय मिल सके। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि देश की सर्वोच्च न्यायालय के पांच जस्टिसों की बेंच ने 10 अप्रैल 2006 को देश की सभी राज्य सरकारों की दैनिक वेतन भोगी संविदा कर्मचारियों से की संबंधित 212 याचिकाओं को एक करके एक बड़ा फैसला देते हुए आदेश पारित करा था कि दैनिक वेतन भोगी संविदा या अंशकालीन कर्मचारी के रूप में यदि अस्थाई कर्मचारी 10 साल की सेवा पूर्ण कर लेता है तो उसे नियमित किया जाए या नियमित वेतनमान दिया जाए लेकिन सरकार सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को पूर्ण रूप से लागू नहीं कर रही है इसीलिए उच्च न्यायालय को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को आधार बनाकर बार-बार आदेश पारित करना करना पड़ रहा है मध्य प्रदेश सरकार ने 20 साल का समय निकल जाने के बाद भी सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पालन पूर्ण रूप से नहीं किया है जिस कारण मध्य प्रदेश सरकार के शासकीय एवं अर्द्ध शासकीय विभागों में 5 लाख से अधिक अस्थाई संविदा कर्मचारी नियमित कारण के लाभ से वंचित है यदि राज सरकार उच्च न्यायालय के वर्तमान आदेश को संज्ञान में लेकर इसका लाभ प्रदेश के संविदा आउटसोर्स दैनिक वेतन भोगी अंशकालीन कर्मचारियों को एक माह में नहीं देगी तो मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच सरकार का ध्यान आकर्षित करने एवं उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करने की मांग को लेकर भोपाल राजधानी में ध्यान आकर्षण आंदोलन करेगा।

पांच पुलिसकर्मियो के संस्पेंड होने के बाद एक्शन मोड में आई पुलिस

- देर रात तक शहर के कई इलाको में चलता रहा चैकिंग अभियान

भोपाल। चैकिंग के दौरान लापरवाही बरतने पर भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने कड़ा रुख अपनाते हुए टीटी नगर के एक सब इंस्पेक्टर समेत पांच पुलिसकर्मियों के सस्पेंड कर दिया था। पुलिसकर्मियों को सस्पेंड होने के अगले ही दिन भोपाल पुलिस सड़कों पर एक्शन मोड में नजर आई। रविवार रात शहरभर में जगह-जगह बेरिकेडिंग कर चेकिंग शुरू कर दी गई। इस दौरान हेलमेट, तीन सवारी और शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालको के खिलाफ कार्रवाई की गई। चेकिंग के नाम पर देर रात तक वाहन चालकों को रोका जाता रहा। हालांकि, इस सख्ती के दौरान रात में घर लौट रहीं महिलाओं-युवतियों को भी रोककर पूछताछ की गई जिससे उन्हें काफी परेशानी हुई। महिलाओं ने आरोप लगाया कि बार-बार रोककर दस्तावेज चेक किए और लंबे समय तक खड़ा रखा गया। कुछ स्थानो पर 100-100 लोगों को रोकने से दो घंटे से अधिक समय तक जाम लगा रहा और प्रमुख मार्गों पर की गई बेरिकेडिंग से ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित हुई।

अब खुले जंगल में घूमेंगे और 2 चीते, सीएम डॉ. मोहन यादव बोले- प्रोजेक्ट चीता में रोज कीर्तिमान रच रहा एमपी

- प्रदेश के मुखिया ने बाड़े से आजाद किए दो मादा चीते
- अब देश में चीतों की संख्या हुई 57
- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सफलता से आगे बढ़ रही चीता परियोजना

भोपाल/श्योपुर। मध्यप्रदेश वाइल्डलाइफ के लिए 11 मई का दिन खास रहा। दो और चीते अपने बाड़े से निकल कर खुले जंगल में पहुंच गए। अब दोनों प्रदेश के साथ-साथ दूसरे राज्यों के इको-सिस्टम को मजबूत करने में सहयोग करेंगे। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्योपुर जिले स्थित कूनो नेशनल पार्क पहुंचे। उन्होंने यहां दो मादा चीतों को बाड़े से मुक्त कर दिया। बाड़े से निकलते ही दोनो चीते उछलते-कूदते जंगल की ओर चले गए।

इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती ने चीतों को अंगीकृत कर अपने परिवार का हिस्सा बनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लगभग साढ़े तीन वर्ष पूर्व कूनो में चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई थी। भारत में चीता पुन:स्थापना की यह परियोजना सफलता के साथ आगे बढ़ रही है। चीता पुनर्विस्थापन के इस महत्वपूर्ण कार्य में मध्यप्रदेश नित नए कीर्तिमान रच रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश धर्म, निवेश एवं जैनेटिक जैव विविधता के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और अब बोत्सवाना से लाए गए चीतों के पुनर्स्थापन को निरंतर सफलता मिल रही है। आज प्रदेश ने देश में चीता स्टेट के रूप में पहचान बनाई है। वर्तमान में चीतों की संख्या 57 है, जिनमें से 54 कूनो नेशनल पार्क में और 03 गांधी सागर अभ्यारण्य में हैं।

मध्यप्रदेश ने बनाया एक नया इतिहास

भ्रमण के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से कहा कि मध्यप्रदेश ने एक नया इतिहास बनाया है। हमने आज कूनो नेशनल पार्क में बोत्सवाना से लाए गए दो मादा चीतों को छोड़ा है। हमने सह-अस्तित्व की भावना प्रकट करते हुए दोनों को खुले जंगल में, खुले वातावरण में प्रकृति के साथ रहने के लिए छोड़ा है। मैं श्योपुर और चंबल के क्षेत्र के

लोगों को बधाई देता हूं। इन चीतों का बसेरा अब 5 हजार किमी में हुआ है। हमारे लिए गौरव की बात है कि अब ये हमारे साथ परिवार की तरह रहने लगे हैं। हमें पता ही नहीं चलता कि कब हमारा चीता दौड़ते-दौड़ते राजस्थान पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि चीते चंबल के इलाकों ग्वालियर-शिवपुरी-राजगढ़ सहित कई इलाकों में दस्तक दे रहे हैं। हमें इन चीतों के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी सौगात दी है। मैं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को भी बधाई देता हूं। मैं उन सभी अधिकारियों को बधाई देता हूं, जिन्होंने प्रोजेक्ट चीता के लिए अथक पसीना बहाया है। उन्होंने कहा कि कूनो नेशनल पार्क प्रोजेक्ट चीता का नया रिकॉर्ड बना रहा है। हमारे फॉरेस्ट के अधिकारी, मेडिकल स्टाफ के लोग, यहां के संरक्षक, स्थानीय जनों और चीतों ने एक-दूसरे को परिवार मान लिया है। यह विश्व की अनूठी घटना है। यह फॉरेस्ट विभाग के लिए गौरव की बात है। चीते जीवन बिताने के लिए इस माहौल में ढल गए हैं। यह इको-सिस्टम के लिए अच्छा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जो चीते मिले थे, धीरे-धीरे हम उनको खुले वातावरण में छोड़ रहे हैं। हम जीयो और जीने-दो के सिद्धांत पर विश्वास करते हैं।

वाइल्डलाइफ में जुड़ा अहम अध्याय

गौरतलब है कि, इसी साल फरवरी के अंत में बोत्सवाना से 9 नए चीते कूनो नेशनल पार्क लाए गए थे। इनमें 6 मादा और 3 नर शामिल हैं। यहां लाने के बाद इन सभी को क्वारंटीन किया गया था। क्वारंटीन की अवधि पूरी करने के बाद सभी को छोटे बाड़ों में रखा गया। इससे ये स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ढल गए। इन्हीं 9 में से 2 चीतों को आज खुले जंगल में छोड़ा गया है। इन चीतों को खुले जंगल में छोड़ने से 'प्रोजेक्ट चीता' को नई गति मिलेगी। इससे भारत की वाइल्डलाइफ के इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ेगा।

ज्यादा जेनेटिक विविधता लेकर आए बोत्सवाना की चीते

वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट्स का मानना है कि बोत्सवाना से लाए गए चीते ज्यादा जेनेटिक विविधता लेकर आए हैं। इनसे कूनो में चीतों की स्वस्थ और दीर्घकालिक आबादी विकसित करने में मदद मिलेगी। एक्सपर्ट्स ने यह भी उम्मीद जताई है कि ये चीते कूनो के वातावरण में तेजी से घुल-मिल जाएंगे। इन चीतों को गांधी सागर और नौरादेही जैसे अन्य अभ्यारण्यों में भी बसाने की तैयारी की जा रही है।

कब-कब कहां-कहां से लाए गए चीते

इन चीतों के साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या 57 हो गई है। बता दें, नामीबिया से 17 सितंबर 2022 को 8, वर्ष 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते कूनो नेशनल पार्क लाए गए थे। बोत्सवाना से आए चीतों को भारतीय वायुसेना के विशेष विमान के माध्यम से ग्वालियर लाया गया था। यहां से उन्हें हेलीकॉप्टर द्वारा कूनो नेशनल पार्क पहुंचाया गया। प्रोजेक्ट चीता का उद्देश्य प्रदेश से लुप्त हुये चीतों की प्रजाति को पुनर्स्थापित करना, उनकी संख्या में वृद्धि करना और उन्हें स्वतंत्र रूप से शिकार और विचरण के लिए तैयार करना है।

आकाश विजयवर्गीय मानहानि केस में अभिषेक बनर्जी की गिरफ्तारी पर रोक बरकरार, MP कोर्ट ने दी आखिरी मोहलत

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे तृणमूल

कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी की याचिका की सुनवाई 16 जून तक के लिए बढ़ा दी है। इस बीच याचिकाकर्ता के विरुद्ध भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट से जारी गिरफ्तारी वारंट पर रोक बरकरार रहेगी। हालांकि कोर्ट ने चेतावनी भरे लहजे में स्पष्ट किया है कि यदि अगली सुनवाई दौरान उनके पैरोकार बहस नहीं करते तो आवेदन पर गुण-दोषों के आधार पर विचार किया जाएगा और अंतरित राहत आगे नहीं बढ़ायी जाएगी।

क्या है मामला

दरअसल, मानहानि का केस आकाश विजयवर्गीय ने दायर किया है। नवंबर 2020 में कोलकाता में आयोजित एक सभा में अभिषेक बनर्जी ने भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के बेटे आकाश विजयवर्गीय को गुंडा कहा था। इस बयान को लेकर आकाश ने 2021 में मानहानि का मामला दर्ज कराया था।

फरार होने की संभावना नहीं

अभिषेक की ओर से याचिका दायर कर दलील दी गई थी कि वे वर्तमान में टीएमसी सांसद हैं और उनके फरार होने की संभावना नहीं है। मामले में आगे हुई सुनवाई पर आवेदक की ओर से समय दिए जाने की प्रार्थना पर न्यायालय ने उक्त निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश जंगलराज का पर्याय बन चुका है - जीतू पटवारी

भोपाल । भारतीय जनता पार्टी ने अपने विधायकों, मंत्रियों, उनके रिश्तेदारों और कार्यकर्ताओं को खुली छूट दे दी है कि वे जितनी अराजकता फैलाना चाहें फैलाएँ, क्योंकि सरकार उनकी है। प्रदेश में लगातार ऐसी घटनाएँ सामने आ रही हैं जहाँ मंत्री, विधायक और उनके समर्थक अपराधों में संलिप्त पाए जा रहे हैं। यह आरोप प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोमवार को सतना में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार और भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोलते हुए लगाए हैं।

पटवारी ने शिवपुरी में भाजपा विधायक प्रीतम लोधी द्वारा अधिकारियों को धमकाने और अभद्र भाषा का प्रयोग करने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं की भाषा, व्यवहार और प्रशासनिक तंत्र को डराने-धमकाने की प्रवृत्ति प्रदेश की स्थिति को स्पष्ट करती है। उन्होंने कहा कि जब सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि ही प्रशासन को भयभीत करेंगे तो कानून व्यवस्था कैसे कायम रह सकती है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब जंगलराज का पर्याय बन चुका है। बिहार और उत्तरप्रदेश को लेकर जो बातें पहले कही जाती थीं, अब वही स्थिति मध्यप्रदेश में दिखाई दे रही है। प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और सरकार पूरी तरह मूकदर्शक बनी हुई है।

पटवारी ने कहा कि भ्रष्टाचार भाजपा सरकार की पहचान बन चुका है। यदि भ्रष्टाचार का सिक्का उछाला जाए तो एक तरफ भाजपा और दूसरी तरफ भ्रष्टाचार दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का शायद ही कोई ऐसा सरकारी कार्यालय बचा हो जहाँ बिना भ्रष्टाचार के आम जनता का काम हो रहा हो। भ्रष्टाचार भाजपा के खून में इस तरह दौड़ने लगा है कि उसका सीधा असर जनता पर पड़ रहा है। उन्होंने उपस्थित पत्रकारों से कहा कि यदि सतना और रीवा संभाग में कोई ऐसा कार्यालय हो जहाँ बिना भ्रष्टाचार के जनता का काम हो रहा हो तो कांग्रेस पार्टी उस कार्यालय का नागरिक अभिनंदन करेगी।

पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र की मर्यादाओं का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह मानती है कि जो जीता वही सिकंदर , लेकिन विपक्ष होने के बावजूद जनता की आवाज उठाना और सरकार की विफलताओं को सामने लाना उसका दायित्व है।

उन्होंने हाल ही में जारी एनसीआरबी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देशभर में होने वाले कुल अपराधों में 32 प्रतिशत अपराध मध्यप्रदेश में दर्ज होना भाजपा सरकार के जंगलराज का जीवंत प्रमाण है। महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और बुजुर्गों के खिलाफ अपराधों में प्रदेश लगातार शीर्ष पर बना हुआ है।

पटवारी ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति अत्यंत भयावह हो चुकी है। प्रतिदिन 32 बेटियों के लापता होने की घटनाएँ सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा सरकार लाड़ली बहना' योजना और महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण की बात कर महिलाओं को गुमराह कर रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में बेटियाँ सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब बेटियाँ सुरक्षित नहीं रहेंगी तो उनका भविष्य कैसे सुरक्षित होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में हर तीसरे घंटे एक बेटी के साथ दुष्कर्म हो रहा है और प्रतिदिन औसतन 26 दुष्कर्म की घटनाएँ सामने आ रही हैं, जो अत्यंत शर्मनाक और चिंताजनक स्थिति है।

पटवारी ने कहा कि आदिवासियों, दलितों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के खिलाफ अत्याचार के मामलों में मध्यप्रदेश लगातार देश में बदनाम हो रहा है। भाजपा सरकार कानून व्यवस्था संभालने में पूरी तरह असफल साबित हुई है। उन्होंने प्रदेश के गृह मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि वे पूरी तरह नाकारा और निकम्मे साबित हुए हैं। अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो चुका है और सरकार की निष्क्रियता के कारण प्रदेश की जनता भय के माहौल में जीने को मजबूर है।

उन्होंने मांग की कि प्रदेश सरकार अपराध और भ्रष्टाचार पर तत्काल कठोर कार्रवाई करे तथा महिलाओं, दलितों, आदिवासियों, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेही तय करे।

पुलिस ने अपने ही विभाग के आरक्षक को घूस लेते दबोचा

- पुलिस कमिश्नर तक शिकायत पहुंचने पर हुई कार्यवाही

भोपाल। राजधानी भोपाल में पुलिस विभाग ने अपने ही स्टाफ पर कार्रवाई करते हुए कोहेफिजा थाने के एक आरक्षक और एफआरवी चालक को रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोचा है। यह ट्रैप कार्रवाई पुलिस कमिश्नर तक पहुंची शिकायत के बाद एसीपी अनिल वाजपेयी के नेतृत्व में की गई। कोहेफिजा थाने में पदस्थ आरक्षक यशराज तोमर रिश्वत लेते हुए ट्रैप हुआ है। बताया जा रहा है कि 50 हजार रिश्वत आरक्षक और एफआरवी के ड्राइवर से जब्त हुई है। इसके साथ ही थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है, जिसकी जांच जारी है। पुलिस सूत्रों की माने तो मकान मालिक और किराएदार के बीच चल रहे विवाद में कार्रवाई के नाम पर कोहेफिजा थाने में पदस्थ आरक्षक यशराज तोमर और एफआरवी के एक ड्राइवर ने किराएदार से पैसों की मांग की थी। इसकी शिकायत सीधे भोपाल पुलिस कमिश्नर तक पहुंची थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में ट्रैप की योजना बनाई गई। शिकायत के बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए रिश्वत की रकम बरामद की। एसीपी शाहजहानाबाद अनिल वाजपेयी ने पैसे रिकवर किए। सूत्र बताते है की पुलिस ने आरक्षक को हिरासत में ले लिया है, जबकि ड्राइवर को तत्काल ड्यूटी से हटा दिया गया। दोनों के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आईपीएल में आज प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेंगे गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद

अहमदाबाद। आईपीएल में मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। दोनो ही टीमों ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 11 मैचों में 14 अंक हासिल किये है और बेहतर नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 14 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है। इनका लक्ष्य अब ये मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी अच्छी रही है और वह जीत की दावेदार है। उसके पास साई सुदर्शन और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज हैं।

वहीं पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स के पास भी वैभव सूर्यवंशी ओर यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज हैं। दोनो ही टीमों की गेंदबाजी भी अच्छी है सनराइजर्स के पास पैट कमिंट जबकि गुजरात के पास कागिसो रबाडा जैसा गेंदबाज है।

अब तक दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं उसमें से गुजरान ने 5 जबकि सनराइजर्स ने 1 जीता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

गुजरात टाइटंस- शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, निशांत सिंधु, राशिद खान, अरशद खान, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज।

इम्पैक्ट प्लेयर- साई किशोर

सनराइजर्स हैदराबाद-

पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन

इम्पैक्ट प्लेयर- हर्ष दुबे

वैभव को तीनों प्रारुपों में खेलते देखना चाहिते हैं अश्विन

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे 15 साल के उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भविष्य का सितारा है। अश्विन ने ये भी कहा कि वह इस युवा को तीनो प्रारुपों में खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की सराहना करते हुए कहा, वह जिस प्राकर से सभी गेंदबाजों को निशाना बनाता है। उससे साफ है कि वह निडर है और किसी भी गेंदबाज को खेल सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि वैभव में टेस्ट क्रिकेट खेलने की भी क्षमताएं हैं। अश्विन ने कहा, उसे टेस्ट में जगह मिलेगी तो प्रशंसक स्वयं मैच देखने आएंगे क्योंकि वह दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करता है। उन्होंने वैभव के अंडर-19 विश्व कप फाइनल के प्रदर्शन को याद करते हुए कहा कि उसमें गेंद को पूरी ताकता से खेलने की क्षमताएं हैं।

वहीं ये भी माना कि इतनी कम उम्र में वैभव पर जरुरत से अधिक दबाव न डाला जाये। अश्विन ने कहा कि उन्हें खुलकर क्रिकेट खेलने देना चाहिए। साथ ही कहा कि क्रिकेट करियर में बहुत कम मौके आते हैं जब आप बिना किसी दबाव के खेल का आनंद लेते हैं। वह अभी सिर्फ 15 साल का है। हमें उसे उसी तरह खेलने देना चाहिए।, अश्विन ने साथ ही कहा कि अभी उससे ऐसी चीजों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, जो उनके करियर की शुरुआत में जरुरी नहीं हैं। इस दिग्गज स्पिनर के अनुसार रॉयल्स के पास कई अनुभवी बल्लेबाज मौजूद हैं, इसलिए वैभव पर अकेले ही टीम की पूरी जिम्मेदार न डाली जाये। साथ ही कहा कि ध्रुव जुरेल, रियान पराग और डोनोवन फरेरा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी। अश्विन का मानना है कि अगर वैभव टीम को अच्छी शुरुआत दिलाता है, तो राजस्थान को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिये। वैभव ने इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड और मोहम्मद सिराज जैसे दुनिया के कुछ शानदार गेंदबाजों के खिलाफ भी निडर होकर बल्लेबाजी की है।

सूर्या ने आरसीबी से हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

आईपीएल से बाहर हुई मुम्बई इंडियंस

रायपुर। पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस के लिए आईपीएल का 19 वां सत्र अच्छा नहीं रहा है और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार के साथ ही वह टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। इस मैच में मुम्बई को अंतिम गेंद पर दो विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मैच में हार के बाद मुम्बई के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इसका दोष खराब बल्लेबाजी को दिया है। सूर्यकुमार के अनुसार उनके विकेट भी लगातार गिरे जिससे भी मैच उनके हाथों से निकल गया।

सूर्यकुमार ने कहा कि उनकी टीम लक्ष्य से 10 से 15 रन पीछे रह गई थी। इसके अलावा बीच के ओवरों में विकेट गिरने से भी टीम को नुकसान हुआ। बीच के ओवरों में विकेट गिरने से भी टीम को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम 10 से 15 रन कम बना पाए। बल्लेबाजी के दौरान गलत समय पर विकेट खोना हमारे लिए नुकसानदायक रहा। नमन और तिलक ने शानदार बल्लेबाजी की और दबाव में भी बेहतरीन खेल दिखाया।

सूर्यकुमार ने युवा ऑलराउंडर राज बावा की डेथ ओवरों में गेंदबाजी की भी प्रशंसा की। साथ ही कहा कि राज ने पूरे सत्र में ऑलराउंडर प्रदर्शन कर मुम्बई के लिए हार मैच में अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने इसके साथ ही कोर्बिन बॉश की भी सराहना की, जिन्होंने पावरप्ले सहित हर चरण में अच्छी गेंदबाजी की। इसके अलाच खासकर जिस तरह तिलक ने हाथ से फिसला हुआ कैच लिया उससे सूर्या बेहद प्रभावित दिखे। सूर्यकुमार ने कहा, यह वही चीजें हैं जिनकी आप लगातार प्रैक्टिस करते हैं। जिस तरह तिलक वापस आए और कैच पूरा किया, उससे साफ दिखा कि वह कुछ खास करना चाहते थे। यह खेल का हिस्सा है।

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ से पहले बाहर होने से सूर्यकुमार भावुक दिखे। उन्होंने कहा कि टीम इस तरह से पहले नहीं हारी है। इसलिए इस हार का स्वीकार करना आसान नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम अगले साल बेहत तरीके से वापसी करेगी। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन बनाये थे। वहीं इसके बाद आरसीबी ने जीत के लिए मिले 167 रनों के लक्ष्य को अंतिम ओवरों में हासिल कर लिया। मैच में आरसीबी की ओर से कुणाल पंड्या ने 46 गेंदों में 73 रनों की मैच विजेता पारी खेली।

मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने दागे गोल

बार्सिलोना ने 29वां ला लिगा खिताब जीता, रियाल मैड्रिड को 2-0 से हराया

बार्सिलोना,एजेंसी। बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा का खिताब फिर जीत लिया। एल क्लासिको में टीम ने रियाल मैड्रिड को 2-0 से हराया। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने सीजन के तीन मैच बाकी रहते अपनी 29वीं ला लिगा ट्रॉफी पक्की कर ली। मैच में मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए। जीत के बाद बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के बीच अंकों का अंतर 14 हो गया, जिसे पार करना रियाल मैड्रिड के लिए नामुमकिन है। यह मुकाबला बार्सिलोना के घरेलू मैदान कैंप नाउ पर खेला गया।

मैच की शुरुआत में मैनचेस्टर यूनाइटेड से लोन पर आए मार्कस रशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक से बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन का उनका 14वां गोल था। हालांकि, बार्सिलोना उन्हें 28 मिलियन पाउंड (करीब 300 करोड़) में परमानेंट खरीदेगा या नहीं, इस पर सस्पेंस बना हुआ है। मैच के बाद रशफोर्ड ने कहा, मैं कोई जादूगर नहीं हूं, लेकिन अगर होता तो बार्सिलोना में ही रुक जाता। देखते हैं भविष्य में क्या होता है।

हेड कोच के पिता को समर्पित की जीत

मैच के दौरान बार्सिलोना के खिलाड़ियों ने भावुक संदेश दिया। गोल करने के बाद मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस हेड कोच हंसी फ्लिक के पास गए और उन्हें गले लगाया। कोच फ्लिक के पिता का पिछले वीकेंड निधन हुआ था। खिलाड़ियों ने जीत और गोल को कोच और उनके परिवार को समर्पित किया।

होम ग्राउंड पर अजेय 18 में 18 मैच जीते

सीजन में बार्सिलोना ने घरेलू मैदान कैम्प नोऊ में खेले सभी 18 मुकाबले जीते हैं। टीम पिछले 11 मैचों से अजेय है और लीग के सभी 35 मैचों में गोल करने का रिकॉर्ड भी बनाया है। बार्सिलोना अब सबसे ज्यादा 36 ला लिगा खिताब जीतने वाली रियाल मैड्रिड से 7 खिताब पीछे है।

रियाल मैड्रिड की मुश्किल बढ़ी

दूसरी ओर, रियाल मैड्रिड के लिए यह हार दर्दनाक रही। कोच अल्वारो अर्बेलोआ के मार्गदर्शन में टीम संघर्ष करती नजर आई। टीम के अंदरूनी हालात भी ठीक नहीं है। मैच से कुछ दिन पहले औरेलियन टचौमेनी और फेडेरिको वाल्वरडे के बीच बहस हुई थी। इसमें वाल्वरडे को चोट लगी और वे मैच नहीं खेल पाए। पूरे 90 मिनट में रियाल मैड्रिड केवल एक शॉट टारगेट पर मार सकी।

आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

ढाका। बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं जिससे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी। यह सीरीज खिलाड़ियों को यूरोपीय हालातों के अनुसार ढलने और अपनी रणनीति को परखने का अवसर देगी।

बीसीसीआई ने अंपायर से बहस के लिए फ्लावर पर जुर्माना लगाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए जुर्माना लगाया है। बीसीसीआई के अनुसार मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। उन पर मैच के दौरान आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगे हैं। फ्लावर ने इसे स्वीकार कर लिया है जिस कारण उनपर आगे कार्रवाई नहीं होगी। इस मैच में आरसीबी लक्ष्य का पीछा कर रही थी। तभी 18वें ओवर के दौरान नमन धीर ने कुनाल पंड्या का का कैच पकड़ने का प्रयास किया । इसके बाद अंपायर ने कुनाल को आउट करार दिया हालांकि इस पर संशय था जिससे फ्लावर भड़क गए और चौथे अंपायर से बहस करने लगे। इसी दौरान उन्होंने अंपायर को अपशब्द कह दिये। इसी कारण उन्हें आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया। इसी को लेकर मैच रेफरी अमित शर्मा ने फ्लावर पर जुर्माना ठोक दिया। आईपीएल में किसी मैच अधिकारी पर उठे विवाद का ये पहला मामला नहीं है। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर पर भी डगआउट में मोबाइल पर बात करने के कारण विवाद उठा था। इसके बाद उन पर भी भारी भरकम जुर्माना लगा था।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं।

मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो और संगीता कुमारी जैसी आक्रामक खिलाड़ी हैं, जिनसे गोल दागने की उम्मीद है।

शिविर के महत्व पर जोर देते हुए मुख्य कोच शॉर्ड मारिन ने कहा, यह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले एक छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण कैंप होगा। हमारा मुख्य ध्यान खिलाड़ियों की फिटनेस और खेल के उन विशिष्ट क्षेत्रों पर रहेगा, जहां हमें सुधार की आवश्यकता है। हम लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और एक टीम के तौर पर अगले स्तर तक पहुंचना चाहते हैं।

जीत के बाद डगआउट में उछलते दिखे विराट, जश्न का वीडियो सोशल मीडिया में छाया

रायपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के बाद खासे उत्साहित दिखे। इस जीत के साथ ही रॉयल्स अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी है। विराट ने मुम्बई के खिलाफ जीत के बाद डगआउट में जिस प्रकार के जोश और जुनून के साथ जश्न मनाया उसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में छाया हुआ है। इस मैच में आरसीबी ने अंतिम ओवर की अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी को आखिरी गेंद पर जीत के लिए 2 रनों की जरुरत थी और टीम इसमें सफल रही। लक्ष्य का पीछा करने के दौरान विराट

हर चौके-छक्के पर खुशी जताते दिखे। मैच समाप्त होते ही वह खुशी से बेकाबू हो गए। यहां तक कि डगआउट में वह उछल-उछल कर, जोर-जोर से चिल्लाकर अपनी टीम की जीत की खुशी मनाते दिखे। उनके इस जोश और जुनून से भरे जश्न का एक वीडियो भी जमकर वायरल हो रहा है। इस जीत के साथ ही आरसीबी ने प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदार और पक्की कर ली है।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर 29 वीं बार जीता ला लीगा खिताब

मैड्रिड। बार्सिलोना ने यहां हुए एक मुकाबे में रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर 29 वीं बार स्पेनिश ला लीगा फुटबॉल खिताब जीता है। इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। एक बार फिर फुटबॉल जगत में अपनी श्रेष्ठता साबित की। वहीं रियल मैड्रिड को इस खिताबी मुकाबले में अपने तीन प्रमुख खिलाड़ियों की कमी खली। उसके स्टार खिलाड़ी काइलियन एम्बाप्पे हैमस्ट्रिंग फेडेरिको वाल्वरडे और डीन हुइजसेन चोटिल होने के कारण इस मैच में शामिल नहीं हुए। इससे टीम के खेल पर काफी प्रभाव पड़ा उसकी आक्रामकता और मध्यपंक्ति कमजोर हुई। बार्सिलोना ने इस स्थिति का लाभ उठाते हुए शुरुआती मिनटों में ही दबाव बनाना शुरू कर दिया।

वैभव को बटलर ने उपहार में दिया बल्ला

जयपुर। आईपीएल के इस सत्र में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन कर 400 से अधिक रन बनाये हैं। इस दौरान वैभव ने कई रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं। वैभव की इस सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी देखकर सभी हैरान हैं। जिस प्रकार से वह निडर होकर बल्लेबाजी करते हैं उसकी सभी ने प्रशंसा की है। वैभव के इस प्रदर्शन पर गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज ने उन्हें उपहार में एक बल्लास दिया है। बल्ला देते हुए बटलर ने कहा कि इसपर ऑटोग्राफ नहीं दूंगा बल्कि इससे तुम्हें खेलना है।

इस नजारे को देख क्रिकेट प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गयी। बटलर ने स्वयं वैभव से मुलाकात की। इस वीडियो में वैभव की मासूमियत और खेल के प्रति उनका जुनून नजर आया। वीडियो में वैभव कहते सुनाई देते हैं, 'बल्ला ले लेता हूं जाकर।' इसके बाद दोनों खिलाड़ी डगआउट की ओर बढ़ते हैं। बटलर ने तभी वैभव को अपना एक बल्ला उपहार में दिया। जब वैभव से कहा गया कि इस बल्ले पर बटलर के ऑटोग्राफ ले लो, तो वैभव ने कहा कि इसे उन्हें खेलने के लिए दिया गया है। वैभव ने इस मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ केवल 16 गेंदों पर ही 36 रनों की आक्रामक पारी खेली थी पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये हालांकि इस दौरान उन्होंने रिकार्ड जरुर बना लिया। वैभव ने पारी का पहला छक्का लगाते ही टी20 क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए। वैभव की सबसे बड़ी ताकत उनका 236.56 का स्ट्राइक रेट है। जहां अन्य बल्लेबाज 150-160 का स्ट्राइक रेट के रन बना रहे हैं। वहां वैभव लगभग 240 की रफ्तार से रन बना रहे हैं। वह जिस प्रकार से निडर होकर खेलते हैं, उससे गेंदबाज दबाव में आ जाते हैं।

मुम्बई इंडियंस की टीम के अपने साथियों को लेकर भावुक हुए क्रुणाल

नई दिल्ली । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी पुरानी टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के बाद उसमें शामिल रहे साथियों को लेकर भावुक नजर आये। इस मैच में क्रुणाल की शानदार पारी ही मुम्बई टीम की हार का कारण बनी है। मैच के बाद क्रुणाल ने अपने पुराने साथियों विशेषकर कीरोन पोलार्ड को याद किया। इस दौरान वह भावुक नजर आयें। क्रुणाल ने इस मैच में आरसीबी की ओर से 73 रनों की पारी खेली थी। जिससे आरसीबी ने दो विकेट पर ही 167 रनों का लक्ष्य हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया था। इस हार के साथ ही मुंबई

इंडियंस टूर्नामेंट से बाहर हो गयी। जिससे क्रुणाल को निराशा हुई क्योंकि उन्होंने साल 2016 से 2021 तक मुंबई इंडियंस की ओर से छह सत्र खेले थे। इस दौरान उन्होंने तीन आईपीएल खिताब जीते और टीम के सबसे भरोसेमंद ऑलराउंडरों में से एक बन गए।

अपनी पूर्व टीम को हराने के बाद, क्रुणाल ने पोलार्ड के साथ अपनी दोस्ती को याद किया। मैच के बाद उन्होंने भावुक होकर कहा, पोलार्ड मेरे बड़े भाई की तरह हैं। मैंने मुंबई इंडियंस में अपने सबसे अच्छे छह साल बिताए हैं। मुझे याद है कि पोलार्ड और पंड्या ब्रदर्स वहां इंजन रूम थे। मैं कीरोन पोलार्ड को बहुत पसंद करता हूं। वह शानदार इंसान हैं। उन्होंने कई ट्रॉफी और मैच जीते हैं। जैसा कि वह कहते हैं, आप अच्छे इंसान को नीचे नहीं रख सकते।पोलार्ड 2010 में मुंबई इंडियंस से जुड़े थे और उसी के साथ खिताबी जीत में भी शामिल रहे हैं। पंड्या और क्रुणाल दोनों भाइयों ने टीम को मिडिल और डेथ ओवर्स में ऑलराउंड संतुलन प्रदान किया। पोलार्ड और पंड्या ब्रदर्स ने मिलकर मुम्बई टीम को निचले मध्य क्रम में बेहतर बल्लेबाज दिये थे।

नए लेबर कोड में अब नौकरी पर जब चाहे रखो और जब चाहे निकालो

-खड़गे ने केंद्र के लेबर कोड लागू करने को मजदूरों के अधिकारों को झटका बताया

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में लागू हुए चार नए लेबर कोड पर आपत्ति जताते हुए इसे मजदूरों के हितों के लिए एक झटका बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने बिना किसी सलाह के चार नए लेबर कोड लागू कर दिए। खड़गे ने एक बयान में कहा कि मोदी सरकार विधानसभा चुनाव खत्म होने का इंतजार करती रही। इसके बाद 8 और 9 मई 2026 को गजट अधिसूचना जारी कर चार मजदूर-विरोधी श्रम संहिताओं को लागू कर दिया।

भारत के करोड़ों मजदूरों के लिए ये संहिताएं हायर एंड फायर की नीति ला रही हैं यानी नौकरी पर जब चाहे रख लो और जब चाहे निकाल दो। साथ ही ठेका पर रोजगार बढ़ेगा और ट्रेड यूनियन बनाने की गुंजाइश भी बहुत कम हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना अहम है कि मोदी सरकार ने इन मजदूर-विरोधी संहिताओं का मसौदा तैयार किया और उन्हें बिना किसी परामर्श के लागू कर दिया। इसने 2015 के बाद से भारतीय श्रम सम्मेलन भी नहीं बुलाया। आजादी के बाद से मजदूरों के अधिकारों के लिए सबसे बड़ा झटका है।

नए नियमों के तहत मूल वेतन कुल पारिश्रमिक का 50 फीसदी या उससे ज्यादा होना चाहिए। कर्मचारियों के लिए हाथ में आने वाले वेतन में भारी कमी देखने को मिलेगी। वेतन की एक जटिल और एकल परिभाषा ने वेतन संरचना को पूरी तरह से उलट दिया है, जिससे भत्ते कम हो गए और भारी भ्रम पैदा हो गया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर अतिरिक्त लागतों और डिजिटल अनुपालन का नया बोझ उनके अस्तित्व के लिए एक चुनौती बन गया है। न्यूनतम वेतन सुरक्षा में कृषि मजदूरों और घरेलू सहायकों को शामिल नहीं किया गया है।

खड़गे ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य-दशा संहिता

2020 का जिक्र करते हुए कहा कि इस संहिता में कार्यस्थल पर सुरक्षा को नियोक्ता का अनिवार्य कर्तव्य मानने के बजाय, उसे सिर्फ व्यवसाय की एक अतिरिक्त खर्च बना दिया है। यह संहिता अपराध-मुक्तिकरण का ढांचा लाती है। सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर चाहे उससे गंभीर चोट या दुर्घटना ही क्यों न हो अब आपराधिक मुकदमा चलाने के बजाय सिर्फ जुर्माना भरने की व्यवस्था है। रात की शिफ्ट में काम करने वाली महिलाओं के लिए एस्कॉर्ट, ट्रांसपोर्ट और सीसीटीवी कवरेज जैसे सुरक्षा उपायों के लिए कोई ठोस, अनिवार्य मॉडल नहीं है। कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले मजदूरों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए नियोक्ता की जिम्मेदारी का कोई प्रावधान नहीं है।

खरगे ने कहा कि भारत के 90 फीसदी मजदूर जो असंगठित क्षेत्र में हैं, उनके लिए यह संहिता कागजी औपचारिकता से ज्यादा कुछ नहीं, क्योंकि छोटे और सूक्ष्म उद्यमों को कुछ प्रावधानों से छूट मिली हुई है। गिग वर्कर के लिए फंडिंग, योगदान या बीमा का कोई स्पष्ट मॉडल नहीं है। उन्हें न तो कर्मचारी के तौर पर मान्यता दी गई है और न ही पूरी सुरक्षा दी गई है। लाभ के स्तर और समय-सीमा स्पष्ट नहीं हैं। निर्माण मज़दूरों और अन्य श्रेणियों के लिए कल्याण बोर्डों की भूमिका सीमित कर दी गई है, जिससे लाभों की पोर्टेबिलिटी रुक गई है। सामाजिक सुरक्षा को संवैधानिक अधिकार के बजाय डेटा एंट्री का काम बना दिया है। देश के 90 फीसदी मज़दूरों को पहचान पत्र दिया जा रहा है लेकिन उन्हें कोई कानूनी गारंटी या वास्तविक लाभ नहीं मिल रहे हैं।

खरगे ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भारत के मजदूरों के लिए अपने दृष्टिकोण पर अडिग है। हम अपने पांच-सूत्रीय श्रमिक न्याय एजेंडे के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

अवैध रेत परिवहन करते महाराष्ट्र जा रहा डंपर जप्त-चालक गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तिरोड़ी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बावनथड़ी नदी से महाराष्ट्र राज्य पहुचाये जा रहे रेत से भरा एक डंपर जप्त किया है। पुलिस ने मौके से डंपर चालक को भी गिरफ्तार किया है। जप्त डंपर की कीमत 45लाख रुपए बताई गई हैं। जिसमें 50 हजार रुपये की रेत भरी हुई थी। इस मामले में डंपर चालक के अलावा गुरुदेव पुष्पतोडे एवं प्रमोद डहरवाल की संलिप्तता भी सामने आई है। पुलिस द्वारा संबंधित आरोपियों के विरुद्ध विधिवत वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 एवं 11 मई की दरमियानी रात तिरोड़ी पुलिस की गश्त के दौरान सूचना मिली कि डंपर क्रमांक एमएच 40 डीसी 1827 बावनथड़ी नदी क्षेत्र से अवैध रूप से रेत भरकर महाराष्ट्र की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने महकेपार पावर हाउस चौक पर घेराबंदी की।इसी दौरान बम्हनी की ओर से आ रहे संदिग्ध डंपर को रोककर जांच की गई।जिसमें रेत भरी हुई पाई गई। चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम अंकुश पिता पापाजी उर्फ पप्पूजी जाधव 35 वर्ष भंडारा रोड शिव मंदिर, नवीन नगर पारडी, थाना पारडी, जिला नागपुर (महाराष्ट्र) निवासी बताया।डंपर में भरी रेत के परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे जाने पर चालक कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि रेत बावनथड़ी नदी के बम्हनी घाट से अवैध रूप से भरकर देवलापार की ओर ले जाई जा रही थी। पूछताछ के दौरान अवैध रेत परिवहन में गुरुदेव पुष्पतोडे एवं प्रमोद डहरवाल की भी संलिप्तता सामने आई है। पुलिस द्वारा संबंधित आरोपियों के विरुद्ध विधिवत वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

प्रकरण की विवेचना के दौरान सामने आया कि गुरुदेव पुष्पतोडे निवासी बोनकट्टा थाना तिरोडी के विरुद्ध पूर्व में मारपीट, बलवा, शासकीय कार्य में बाधा, आर्म्स एक्ट एवं अवैध खनन से संबंधित कई अपराध पंजीबद्ध हैं।

इसके बाद पुलिस ने चालक को अभिरक्षा में ले लिया तथा डंपर को जप्त कर महकेपार पुलिस चौकी परिसर में खड़ा कराया गया। जप्त डंपर की कीमत 45 लाख रुपए बताई गई है। जिसमें 50 हजार रुपये की रेत भरी हुई थीइस मामले में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 303(2), 317(5), मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 1996 की धारा 53(1) तथा खनिज अधिनियम 1952 की धारा 4/21 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार, प्रधान आरक्षक शिव प्रसाद धुर्वे, आरक्षक नितेश बघेल और आरक्षक प्रवेश पाल की सराहनीय भूमिका रही।

माओवादी सदस्य की गिरफ्तारी में उत्कृष्ट कार्य हेतु अपूर्व भलावी को मिला के.एफ. रुस्तम जी पुरस्कार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) लखनादौन अपूर्व भलावी को बालाघाट में पदस्थापना के दौरान प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के सक्रिय सदस्य संदीप की

गिरफ्तारी अभियान में उत्कृष्ट साहस, उच्च कोटि की व्यवसायिक दक्षता एवं कुशल रणनीति का परिचय देने पर प्रतिष्ठित के.एफ. रुस्तम जी पुरस्कार की परम विशिष्ट श्रेणी के लिए चयनित किया गया है।श्री भलावी के नेतृत्व में संचालित इस सफल अभियान के परिणामस्वरूप प्रतिबंधित माओवादी संगठन के सक्रिय सदस्यों द्वारा भविष्य में संभावित घटनाओं एवं गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। उनके कुशल नेतृत्व, त्वरित कार्रवाई एवं रणनीतिक कार्यशैली की पुलिस विभाग एवं शासन स्तर पर सराहना की गई।इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए माननीय मुख्यमंत्री द्वारा आज अपूर्व भलावी को पुरस्कार स्वरूप एक रिवॉल्वर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।यह सम्मान न केवल अपूर्व भलावी की कर्तव्यनिष्ठा, साहस एवं उत्कृष्ट पुलिस सेवा का प्रतीक है। बल्कि पुलिस विभाग के लिए भी गौरव का विषय है।

न्याय भले ही अंधा हो, उसमें हास्य-बोध होता है....

सीजेआई सूर्यकांत ने अदालतों के अंदर की परिस्थितियों पर अपनी बात रखी

नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि न्याय भले ही अंधा होता है, लेकिन इसमें हास्य-बोध भी होता है, जो बहुत ही बेहतरीन होता है। सीजेआई सूर्यकांत ने रविवार को एक ऐसे कार्यक्रम में अदालतों के अंदर की परिस्थितियों पर अपनी बात रखी, जिसमें एक तरह से पूरा सुप्रीम कोर्ट मौजूद था। सीजेआई ने कहा कि हर फैसले के पीछे एक इंसान ही होता है, जिसकी अपनी कमियां भी हो सकती हैं, लेकिन उसमें हास्य भी हो सकता है और उससे सीखने का मौका भी मिलता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की पुस्तकों की लॉन्च पर पहुंचे थे और उन्होंने दोनों किताबों का जिक्र किया- द बेंच, द बार एंड द बिजार- द क्यूरियस एंड द एक्स्ट्राऑर्डिनरी इन लॉ; और द लॉफुल एंड द ऑफुलक्कर्की टेल्स फ्रॉम द वर्ल्ड ऑफ लॉ। उन्होंने कहा कि कोर्टरूम ऐसी जगह है जहां रंगमंच और कानून का मिलन होता है। न्याय भले ही अंधा हो, लेकिन उसमें अनोखा हास्य-बोध होता है, शायद हंसी मजाक के प्रति एक लगाव भी।

कार्यक्रम में सीजेआई बोल रहे थे, वहां सुप्रीम कोर्ट के करीब सभी जज श्रोताओं के तौर पर मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां का हास्य उपहास नहीं, बल्कि शिक्षा है...एक ऐसी दुनिया, जिसमें कानून को अक्सर डरावनी और अथाह समझा जाता है, एक सॉलिसिटरल ने दरवाजे खोल दिए हैं, हमें आमंत्रित किया और इसकी बेतुकी बातों पर भी हमें मन भर के हंसने की अनुमति दी है। सीजेआई ने भारतीय अदालतों से जुड़े दिलचस्प किस्से सुनाकर माहौल को बहुत ही हल्का बना दिया।

उन्होंने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि भारतीय न्यायपालिका पर अपना तीसरा संस्करण लाने पर भी विचार करें। सीजेआई ने कहा कि किताबें, विदेशी अदालतों से जुड़े किस्सों से भरी हैं, लेकिन कोर्ट में हास्य खोजना दिखाता है कि वकीलों के पोशाकों और कानूनी औपचारिकताओं के पीछे उनका धड़कता हुआ दिल भी होता है। उन्होंने कहा कि सॉलिसिटर हमें बहुत ही प्यार से याद दिलाते हैं कि सभी गंभीरताओं के बावजूद यह एक अहम मानवीय कार्य है। आखिरकार हमें यह समझना ही पड़ेगा कि सभी कानून और उससे जुड़े हर फैसले के पीछे इंसान ही तो होते हैं, जिनकी अपनी कुछ आदतें भी होती हैं, कुछ दिक्कतें भी होती हैं और साथ ही हास्य की बेहतरीन चमक भी होती है।

कानून सिर्फ आदेशों और आपत्तियों के बारे में नहीं है। यह उस मानवीय हास्य से भी जुड़ा है, जो इन सबके बीच होता है। कोर्टरूम वह जगह है, जहां थियेटर का कानून से मिलन होता है और हर कोई भूमिका निभा रहा होता है। जज अपने अवाक चेहरों और कभी-कभार अधीरता के भाव के साथ और वकील अपने हाव-भाव और समय-समय पर की जाने वाली नाटकीयता के साथ न्याय के इस भव्य तमाशे में बड़ा योगदान देते हैं। इस कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह और अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी भी मौजूद थे और उन्होंने भी अपने-अपने विचार रखे।

नासिक टीसीएस प्रकरण में बड़ा खुलासा, महिला आयोग की 50 पन्नों की रिपोर्ट में कार्यस्थल पर गंभीर लापरवाही उजागर

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नासिक से जुड़े चर्चित प्रकरण में राष्ट्रीय महिला आयोग ने राज्य सरकार को 50 पन्नों की विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंप दी है। यह रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपे जाने के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। रिपोर्ट में कार्यस्थल के माहौल को बेहद विषाक्त, असुरक्षित और महिला कर्मचारियों के लिए चिंताजनक बताया गया है।

आयोग की जांच में सामने आया है कि कई महिला कर्मचारियों ने यौन उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना, दबाव और धार्मिक अपमान जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ प्रभावशाली कर्मचारियों के खिलाफ लंबे समय तक शिकायतें सामने आती रहीं, लेकिन पीड़ितों को उचित सुरक्षा और न्याय नहीं मिल सका।

जांच के दौरान दानिश, तौसीफ और रजा मेमन जैसे नाम प्रमुख रूप से सामने आए हैं। आरोप है कि इन लोगों ने कार्यालय का माहौल भय और दबाव से भर दिया था, जिसके कारण कई कर्मचारी खुलकर शिकायत दर्ज कराने से डरते रहे।

महिला आयोग ने संस्था की आंतरिक शिकायत समिति की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार समिति पीड़ित महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने में पूरी तरह विफल रही और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों का पालन लगभग नगण्य पाया गया।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि नासिक इकाई में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कमजोर थी। कई निगरानी उपकरण खराब पाए गए और सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर कमी देखी गई। आयोग ने इसे प्रशासनिक व्यवस्था की बड़ी विफलता बताया है।

नीट यूजी परीक्षा में पेपर लीक का गंभीर आरोप, 140 सवाल हूबहू मिले, जांच जारी

जयपुर । लाखों मेडिकल छात्रों के भविष्य से जुड़ी नीट यूजी 2026 परीक्षा फिर विवादों में घिर गई है। परीक्षा से पहले कथित तौर पर पेपर लीक होने की आशंकाओं ने छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। राजस्थान में सामने आए एक मामले में दावा हो रहा है कि एक 'सैंपल पेपर' में 140 सवाल नीट यूजी 2026 परीक्षा के असली सवालों से हूबहू मिलते थे, जिसे लाखों रुपये में बेचा गया था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, राजस्थान और उत्तराखंड से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (नीट) को ऐसी जानकारी मिली थी कि परीक्षा से पहले कुछ छात्रों के बीच एक 'गेस पेपर' या 'सैंपल पेपर' बांटा गया था। जांच में खुलासा हुआ कि इस पेपर के 300 सवालों में से करीब 140 सवाल मुख्य परीक्षा से काफी हद तक मेल खाते थे। मामले की गंभीरता को देखकर एनटीए ने केंद्रीय जांच एजेंसियों और राजस्थान पुलिस को इसकी सूचना दी। अब राजस्थान एटीएस और एसओजी इसकी जांच कर रही हैं। एसओजी की जांच में यह भी सामने आया है कि सैंपल पेपर केरल से राजस्थान के सीकर लाया गया था, जिससे एक बड़े नेटवर्क की संलिप्तता का संदेह गहरा गया है। जांच एजेंसियां कई जगहों पर छापेमारी कर रही हैं ताकि इस रैकेट में शामिल लोगों का पता लगाया जा सके। हालांकि, अभी तक यह पूरी तरह साफ नहीं हुआ है कि असली पेपर लीक हुआ था या यह पुराने पैटर्न पर तैयार किया गया एक बेहद सटीक गेस पेपर था। हालांकि एनटीए ने अपनी सफाई में कहा है कि नीट यूजी 2026 परीक्षा पूरी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कराई गई थी, जिसमें बायोमैट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी निगरानी और प्रश्न पत्रों का सुरक्षित संचालन जैसी कई परतें शामिल थीं। एजेंसी ने 8 मई को ही इस मामले की जानकारी जांच एजेंसियों को सौंप दी थी और पूरी जांच होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले इंतजार करने को कहा है।

मोती तालाब से खरपतवार और कचरा हटाने का अभियान तेज

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर पालिका ने चलाया व्यापक स्वच्छता अभियान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर में जल स्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण को लेकर नगर पालिका परिषद द्वारा विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत सोमवार को मोती तालाब एवं गार्डन परिसर में व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर के प्रमुख जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, स्वास्थ्य सभापति श्रीमती संगीता खगेश कावरे तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उइके विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सुबह से प्रारंभ हुए इस विशेष सफाई अभियान के दौरान मोती तालाब परिसर, गार्डन क्षेत्र, घाटों एवं आसपास के मार्गों की गहन सफाई की गई। नगर पालिका के सफाई दल ने तालाब किनारे फैले प्लास्टिक कचरे, पॉलीथिन, सूखी पत्तियों एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया। इसके साथ ही तालाब में फैली जलकुंभी और खरपतवार को निकालकर जल स्रोत को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने का प्रयास किया गया। अभियान के दौरान नगर पालिका की टीम ने नागरिकों को गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण, प्लास्टिक उपयोग कम करने तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के संबंध में भी जानकारी दी।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने नागरिकों से शहर और जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। स्वास्थ्य सभापति श्रीमती संगीता खगेश कावरे ने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद जरूरी है और इसके लिए जन भागीदारी आवश्यक है। वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उइके ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में बेहतर प्रदर्शन के लिए नगर पालिका लगातार विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां संचालित कर रही है तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से तालाबों के संरक्षण और जल संवर्धन पर विशेष कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता मित्र, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर अभियान में सहभागिता निभाई। इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि स्वच्छ शहर और स्वच्छ जल स्रोत ही स्वस्थ समाज एवं सुरक्षित पर्यावरण की आधारशिला हैं। नगर पालिका परिषद ने भविष्य में भी ऐसे स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान लगातार चलाने की बात कही है।

राहुल के एडवाइजर ने किए खुलासे और कहा- उनसे टूट सकते हैं रिश्ते

-राहुल गांधी भी मजाकिया अंदाज में बोले- आप मेरे निवेशों पर रिटर्न में तेजी लाएं

नई दिल्ली। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष के इन्वेस्टमेंट एडवाइजर मुथुकृष्णन धंदापानी ने राहुल गांधी की छवि को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने अंदेशा जताया कि इससे उनका राहुल गांधी से रिश्ता टूट सकता है लेकिन इसके उलट कांग्रेस सांसद ने मजाकिया अंदाज में उन्हें जवाब देते हुए कहा कि आप मेरे निवेशों पर रिटर्न में तेजी लाएं। धंदापानी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं कोई व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करने जा रहा हूं। मैं बस यह बताना चाहता हूं कि धारणा वास्तविकता से कितनी अलग होती है। यह किसी राजनीतिक दल या नेता का समर्थन करने के लिए नहीं है। मेरा मतलब चीजें वैसी नहीं हैं जैसी दिखती हैं।

उन्होंने कहा कि 2013 में, मेरे एक ग्राहक जो राहुल

गांधी के लिए प्रोफेशनल रूप से काम कर रहे थे। उन्होंने राहुल गांधी को अपने म्यूचुअल फंड निवेशों को संभालने के लिए मेरा नाम सुझाया। 2013 में जब यूपीए-2 की सरकार थी, तब से लेकर आज तक, जब विजय ने कांग्रेस के समर्थन से शपथ ली, राहुल गांधी म्यूचुअल फंड निवेशों के लिए मेरे ग्राहक बने हुए हैं। धंदापानी ने कहा कि हमने कई ईमेल का आदान-प्रदान किया है और कई बार फोन पर बात भी की है। मुथुकृष्णन ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं मैं 2014 से 2024 तक नरेन्द्र मोदी का प्रबल समर्थक रहा हूं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुथुकृष्णन धंदापानी ने आगे कहा कि राहुल या उनके कार्यालय के कर्मचारियों ने कभी भी इस विषय को मेरे सामने नहीं उठाया। मेरा मानना है कि मेरे ट्वीट उनके कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से देखे जाते हैं। वे मेरी प्रोफेशन सर्विस और राजनीतिक विचारों के बीच स्पष्ट रूप से अंतर समझते हैं। धंदापानी ने कहा राहुल गांधी हर बातचीत में उनसे सम्मानपूर्वक बात करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पोस्ट की वजह से हो सकता है कि राहुल गांधी प्रोफेशनल संबंध तोड़ दें, लेकिन कोई बात नहीं, एक दिन किसी न किसी चीज का अंत तो होना ही है। वहीं अपने इन्वेस्टमेंट एडवाइजर धंदापानी की पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए राहुल गांधी ने मजाकिया लहजे में कहा कि मुथु जी, आपके राजनीतिक विचार आपके अपने हैं, लेकिन कृपया मेरे निवेशों पर रिटर्न में तेजी लाएं। इसके बाद धंदापानी ने कहा कि राहुल गांधी की प्रतिक्रिया से उन्हें सुखद अहसास हुआ।

ऋतु दत्ता ने खोला टीएमसी के खिलाफ मोर्चा

कोलकाता,। पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से छह वर्षों के लिए निलंबित किए जाने के बाद पूर्व प्रवक्ता ऋतु दत्ता ने अपनी ही पूर्व पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ तीखे हमले शुरू कर दिए हैं। अनुशासन समिति के समक्ष पेश न होने वाले दत्ता ने अब संगठन के भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार और तानाशाही पर खुलकर मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने स्थानीय स्तर के नेताओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बंगाल में पंचायत से लेकर नगर पालिकाओं तक में भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं। दत्ता के अनुसार, आम जनता से घर का नक्शा पास कराने से लेकर कमोड लगवाने जैसे बुनियादी कामों के लिए भी वसूली की जाती थी। महिलाओं के सम्मान के मुद्दे पर टीएमसी को घेरते हुए ऋतु दत्ता ने कहा कि महज 1500 रुपये की आर्थिक सहायता देकर महिलाओं का सम्मान नहीं खरीदा जा सकता। उन्होंने दावा किया कि जमीनी स्तर के कई नेताओं के दुर्व्यवहार के कारण बंगाल की महिलाएं लंबे समय से प्रताड़ित महसूस कर रही थीं। संदेशखाली और आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि टीवी डिबेट्स में पार्टी का पक्ष रखना उनके लिए बेहद कठिन और आत्मग्लानि से भरा होता था, क्योंकि उन्हें कई बार अपने जमीर के खिलाफ जाकर गलत बातों का बचाव करना पड़ता था। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि सुवेंदु अधिकारी जैसे विपक्षी नेताओं के खिलाफ बयान देने के लिए उन पर पार्टी के भीतर से भारी दबाव बनाया जाता था और धमकियां दी जाती थीं। दत्ता ने भ्रष्टाचार के आरोपों की फेहरिस्त में टिकट के बदले पैसे का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सनसनीखेज दावा किया कि उनसे चुनाव लड़ने के बदले 50 लाख रुपये की मांग की गई थी। इसके अलावा, उन्होंने विधानसभा चुनाव में पार्टी की खराब स्थिति के लिए राजनीतिक परामर्श संस्था आइपैक की कार्यप्रणाली और स्थानीय नेताओं की तानाशाही को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, उन्होंने भाजपा में शामिल होने की खबरों को फिलहाल खारिज कर दिया, लेकिन संकट के समय में भाजपा नेताओं द्वारा उनके परिवार को दी गई सुरक्षा की जमकर सराहना की। दत्ता का यह बागी रुख बंगाल की राजनीति में एक नई हलचल पैदा कर रहा है।

दिल्ली में बैरियर-लेस टोल सिस्टम का आगाज- बिना रुके कटेगा टैक्स

नई दिल्ली। दिल्ली और आसपास के लोगों को अब टोल प्लाजा पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम जल्द ही निजात मिलने वाली है। केंद्र की मोदी सरकार ने सोमवार को दिल्ली में एक नए और हाईटेक बैरियर-लेस टोल सिस्टम की शुरुआत कर दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मुंडकाझ्बक्करवाला टोल प्लाजा से इस मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) बैरियर-लेस टोलिंग सिस्टम का शुभारंभ किया। शुरु की गई इस नई व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत यह है कि टोल प्लाजा पर कोई बैरियर नहीं होगा, इससे गाड़ियों को टोल देने के लिए रुकना या गति धीमी करनी नहीं पड़ेगी।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

2 दिन से लापता युवक का फांसी पर लटका हुआ शव बरामद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले चुचरूंग टिकरा के जंगल में एक युवक की पेड़ में फांसी पर लटकी हुई लाश बरामद की गई। जिसकी पहचान दो दिन से लापता युवक उदेश कुमार पिता सवनु सिह मेरावी 16 वर्ष ग्राम शेरपार निवासी के नाम से की गई। इस द्वारा स्वमं के द्वारा फांसी लगाने से मौत होने की संभावना की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम शेरपार निवासी सवनुसिह मरावी खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में पांच बच्चे हैं जिनमें छोटा बेटा उदेश कुमार बचपन से ही मानसिक रूप से कमजोर था जिसका इलाज गांव एवं दूसरे गांव के डॉक्टर से करवाये किंतु उसमें कोई सुधार नहीं आया था। उदेश कुमार बिना बताए कहीं भी चल जाता था और जब परिवार लोगों को पता चलता था तब उसे लेने जाते थे और वह साथ में आ जाता था।कुछ दिन ठीक से रहने के बाद फिर वही पागल जैसी हरकत करते रहता था। 8 मई को जब परिवार के लोग घर में थे उस समय 11:00 बजे उदेश कुमार घर से बिना बताए चला गया था। जो रात तक घर वापस नहीं आया। दूसरे दिन भी वापस नहीं आया। इसके बाद परिवार वालों ने उसकी तलाश किये आसपास पड़ोस के गांव में परिवार में रिश्तेदारी में उदेश कुमार की खोजबीन किये कहीं पता नहीं चला। 10 मई को सुबह 6:00 बजे जब परिवार के लोग उदेश कुमार को ढूंढते हुए चुचरूंग टिकरा जंगल तरफ गए तब जंगल की झाड़ियां में धोड़ा के पेड़ में एक युवक की फांसी पर लटकी लाश देखी गई जिसकी पहचान करने पर यह युवक उदेश कुमार मेरावी था जिसने पेड़ में रस्सी बांधकर फांसी लगा ली थी। सवनुसिंह मेरावी 55 वर्ष ने बिरसा पुलिस थाना में रिपोर्ट की थी। जहां से उप निरीक्षक शिवलाल परते अपने स्टाफ के साथ चुचरंग टिकरा का जंगल पहुंचे और उदेश कुमार की फांसी लटकी लाश नीचे उतरवाई। संभावना व्यक्त की गई है कि मानसिक रूप से कमजोर होने के कारण उदेश कुमार ने स्वयं के द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सहायक उप निरीक्षक श्री परते ने उदेश कुमार का शव पंचनामा पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

अब पुलिसकर्मी भी नहीं सुरक्षित, गश्त पर गए प्रधान आरक्षक के घर लाखों की चोरी

बॉटनिकल कॉलोनी में ताले तोड़कर 1.25 लाख नकद और सोने की अंगूठियां पार, सीसीटीवी में कैद हुए चार संदिग्ध

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज।बालाघाट।

कोतवाली क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। चोरों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे आम नागरिकों के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के घरों को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं। ताजा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गर्रा स्थित बॉटनिकल कॉलोनी वार्ड क्रमांक 12 से सामने आया है, जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने एक पुलिसकर्मी के घर में चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार संबंधित पुलिसकर्मी रात के समय शहर में गश्त ड्यूटी पर तैनात था और शहर की अन्य कॉलोनियों की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहा था। इसी दौरान अज्ञात चोर उसके ही सूने मकान में घुस गए और लाखों रुपए नकद सहित सोने के जेवरात चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। लोगों का कहना है कि जब पुलिसकर्मी का घर सुरक्षित नहीं है तो आम नागरिक खुद को कैसे सुरक्षित महसूस करें। चोरी की पूरी वारदात कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुई है। फुटेज में चार संदिग्ध युवक आते-जाते दिखाई दे रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है।

शहर में एक बार फिर चोरी की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। कुछ महीने पहले भी शहर में सूने मकानों, दुकानों और दिनदहाड़े चोरी की घटनाओं ने लोगों को परेशान कर दिया था। उस दौरान पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई करते हुए चोरी की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लगाया गया था, लेकिन अब बीते कुछ दिनों से शहर में फिर चोरी की वारदातें सामने आने लगी हैं। हालात यह हैं कि अब अज्ञात चोर आम नागरिकों के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के घरों को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं। ताजा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गर्रा के वार्ड क्रमांक 12 स्थित बॉटनिकल कॉलोनी का है, जहां अज्ञात चोरों ने रक्षित केंद्र में पदस्थ प्रधान आरक्षक सुंदरलाल पालेवार के घर को निशाना बनाया। घटना 10 मई की रात की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार प्रधान आरक्षक सुंदरलाल की उस रात 12 बजे से शहर में गश्त ड्यूटी लगी हुई थी। वे महिंद्रा कॉलोनी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे थे और रात करीब 12 बजे अपने घर से ड्यूटी के लिए निकल गए थे। सुबह लगभग 5:20 बजे जब वे ड्यूटी खत्म कर अपने घर लौटे तो उन्होंने देखा कि घर के सामने लगे ताले टूटे हुए हैं और दरवाजा खुला पड़ा हुआ है। यह देखकर उनके होश उड़ गए। घर के अंदर जाकर देखने पर पता चला कि अज्ञात चोर घर में रखी नगदी और जेवर लेकर फरार हो चुके थे। प्रधान आरक्षक सुंदरलाल ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि उनकी कॉलोनी में पहले कभी चोरी जैसी घटनाएं नहीं हुई थीं, लेकिन पहली बार इस तरह की बड़ी वारदात सामने आई है। उन्होंने बताया कि घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था, क्योंकि वे स्वयं शहर की सुरक्षा में गश्त कर रहे थे और इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके घर को निशाना बना लिया। उन्होंने बताया कि घर में करीब 1 लाख 25 हजार रुपए नकद रखे हुए थे, साथ ही एक-एक तोले की दो सोने की अंगूठियां भी घर में रखी थीं, जिन्हें अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। चोरों ने घर के ताले काटकर अंदर प्रवेश किया और पूरी वारदात को अंजाम दिया। प्रधान आरक्षक ने यह भी बताया कि कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना कैद हुई है। फुटेज में लगभग चार अज्ञात युवक कॉलोनी में प्रवेश करते दिखाई दे रहे हैं और बाद में उनके घर में जाते हुए भी नजर आ रहे हैं। उन्होंने घटना की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज करा दी है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं कॉलोनी में रहने वाले बी.एल. चौधरी ने पद्मेश न्यूज से चर्चा करते हुए बताया कि बीते कुछ दिनों से कॉलोनी की स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हुई हैं। उनका कहना है कि संभवतः अंधेरे का फायदा उठाकर ही अज्ञात चोरों ने इस चोरी की घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि बॉटनिकल कॉलोनी एक रिहायशी क्षेत्र है, जहां अधिकतर शासकीय कर्मचारी और उनके परिवार निवास करते हैं। ऐसे में कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होना जरूरी है। कॉलोनीवासियों ने मांग की है कि रात के समय क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही उन्होंने पुलिस विभाग से इस चोरी की घटना का जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग भी की है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी हुई है। लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं ने शहरवासियों की चिंता बढ़ा दी है और लोग अब अपनी सुरक्षा को लेकर भी सतर्क नजर आने लगे हैं।

मवेशी द्वारा पानी पीने के विवाद में मारपीट- भतीजा घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रमगढ़ी में मवेशी द्वारा पानी पीने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया गया। पुलिस ने घायल की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राधेश्याम दमाहे 42 वर्ष खेती-किसानी का कार्य करते हैं। उसके पड़ोस में उसके काका बंसीलाल दमाहे निवास करते हैं, जिनके पास भैंस और बोदा (मवेशी) हैं। राधेश्याम के पास भी दो भैंस हैं जिन्हें गांव का चरवाहा चराने ले जाता है। बताया गया कि बंसीलाल दमाहे का एक बोदा अक्सर राधेश्याम के घर के सामने रखे टब में रखा पानी पी जाता था। जिससे राधेश्याम को अपने मवेशियों के लिए पानी की समस्या होने लगी थी।9 मई को दोपहर करीब 12 बजे राधेश्याम घर पर था। तभी चरवाहा मवेशियों को चराकर वापस लाया। इसी दौरान बंसीलाल का बोदा फिर से राधेश्याम के घर के सामने रखे टब का पानी पी गया। इसी बात को लेकर राधेश्याम ने अपने काका बंसीलाल से आपत्ति जताई।जिस पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।विवाद बढ़ने पर बंसीलाल का भाई उक्कासी दमाहे मौके पर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए राधेश्याम के साथ हाथ-मुक्कों एवं ईंट से मारपीट की। आरोप है कि उसने राधेश्याम को जमीन पर गिराकर उसके ऊपर बैठकर भी मारपीट की, जिससे उसके सीना, गाल और कंधे में चोटें आईं।हंगामे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद उक्कासी दमाहे ने जान से मारने की धमकी भी दी।घायल राधेश्याम को उपचार के लिए किरनापुर अस्पताल ले जाया गया। जहां उसका इलाज किया गया। बाद में उसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने उक्कासी दमाहे के खिलाफ मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लोक सेवा आयोग परीक्षा में बालाघाट के 7 संविदा चिकित्सकों का चयन

किरनापुर के प्रभारी बीएमओ डॉ. वर्ष चौबे ने प्रदेश में हासिल की 8वीं रैंक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के स्वास्थ्य विभाग के लिए गौरव की बात है कि जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संविदा आधार पर सेवाएं दे रहे 7 चिकित्सा अधिकारियों का चयन मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से नियमित चिकित्सा अधिकारी (एमबीबीएस) पद के लिए हुआ है। हाल ही में जारी मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के परिणामों में जिले के इन चिकित्सकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नियमित चिकित्सा सेवा में स्थान प्राप्त किया है। इनमें किरनापुर के प्रभारी बीएमओ डॉ. वर्ष चौबे ने पूरे प्रदेश में 8वीं रैंक हासिल कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। वहीं लालबर्रा की प्रभारी बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे का भी चयन नियमित चिकित्सा सेवा के लिए हुआ है। नियमित सेवा के लिए चयनित चिकित्सकों में डॉ. वर्ष चौबे, डॉ. रौशनी नागदेवे, डॉ. अंकित खरोले, डॉ. प्रिया मोरोपे, डॉ. करिश्मा सिल्हारे, डॉ. परितोष शुक्ला एवं डॉ. रितु धुर्वे शामिल हैं। इनमें से कई चिकित्सक मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में संविदा अथवा बांड के आधार पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं या पूर्व में दे चुके हैं। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में इन चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने चयनित सभी चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए इसे जिले के लिए उपलब्धि बताया है। मध्यप्रदेश स्वास्थ्य संचालनालय भोपाल द्वारा चयनित चिकित्सकों की पदस्थापना के लिए पृथक आदेश जारी किए जाएंगे, जिसके बाद उन्हें प्रदेश की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में नियमित चिकित्सा अधिकारी के रूप में सेवाएं प्रदान करने का अवसर मिलेगा।

पत्नी के चरित्र पर शक कर पति ने की मारपीट - दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शेरपार में एक शर्मनाक मामला सामने आया है। पति द्वारा पत्नी के चरित्र पर शक कर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना देने का मामला दर्ज किया गया है पति ने शराब के नशे में पत्नी से बेरहमी से मारपीट की और किसी अन्य युवक से बात करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। बिरसा पुलिस ने इस मामले में भूमिलाल पिता बुधराम नेताम के विरुद्ध मामला कायम कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामवती नेताम, 30 वर्ष शेरपार की निवासी है। वह खेती-किसानी और मजदूरी कर तीन बच्चों का पालन-पोषण करती है। श्यामवती अपने बच्चों के साथ घर में अकेली रहती है। जबकि उसके सास-ससुर अलग रहते हैं। पति भूमिलाल नेताम छत्तीसगढ़ में मजदूरी करने जाता है। और वह बीच-बीच में घर आते-जाते रहता है। आरोप है कि जब भी भूमिलाल घर आता है। वह शराब के नशे में पत्नी के चरित्र पर संदेह कर उसके साथ मारपीट करता है। चार दिन पहले ही भूमिलाल छत्तीसगढ़ से घर लौटा था और रोज शराब पी रहा था। 8 मई को भी वह शराब पीकर घर पहुंचा। उसने पत्नी पर दूसरे लड़कों से बात करने और उनके साथ बैठने का आरोप लगाते हुए मारपीट शुरू कर दी। डर के मारे श्यामवती भागकर पड़ोस में चली गई। लेकिन भूमिलाल पीछा करते हुए वहां पहुंचा। उसने श्यामवती को बाल पकड़कर बाहर खींचा और बुरी तरह पीटा। मारपीट के दौरान भूमिलाल उसे किसी लड़के से बात करने पर जान से मारने की धमकी दे दी। हमले में श्यामवती गंभीर रूप से घायल हो गई थी। 9 मई को श्यामवती अपने बड़े पिताजी के साथ बिरसा थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। बिरसा पुलिस ने श्यामवती की रिपोर्ट पर उसके पति भूमिलाल पिता बुधराम नेताम के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बिरसा पुलिस ने भूमिलाल के विरुद्ध शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना, मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देने की भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया है। जिसकी जांच की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट